PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, सोमवार
24.02.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 24

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा, स्पेस साइंस में देश नई ऊंचाई छू रहा

एजेंसी। नई दिल्ली

महिला दिवस पर महिलाओं को समर्पित रहेगा पीएम मोदी का सोशल एकाउंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में स्पेस साइंस पर विशेष चर्चा करते हुए क्रिकेट का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर जगह क्रिकेट का ही माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच तो हम सभी भली-भांति जानते हैं, लेकिन आज मैं, आप सब से क्रिकेट की नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई उसकी बात करने वाला हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 119वें एपिसोड में देश की प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में हो रही महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने खासकर स्पेस साइंस, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल और स्वास्थ्य पर ध्यान देने खाद्य तेल के कम उपयोग पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा, कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है, लेकिन मैं आज आपसे क्रिकेट नहीं, बल्कि अंतरिक्ष

में भारत द्वारा बनाए गए अद्भुत शतक के बारे में बात करूंगा। उन्होंने बताया कि पिछले महीने देश ने इसरो का 100वां रॉकेट लॉन्च देखा और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की लगातार बढ़ती उपलब्धियों की सूची का जिक्र किया। चाहे वो चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल-1 की सफलता हो या फिर एक साथ 104 सैटेलाइट लॉन्च करने का अभूतपूर्व मिशन, भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाई छू रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, कि भारत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) क्षेत्र में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। हाल ही में पेरिस सम्मेलन में भारत की इस क्षेत्र में प्रगति की सराहना की गई। उन्होंने तेलंगाना के आदिलाबाद के शिक्षक थॉसम कैलाश का उदाहरण दिया, जो एआई का उपयोग करके आदिवासी भाषाओं को संरक्षित कर रहे हैं, खासकर कोलामी भाषा में गाने बनाने के लिए।

उत्तराखंड सशक्त खेल शक्ति के रुप में उभर रहा : इसके अलावा, पीएम मोदी ने उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का भी उल्लेख किया, जहां देशभर के 11,000 से अधिक एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, यह खेलों की शक्ति है जो न केवल व्यक्तियों और समुदायों को बदलती है, बल्कि पूरे राज्य को भी सशक्त बनाती है। उत्तराखंड अब देश में एक सशक्त खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपनी सेना टीम को अधिकतम स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी और खेलों को युवा पीढ़ी को प्रेरित करने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक माध्यम बताया।

महिला दिवस पर खास पहल का आगाज

महिला दिवस का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। उन्होंने कहा कि इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे- एक्स, इंस्टाग्राम को देश की कुछ खास महिलाओं को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर अलग पहचान बनाई हैं। इसके जरिये वो 8 मार्च को अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। पीएम मोदी ने वर्ल्ड लाइफ पर कहा कि अगले महीने की शुरुआत में हम वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे मनाएंगे। ऐसे में मेरा आग्रह है कि आप सभी इससे जुड़े लोगों का हौसला जरूर बढ़ाएं। मन की बात कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम उन लोगों की मेहनत और प्रयासों को उजागर करता है जो आमतौर पर बड़े दर्शक वर्ग तक नहीं पहुंच पाते। प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्यक्रम के माध्यम से लाखों लोगों को प्रगति की दिशा में काम करने और सामाजिक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाता है।

भारत से हारा पाकिस्तान

कोहली का 51वां वनडे शतक, इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली 180 रन की हार का हिसाब बराबर कर दिया। दुबई में रविवार को पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए। कुलदीप यादव को 3 और हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान से सऊद शकील ने 62 और मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। अबरार अहमद और खुशदिल शाह को 1-1 विकेट मिला। विराट वनडे में सबसे ज्यादा 158 कैच पकड़ने वाले भारतीय बने। उन्होंने पारी में 15वां रन बनाते ही सबसे तेज 14 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के तीसरे टॉप स्कोरर भी बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 27,483 रन हैं।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र की पहल: देश के 21 राज्य सुदूर गांवों का ट्राइबल एटलस करेंगे तैयारी

नई दिल्ली। आदिवासी मामलों के मंत्रालय ने 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को, जो वन अधिकार अधिनियम 2006 को लागू कर रहे हैं, जमीनी स्तर पर विस्तृत कार्यवाही शुरू करने को कहा है। वन अधिकार दावों के लंबित होने के कारण यह कवायद शुरू की गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्राप्त हुए दावों में से आधे से भी कम मामलों में जमीन के अधिकार या पट्टे दिए गए हैं। केंद्र सरकार आदिवासियों को जमीन का हक दिलाने के लिए एक बड़ा कदम उठा रही है। सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वे दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले आदिवासियों के लिए एक ट्राइबल एटलस तैयार करें। इस एटलस में जंगलों के अंदरूनी इलाकों तक सभी आदिवासी-बहुल गांवों का नक्शा होगा। यह एटलस प्रत्येक आदिवासी गांव का जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक प्रोफाइल बनाने में मदद करेगा। इससे सरकार यह पता लगा सकेगी कि किन आदिवासियों को अभी तक जमीन का हक नहीं मिला है। एक फरवरी तक, 48.95 प्रतिशत दावेदारों को मीन के अधिकार दिए गए हैं, जबकि 36.43 प्रतिशत दावे खारिज कर दिए गए हैं। लगभग 14.62 प्रतिशत दावे अभी भी राज्यों के पास लंबित हैं। एक सीनियर मंत्रालय अधिकारी ने बताया, एक राज्य का आदिवासी एटलस राज्य सरकार और केंद्र को उन क्षेत्रों की स्पष्ट रूप से पहचान करने में मदद करेगा जहां भूमि अधिकार दावों को पूरा किया जा सकता है। जिला प्रशासन को ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि किस गांव के किन आदिवासियों को अपनी मीन के पट्टे नहीं मिले हैं और उन्हें टारगेट करके काम पूरा किया जा सकता है।

डीडीयू रेलवे स्टेशन श्रद्धालुओं की भीड़ से भरा, ट्रेनों में नहीं मिल रही जगह

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं तो वहीं बड़ी संख्या में स्नान कर दूसरे लौट रहे हैं। रविवार को सुबह 9 बजे तक कुल 31.70 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई. जबकि अब तक कुल 60.74 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। जिसके चलते रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ है। आलम यह है कि श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा स्टेशन खचाखच भरा है लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसा ही एक वीडियो चंदौली जिले के दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन का सामने आया है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे हैं और यहां बिहार समेत अन्य राज्यों के लिए ट्रेन पकड़ रहे हैं। दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर इतनी ज्यादा भीड़ है कि ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। इसके बावजूद लोग किसी तरह ट्रेन में चढ़कर यात्रा कर रहे हैं। बिहार झारखंड और उड़ीसा की तरफ जाने वाले यात्री सबसे ज्यादा बेहाल हैं। बिहार के सासाराम जाने वाली ट्रेन में एक महिला भीड़ के चलते ट्रेन में नहीं चढ़ पाई। महिला ने कहा कि ट्रेन में बहुत ज्यादा भीड़ है। हम महाकुंभ में स्नान कर बिहार के सासाराम जा रहे हैं, लेकिन ट्रेन में चढ़ने तक की जगह नहीं है। जिसके चलते ट्रेन छूट गई। अब दूसरी ट्रेन से यात्रा करेंगी। वहीं, यहां से पश्चिम बंगाल के सियालदह जाने वाली ट्रेन भी जबरदस्त भीड़ है।

दिल्ली विधानसभा में आमने-सामने होंगी दो महिलाएं, आतिशी बनी विपक्ष की नेता

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में अब दो महिलाएं आमने-सामने होंगी। एक ओर बीजेपी ने विधायक रेखा गुप्ता को सीएम बनाया है तो वहीं आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी को नेता विपक्ष बनाया है। रविवार को आप की विधायक दल की बैठक में नेता विपक्ष के लिए पूर्व सीएम आतिशी के नाम पर मुहर लग गई। दिल्ली में बीजेपी के बाद अब आप ने महिला कार्ड खेला है। इससे पहले आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, और ऊर्जा जैसी अहम जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। पांच महीने जब अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया तो आतिशी पर भरोसा जताया गया था। पिछले साल सितंबर में आतिशी ने सीएम पद की शपथ ली थी और सिर्फ पांच महीने में ही वह विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाने को तैयार हैं। बतौर सीएम आतिशी के कामकाज के चलते पार्टी के भीतर भी उनका कद बढ़ा है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में जब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज जैसे पार्टी के बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा तब आतिशी कालकाजी से अपनी सीट बचाने में कामयाब रही हैं। बीजेपी महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को जोर-शोर से उठाती रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों ने महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया था।

टनल में फंसे श्रमिकों को निकालने में जुटी सेना और एनडीआरएफ की टीम

एजेंसी। नागरकुरनूल

बीते रोज तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में सुरंग का एक हिस्सा गिरने से करीब 14 किमी अंदर 8 श्रमिक फंस गए हैं। उन्हे निकालने के लिए सेना और एनडीआरएफ की टीम जुटी हुई है। आठ श्रमिक अभी भी इसके अंदर फंसे हुए हैं। इसके अलावा, सेना ने भी बचाव कार्यों के लिए अपने इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) को तेजी से तैनात किया है। अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक से लैस ईटीएफ दुर्घटना स्थल पर मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान चला रहा है। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने यहां से लगभग 150 किलोमीटर दूर नागरकुरनूल जिले में दुर्घटना स्थल पर संवाददाताओं को बताया कि राज्य सरकार विशेषज्ञों की मदद ले रही है, जिनमें पिछले साल उत्तराखंड में

इसी तरह की घटना में फंसे श्रमिकों को बचाने वाले लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, सरकार सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की भी मदद ले रही है। फंसे हुए लोगों में से दो व्यक्ति इंजीनियर और दो ऑपरेटर हैं। चार अन्य मजदूर हैं। ये सभी उत्तर प्रदेश, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरंग में ताजा हवा पहुंचाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को फोन कर घटना की जानकारी ली और बचाव अभियान के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और सेना का एक दल वहां पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री को स्थिति से अवगत कराया तथा बताया कि फंसे हुए लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक रेड्डी ने यह भी बताया कि राज्य के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव घटनास्थल पर मौजूद हैं और बचाव कार्यों की देखरेख कर रहे हैं।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरंग में प्रवेश करने वाली टीमों का मार्गदर्शन करने के लिए ड्रोन तैनात किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरंग के अंदर 13 किलोमीटर तक रास्ता साफ है, और सुरंग के 14 किलोमीटर पर ढांचा ढह गया है। हालांकि, उन्होंने बताया कि बचाव दल सुरंग की समग्र स्थिति को लेकर आशंकित हैं। सूत्रों ने बताया, घटनास्थल पर बहुत सारा मलबा जमा हो गया है, इसलिए बचाव दल आगे बढ़ने और किसी भी संभावित खतरे का पता लगाने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। बचाव अभियान पूरी रात जारी रहेगा।

कांगड़ा के फतेहपुर में हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के फतेहपुर में रविवार दोपहर एक हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना 23 फरवरी दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में संदिग्ध वस्तु देखी, जिसके बाद करीब जाकर देखा गया तो पता चला कि यह एक हैंड ग्रेनेड है। ग्रेनेड मिलने की खबर इलाके में आग की तरह फैली, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इसकी सूचना जैसे ही पुलिस को मिली वह भी बिना देर किए मौके पर पहुंची और इलाके को सील कर दिया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। साथ ही, पुलिस ने तुरंत पठानकोट स्थित भारतीय सेना को भी सूचित किया। खबर लिखे जाने तक एसपी नूरपुर अशोक रतन और आर्मी की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी और ग्रेनेड की जांच कर रही थी।

पहले भी मिल चुके हैं बम : यह पहली बार नहीं है जब फतेहपुर इलाके में इस तरह के हथियार या विस्फोटक सामग्री मिली हो। बल्कि इससे पहले भी यहां बम मिलने की घटनाएं हो चुकी हैं, हालांकि अभी तक कोई बड़ी घटना नहीं घटी है। सेना ने पहले भी इस तरह के ग्रेनेड को डिफ्यूज किया है।

आईजीआई से वन्यजीव तस्करी में तीन गिरफ्तार, कई दुर्लभ वन्यजीव बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर कस्टम विभाग ने वन्यजीव तस्करी के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। यह तीनों भारतीय यात्री बैंकाक से आने वाली फ्लाइट से दुर्लभ वन्यजीव लेकर आईजीआई पर उतरे थे। कस्टम के अधिकारियों ने उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद किये। कस्मट विभाग के अनुसार बैंकॉक से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया फ्लाइट एआई 303 से तीन यात्री उतरे थे। कस्टम अधिकारियों ने इन तीनों यात्रियों को देर रात 1:30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद हुए। कस्टम विभाग के अनुसार तीनों यात्रियों के बैग से

अलग-अलग प्रजाति के वन्यजीव मिले। इन वन्यजीव में अलग-अलग प्रजाति के कई सांप थे। इनमें से पांच कॉर्न सांप, आठ मिल्क स्नेक और नौ बॉल पाइथन स्नेक हैं।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिवसीय फ्रांस यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से रविवार को फ्रांस की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। चार दिवसीय दौरे पर जनरल द्विवेदी फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ कई बैठकें करेंगे, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद सेनाध्यक्ष की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मुलाकात में उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए फ्रांस के साझा दृष्टिकोण को सराहा था। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी यात्रा के पहले दिन 24 फरवरी को पेरिस के लेस इनवैलिड्स में फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ

फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ कई बैठकों में सैन्य संबंधों पर चर्चा करेंगे

बातचीत करेंगे। दिन की शुरुआत गार्ड ऑफ ऑनर से होगी, जिसके बाद फ्रांसीसी सेना प्रमुख जनरल पियरे शिलके साथ चर्चा होगी। बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना होगा। यात्रा कार्यक्रम में पेरिस में प्रतिष्ठित सैन्य स्कूल और संस्थान परिसर इकोले मिलिटेयर का दौरा भी शामिल है, जहां सीओएएस को फ्यूचर कॉम्बैट कमांड के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जनरल द्विवेदी को फ्रांसीसी सेना के तकनीकी अनुभाग में जानकारी दी जाएगी और वे वर्सेल्स में बैटल लैब टेरे का दौरा करेंगे। जनरल द्विवेदी 25 फरवरी कोमार्सिले जाएंगे, जहां वे फ्रांसीसी सेना की तीसरी डिवीजन का दौरा करेंगे और उन्हें तीसरी डिवीजन के मिशन और भूमिका, द्विपक्षीय अभ्यास शक्ति, भारत-फ्रांस प्रशिक्षण सहयोग और फ्रांसीसी सेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम (स्कॉर्पियन) के बारे में जानकारी दी जाएगी। अगले दिन जनरल द्विवेदी कार्पियाग्ने का दौरा करेंगे और लाइव फायरिंग अभ्यास के साथ स्कॉर्पियन डिवीजन के गतिशील प्रदर्शन को देखेंगे। सीओएएस 27 फरवरी कोप्रथम विश्व युद्ध में भाग लेने वाले शहीद भारतीय सैनिकों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए न्यूवेचैपल भारतीय युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे।

फल और उसके जूस में पोषण संबंधी होता है काफी अंतर

एजेंसी। नई दिल्ली

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि फल और उसके जूस में पोषण संबंधी काफी अंतर होता है। जूस पीने से कई जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे शरीर को उतना लाभ नहीं मिलता जितना फल खाने से मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब हम पूरा फल खाते हैं, तो हमें विटामिन, मिनरल्स और फाइबर भरपूर मात्रा में मिलते हैं। फाइबर हमारी पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में सहायक होता है, जिससे अनावश्यक कैलोरी सेवन कम होता है और वजन नियंत्रित रहता है। इसके अलावा, नियमित रूप से फल खाने से त्वचा में निखार आता है और शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है। दूसरी ओर, जब हम फलों

का जूस पीते हैं, तो उसमें से फाइबर की मात्रा काफी हद तक कम हो जाती है। जूस में मुख्य रूप से प्राकृतिक शुगर और पानी बचता है, जो जल्दी अवशोषित होकर ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकता है। हालांकि, जूस पीने से तुरंत ऊर्जा मिलती है और यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। जो लोग फल नहीं खा सकते, उनके लिए ताजा जूस एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन यह बिना किसी अतिरिक्त शक्कर के होना चाहिए। डाइटिशियन का कहना है कि फलों में मौजूद फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और प्राकृतिक पोषक तत्व शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। जूस से ऊर्जा तो मिलती है, लेकिन यह लंबे समय तक टिकती नहीं है। यही वजह है कि फल खाना अधिक फायदेमंद माना जाता है। विशेषज्ञों की राय में, अगर जूस पीना है तो ताजा फलों का जूस ही पिएं और पैकेज्ड जूस से बचें। पैकेज्ड जूस में प्रिजर्वेटिव्स, फ्लेवर्स और अतिरिक्त शक्कर मिलाए जाते हैं, जिससे सेहत को नुकसान हो सकता है। इसलिए, सेहतमंद रहने के लिए पूरे फल खाने की आदत डालनी चाहिए। बता दें कि फलों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, लेकिन कई लोग इन्हें खाने के बजाय जूस पीना पसंद करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और एसिडिटी जैसी 84 दवाइयां टेस्टिंग में फेल, सरकार ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली । देश भर में औषधि नियंत्रण अधिकारियों द्वारा दवाओं की टेस्टिंग की गई, जिसके रिपोर्ट चौंकाने वाले सामने आए हैं। स्टेरॉयड और कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवाओं सहित करीब 84 दवाओं की गुणवत्ता मानक स्तर की भी नहीं थी। नई दवाओं और दवाओं की टेस्टिंग करने वाली एजेंसी सीडीएससीओ ने इस बारे में अलर्ट जारी किया है। दिसंबर 2024 के अपने नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने विभिन्न फर्मों द्वारा निर्मित दवाओं के 84 बैचों को गैर-मानक गुणवत्ता का पाया। इसमें एसिडिटी, हाई कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और जीवाणु संक्रमण जैसी सामान्य स्थितियों के लिए निर्धारित कुछ दवाएं शामिल हैं। एनएसक्यू के रूप में दवा के नमूनों की पहचान एक या दूसरे निर्दिष्ट गुणवत्ता मापदंडों में दवा के नमूने की विफलता के आधार पर की जाती है। अधिकारियों ने कहा कि विफलता सरकार द्वारा टेस्ट किए गए बैच की दवाओं के लिए विशिष्ट है। उन्होंने कहा, एनएसक्यू और नकली दवाओं की पहचान करने की यह कार्रवाई राज्य नियामकों के सहयोग से नियमित आधार पर की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन दवाओं की पहचान की जाए और उन्हें बाजार से हटाया जाए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती पर किया उन्हें याद

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय पुनर्जागरण के महान स्तंभ के रूप में याद किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन और उनके विचारों को अपनाने पर जोर देते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कहीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती पर उन्हें मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। स्वामी दयानंद जी द्वारा चलाए गए शिक्षा और समाज सुधार कार्यक्रमों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी शिक्षाएं सदैव प्रासंगिक रहेंगी। हमारे देश के प्राचीन गौरव को पुनः स्थापित करने के उनके विचारों से प्रेरणा लेकर हम सब भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते रहें। वहीं कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर लिखा, महान समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती जी की जयंती पर सादर नमन। स्वामी दयानंद सरस्वती एक महान हिंदू दार्शनिक और समाज सुधारक थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

टनल में फंसे श्रमिकों को निकालने को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार से किया संपर्क

एजेंसी : रांची मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने तेलंगाना के निर्माणाधीन टनल में झारखंड के श्रमिकों के फंसे होने की सूचना के बाद उन श्रमिकों को सुरक्षित निकालने को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री से संपर्क किया है। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा तेलंगाना सरकार से संपर्क कर टनल में फंसे झारखंड के श्रमिकों को लेकर जानकारी प्राप्त की जा रही है। श्रम विभाग की ओर से गुमला के श्रमिकों से संबंधित पारिवारिक जानकारी रविवार को प्राप्त की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 22 फरवरी की सुबह डोमलपेंटा इलाके में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में आठ श्रमिक टनल के अंदर फंस गए। जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। टनल नागरकुरनूल जिले को आंध्रप्रदेश के श्रीशैलम स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग से जोड़ती है। टनल में झारखंड के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर एवं पंजाब के श्रमिक फंसे हुए हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर शाखा का लगा महाकुंभ

एजेंसी : रांची । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रांची महानगर की ओर से रविवार को शाखा महाकुंभ का आयोजन धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मैदान में किया गया । सुबह में शाखाएं शुरू हुई और इसके बाद उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी प्रसाद ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए शताब्दी वर्ष में तय किए गए लक्ष्य की ओर स्वयंसेवकों का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने महानगर में संघ कार्य की वृद्धि में सभी स्वयंसेवकों को लगने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि महानगर में कुल 107 शाखाएं तथा 35 मिलन चलती हैं। इनमें से 82 शाखाओं तथा 11 मिलनों का प्रतिनिधित्व इस शाखा महाकुंभ कार्यक्रम में हुआ । 16 नगरों की 156 बस्तियों में से 84 बस्तियों का प्रतिनिधित्व 1000 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ शाखा महाकुंभ में हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचारक रामनवमी प्रसाद के साथ धनबाद निवासी झारखंड के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार, महानगर संघचालक पवन मंत्री, सह संघचालक शशिकांत सहित नगर, महानगर, विभाग, प्रांत, क्षेत्र स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सदर थाना प्रभारी बने रंजीत कुमार सिन्हा

एजेंसी : रांची प्रदेश राजधानी रांची में विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पांच थाना प्रभारियों सहित दो पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। पुलिस केंद्र में पदस्थापित रंजीत कुमार सिंह को सदर थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के रविवार को जारी आदेश के अनुसार खलारी के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह को हटा कर जयदीप टोप्पो को खलारी का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार डोरंडा थाना के प्रभारी जयदीप टोप्पो को हटाते हुए कुलदीप कुमार को डोरंडा का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस केंद्र में पदस्थापित रंजीत कुमार सिंह को सदर थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। नामकुम थाना में पद स्थापित अभय कुमार को पिठोरिया का थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा मनीष कुमार को इटकी थाना प्रभारी और इटकी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार को सुखदेव नगर थाना भेजा गया है।

झारखंड में 24 को साफ रहेगा मौसम

एजेंसी : रांची । झारखंड में लगातार मौसम में बदलाव हो रहा है। मौसम विभाग से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में 24 फरवरी को मौसम साफ रहेगा। केवल रांची और आसपास के इलाकों में दोपहर बाद आंशिक बादल छाने की संभावना है। वहीं पिछले तीन दिनों से राज्य भर में गर्जन के साथ हल्की बारिश और ओलावृष्टि हुई। बारिश होने से रांची में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई। शाम में कनकनी का एहसास हुआ। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.4 और न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री, जबकि जमशेदपुर में 31.6 और 16.6, डालटेनगंज में 33.6 और 16.2, बोकारो में 30.1 और 17.1तथा चाईबासा में अधिकतम 33.4 और न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भाकपा में शामिल हुए 143 लोग

एजेंसी : रांची भाकपा के कार्यकर्ता मिलन समारोह में रविवार को 143 लोगों ने पार्टी का दामन थामा। रांची के कांके रोड स्थित गांधीनगर क्लब में एटक के राज्य सचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकार के लिए भाकपा पार्टी हमेशा लड़ती रही है। पाठक ने कहा कि देश की पूंजीवादी पार्टियां धर्म एवं जात के नाम पर लोगों को बांट रही हैं। देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में कानून बनाया जा रहा है। एटक के राज्य सचिव अशोक यादव ने लाल झंडा की उत्पत्ति के बारे में विस्तार से बताया। वहीं मजदूर नेता हरिद्वार सिंह ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास की जानकारी उपस्थित लोगों को दी। कार्यक्रम में पार्टी को मजबूत बनाने, झारखंड विधानसभा में बाबा भीमराव अंबेडकर और जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने, असंगठित मजदूरों को 26 हजार रुपये प्रतिमाह मजदूरी निर्धारित करने, मजदूरों के आठ घंटा काम और न्यूनतम मजदूरी की गारंटी की मांग केंद्र और राज्य सरकारों से की गई। इन मांगों को लेकर 24 मार्च को विधानसभा मार्च करने का भी फैसला लिया गया।

राधा- कृष्ण सेवा धाम मंदिर में बंटा अन्नपूर्णा प्रसाद

एजेंसी : रांची । प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित रांची के पुंदाग स्थित राधा- कृष्ण सेवा धाम मंदिर में रविवार को 195वां अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। प्रणामी सेवा समिति ने इस अवसर पर होली महोत्सव का भी आयोजन किया, जिसमें भजन संकीर्तन किया गया। वहीं अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण कई लोगों में किया गया। प्रसाद के रूप में वेजिटेबल खिचड़ी बांटा गया। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे ने भगवान को भोग लगाया और इसके बाद भक्तों में प्रसाद बांटा गया। इसके पूर्व फूलों की होली महोत्सव सह भजन संकीर्तन का आयोजन हुआ। भजन गायक मनीष सोनी एवं सज्जन पाड़िया, निर्मल जालान, उर्मिला पाडिया, सितादेवी शर्मा ने होली पर मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। फूलों की होली खेली गई। भक्तो ने आपस में फूलों की बौछार करते रहे तथा पूरा वातावरण को वृंदावन एवं कृष्णमय बना दिया। इसके बाद भगवान की महाआरती की गई। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, विशाल जालान, सुरेश अग्रवाल,विजय अग्रवाल,सुरेश भगत, विष्णु सोनी, मनीष सोनी समेत अन्य उपस्थित थे।

72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब शुरू

एजेंसी:रांची

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से राज्य के सभी डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब का वर्चुअल उद्घाटन रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, और कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय ने किया। कार्यक्रम में झारखंड के सभी 72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लबों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। साथ ही राज्य स्तरीय चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों एवं अन्य को सम्मानित किया गया । साथ ही झालसा के प्रोजेक्ट सुरक्षा का शुभारंभ किया गया, जो डायन प्रथा और जादू-टोने के शिकार महिलाओं एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी पहल है। कार्यक्रम में हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विधिक साक्षरता को जगाने का काम हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता क्लब का उदेश्य वंचित बच्चों को एक मंच उपलब्ध कराना एवं उन्हें मुख्य धारा में लाना है। इस मंच के माध्यम से बच्चे अपने आसपास की समस्याओं को रख सकते हैं और उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर हाई कोर्ट के न्याायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा की स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना नालसा का उदेश्य है जिसे झालसा ने आगे बढ़ाया है और हमने न केवल एक या दो बल्कि, सभी डीएवी स्कूलों में इसकी स्थापना करने के बारे में सोचा। इसका मुख्य उदेश्य है सुदूर क्षेत्रों में भी विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना। उन्होंने कहा की राज्य तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक की सुदूर क्षेत्रों का विकास न हो। अगर लोगों को जागरूक नहीं किया जाएगा तो उन्हें सशक्त नहीं बनाया जा सकता है। इस अवसर पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अन्य पदाधिकारी, डीएवी स्कूलों के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी, डीएवी के प्रधानाचार्य, डालसा के पीएलवी और छात्र समेत अन्य मौजूद थे।

मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है : बाबूलाल

एजेंसी:रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है। सरकार या पुलिस प्रशासन अब तक तय नहीं कर पाई है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की जांच सीआईडी करेंगी एसआईटी। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि इस बीच सूचना है कि पुलिस ने एक ही नाम के दो युवकों की गिरफ्तारी की है। अब तक कथित रूप से कोडरमा, मधुपुर से प्रिंस नाम के दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है, तीसरे प्रिंस नाम के युवक की भूमिका भी पुलिस मान रही है। यदि इन्हें आरोपी के सहनाम के कारण गिरफ्तार या पूछताछ के लिए थाना लाया गया है, तो पुलिस इनसे संवेदनशीलता के साथ पेश आए। चूंकि जेएसएससी-सीजीएल मामले में झारखंड पुलिस के डीजीपी जांच की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही बयान जारी कर छात्रों को दोषी ठहरा चुके हैं। इसलिए संभावना है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की लीपापोती कर निर्दोष लोगों के ऊपर आरोप मढ़ दिया जाए। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार, जैक और पुलिस के प्रतिनिधि उन लाखों छात्रों के सामने आकर मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक होने की माफी मांगे। साथ ही, उक्त प्रकरण के जांच की जानकारी सार्वजनिक करें। जांच के नाम पर निर्दोष युवाओं के साथ पुलिस की ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क से लेकर सदन तक इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चलते 27 मार्च तक लागू रहेगी निषेधाज्ञा

एजेंसी:रांची

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा और 27 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा परिसर के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी, जिसके तहत विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे में (न्यायालय परिसर को छोड़कर) किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव पर रोक रहेगी। राज्य विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा सत्र के दौरान निषेधाज्ञा जारी किया गया है। सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे (उच्च न्यायालय परिसर को छोड़कर) में निषेधाज्ञा लागू रहने का आदेश जारी किया है। एसडीओ ने रविवार को बताया कि यह निषेधाज्ञा 24 फरवरी के सुबह 8.00 बजे से 27 मार्च के रात 10 बजे तक के लिए लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलने, किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद, हरवे-हथियार जैसे-लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला लेकर निकलना या चलने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर रोक रहेगी।

पेपर लीक मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी:रांची

रांची, 23 फरवरी (हि.स.)। झारखंड में मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक मामले में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। साथ ही कई अहम डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं, इसके आधार पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही पेपर लीक गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी की जा रही है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने साफ कर दिया है कि मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मैट्रिक पेपर लीक मामले में पुलिस की जांच और कार्रवाई तेज हो गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पेपर लीक के तार कोडरमा से जुड़े पाए गए हैं और कोडरमा से ही कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है, इस पेपर लीक में शामिल सभी लोगों पर कानून का शिकंजा कसा जा रहा है। बरामद डिजिटल डिवाइस से कई तरह की जानकारियां मिल रही हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी अनुराग ने कहा कि जांच के दौरान झारखंड पुलिस को एक नई बात पता चल रही है कि कुछ लोग इंटरनेट और यूट्यूब पर पुराने प्रश्नपत्र अपलोड कर अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई भी राज्य के मासूम बच्चों को प्रभावित करने की कोशिश करेगा तो झारखंड पुलिस उसे सलाखों के पीछे भेजेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि इस पेपर लीक के नेक्सस में शामिल किसी भी अधिकारी, शिक्षक और छात्र को हर हाल में गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस लगातार मामले पर कार्रवाई और अनुसंधान कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने रांची में प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना

एजेंसी:रांची

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को बूथ स्तर पर प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सुना। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हरमू मंडल स्थित विद्यानगर में कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल हुए। मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम एक अनूठा कार्यक्रम है जिसकी प्रतीक्षा लोग एक महीने तक करते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते मोटापा को लेकर प्रधानमंत्री की चिंता यह दर्शाती है कि वे देशवासियों के स्वास्थ्य के प्रति कितने चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना में स्वस्थ भारत भी शामिल है। प्रधानमंत्री का संबोधन जनता के लिए एक शासक की तरह नहीं बल्कि अभिभावक की तरह होता है। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात का 119वां संस्करण भारत की प्रकृति और संस्कृति को समाहित किए हुए था। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति महिला सम्मान की है। नारी तू नारायणी की हमारी विरासत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा जिसे आगामी 8 मार्च को महिला दिवस पर और मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, कुमार अमित, केके गुप्ता, इंद्रजीत यादव, जितेंद्र वर्मा, अरुण झा, सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

राजद से 50 हजार लोगों को जोडना लक्ष्य : कैलाश

एजेंसी:रांची

राजधानी रांची के कोकर स्थित रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची के पास रविवार को झारखंड प्रदेश राजद के नेताओं ने सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव मौजूद थे। इस अवसर पर कई लोगों ने राजद की सदस्यता ली। पार्टी में शामिल होनेवाले लोगों को पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर कैलाश यादव ने कहा कि रांची महानगर में 50 हजार सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राजद का सदस्यता अभियान राज्य के सभी जिलों में चल रहा है। कार्यक्रम में पार्टी नेता रामकुमार सिंह यादव, सुधीर गोप, अधिवक्ता कृष्ण कुमार, श्याम सुंदर यादव, सुनील टोप्पो, विभाकार कुमार, ललन यादव, कपिलदेव सिंह और अनिल सहित अन्य मौजूद थे।

अगले एक वर्ष का कैलेंडर तैयार करेंगे विधायक दल नेता: के राजू

एजेंसी:रांची

प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। रविवार को रांची परिसदन में संपन्न हुई इस बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित थे। बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि बैठक में विस्तार से कुछ बिंदुओं पर चर्चा हुई जिस पर निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 12 विधायकों को दो-दो जिलों का जिम्मा दिया गया है, जिन विधायकों को जिलों की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें हर महीने जिला में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व निर्धारित बैठक में उपस्थित रहना है। बैठक में जिले से संबंधित मुद्दों, संगठन के संबंध में आम लोगों के मुद्दे पर वह चर्चा करेंगे। जिले के किन मुद्दों को सरकार के स्तर तक ले जाना है उन मुद्दों पर चर्चा हुई। राजू ने कहा कि विधायकों की ओर से जिलों में की जाने वाली बैठक के एक वर्ष का कैलेंडर तैयार कर उन्हें टास्क दिया गया ताकि वह प्रत्येक महीने बैठक कर सके। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजू ने कहा कि कोटे के चारों मंत्रियों के बीच पांचों प्रमंडल का बंटवारा कर उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी। मंत्री प्रमंडल में जाकर वहां के जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के मुद्दों को सुनेंगे ताकि उन्हें सरकार तक पहुंचाया जा सके। विधायकों की बैठक प्रत्येक महीने विधायक दल नेता की उपस्थिति में होगी। विधायक दल नेता अगले एक वर्ष का कैलेंडर तैयार करेंगे कि किस महीने किस विधायक के क्षेत्र में बैठक होगी। विधायक दल की बैठक प्रत्येक विधायक के क्षेत्र में होगी,इस बैठक के बाद सभी विधायक संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन करेंगे और बैठक में जो मुद्दे चर्चा में आएंगे, उस पर बात करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र में हमारे विधायक मजबूती से सदन में रहेंगे। हर विभाग के मांग और ग्रांट की जानकारी लेकर चर्चा में भाग लेंगे और सरकार के जो कार्यक्रम तय किए जाएंगे उसे सक्रियता के साथ लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि झारखंड में भी जातीय जनगणना हो ताकि सभी समुदायों को पता चले कि उनकी आर्थिक सामाजिक राजनीतिक शैक्षणिक स्थिति क्या है। तेलंगाना में हमने अभी जातिगत जनगणना किया जिससे काफी सूचनायें मिली। सूचनाओं और डाटा के आधार पर वहां नीतियां बनाई गई। जातीय जनगणना के बारे में सरकार के पास अपनी बातों को हम रखेंगे। बैठक में कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि बजट सत्र महत्वपूर्ण है। कांग्रेस और महागठबंधन के जो मुद्दे हैं उस पर प्रत्येक विधायक गंभीर है। संगठन ने यह निर्णय लिया है कि पहले से जो मुद्दे चल रहे हैं जातिगत जनगणना ओबीसी आरक्षण इसे फिर से सरकार के समक्ष जागृत करेंगे। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के लिए सरकार ने विधेयक पास कर केंद्र के पास भेजा है। केंद्र ने उसे क्यों लटका कर रखा है,इन प्रश्नों को सदन में लाया जाएगा, सरकार इसका समाधान तलाशेगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन को किस तरह ग्रास रूट तक मजबूत किया जाए और इसमें विधायकों का क्या योगदान होगा। इस पर चर्चा हुई। आगामी नगर निकाय चुनाव सहित आम लोगों के मुद्दों पर चर्चा हुई।मंत्रियों विधायकों का संगठन की मजबूती में क्या योगदान होगा इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुआ है।आगामी बजट सत्र में कांग्रेस विधायकों की भूमिका पर चर्चा कर मुद्दों को पटल पर रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप, डॉक्टर रामेश्वर उरांव, राधा कृष्ण किशोर दीपिका पांडे सिंह, इरफान अंसारी शिल्पी नेहा तिर्की, सोनाराम सिंकू, भूषण बाड़ा, श्वेता सिंह ,रामचंद्र सिंह नमन विक्सल, कौनगाड़ी निशत आलम और ममता देवी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता एकता के आगे सरकार को झुकना पड़ा : गिरि

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स ने देश भर के अधिवक्ताओं को ऐतिहासिक जीत की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि देश भर के 27 लाख अधिवक्ता की एकता के आगे केंद्र सरकार को झुकना पड़ा, जिसका नतीजा है कि अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2025 को बिना शर्त के वापस लेना पड़ा। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि पूरे देश भर के अधिवक्ता संगठनों, खासकर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा किए गए संगठित आंदोलन और मजबूत विरोध के फलस्वरूप सरकार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक वापस लेना पड़ा। यह अधिवक्ताओं की स्वतंत्रता और न्याय प्रणाली की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जीत है। उन्होंने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए भविष्य में ऐसे किसी भी कानून को लागू करने से पहले अधिवक्ता समुदाय से व्यापक परामर्श किये जाने पर जोर दिया। इस अवसर पर अधिवक्ता अतुल कुमार, रंजन कुमार मिश्रा, संजय कुमार प्रसाद, दीपिका सिंह, अंकित ओझा, प्रेरणा पांडेय, अंजनी चौधरी, चंदन कुमार, राज श्री, सुमन वर्मा, संजीत कुमार सिंह, फटीक चंद्र सिंह, सुनील चांडक, मो हसनैन आलम, वंशिका सहाय, रीना कुमारी, दीप्ति सिंह, विजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, अखिलेश कुमार, विजयेता डेनियल, सुमन वर्मा, राणा प्रताप शर्मा, इंद्रनील चैटर्जी, रामावती कुमारी, महीतोष मंडल, अरूप चक्रवर्ती, पंकज बंसल, संदीप पूर्ति, रवि कुमार समेत सैकड़ों लोगों ने जश्न मनाया।

बाबा निरंजन नाथ शिव मंदिर का 44वां वार्षिक महोत्सव आज से

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : सेक्टर 6 डी स्थित बाबा निरंजन नाथ शिव मंदिर का 44वां वार्षिक महोत्सव सोमवार से शुरू हो रहा है। मंदिर के उग्रनाथ झा ने बताया कि महाशिवरात्रि तक चलने वाले इस वार्षिक महोत्सव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 48 घंटे का अखण्ड हरिनाम महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत सोमवार को सुबह 8 बजे जल यात्रा से होगी। सोमवार को सुबह 11 बजे से अखण्ड हरिनाम महायज्ञ का शुभारंभ होगा और बुधवार को 12 बजे अखण्ड हरिनाम महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। बुधवार को ही अपराह्न 4 बजे से शिव बारात की भव्य झांकी, रात्रि में भगवान शिव व माता पार्वती का शुभ विवाह एवं प्रसाद वितरण के साथ इस महोत्सव का समापन होगा। उन्होंने सभी भक्तों से इस यज्ञ को सफल बनाने हेतु सहयोग की अपील की है।

कसमार के साहित्यकार संदीप महतो हुए सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के बगदा निवासी युवा साहित्यकार संदीप कुमार महतो को शनिवार को नेपाल की शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नामक संस्था ने सम्मानित किया है। साहित्यिक गतिविधियों के कारण संदीप को यह सम्मान मिला है। यातायात में व्यवधान उपलब्ध होने के कारण संदीप इस समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। डाक पोस्ट के माध्यम से प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो, मैडल, अंग वस्त्र, रुद्राक्ष माला तथा नेपाली टोपी भेजकर सम्मानित किया गया है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनंद गिरि, मायालु ने संदीप के खोरठा व हिंदी साहित्य में योगदान के लिए सराहना की है।

डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में कानूनी साक्षरता क्लब का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में कानूनी साक्षरता क्लब का वर्चुअल उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम सह विद्यालय विधिक साक्षरता क्लब के अधिनायक अनील कुमार, डीएवी तेनुघाट की प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर अनील कुमार ने कहा कि समाज को सही शिक्षा देना, बच्चों को समाज में सतर्क कराना हमारा उत्तरदायित्व बनता है। प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों को जागरूक करें, सतर्क रहने की सलाह दें, कानून के आयामों से अवगत कराएं, ताकि उनका चहुंमुखी विकास हो सके।

भीम आर्मी ने मनाई संत गाडगे की जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : अम्बेडकर भवन 4 नं. कथारा में भीम आर्मी के जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने राष्ट्र संत गाडगे महाराज जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी 149 वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गोवर्धन रविदास ने की और संचालन जिला उपाध्यक्ष ललन कुमार राम ने किया। इसमें बोकारो जिला कमेटी, नावाडीह, गोमिया, जरीडीह, बेरमो, कसमार, फुसरो नगर के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में तय हुआ कि संगठन बचे हुए प्रखण्ड पंचायत वार्ड में नई कमेटी का गठन तथा फुसरो नगर परिषद चुनाव में संगठन अपना प्रत्याशी उतारेगा। मौके पर मेघू दिगार, धरम घासी, मनोज कुमार बौद्ध, प्रकाश तुरी, कैलाश महतो, नकुल रविदास, प्रभारी शैलेश घासी, पिंटू रविदास, बोकारो जिला प्रभारी अमरजीत कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने किया तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन,खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बरहरवाः रविवार को बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के सातगाछी पंचायत अंतर्गत श्रीरामपुर ग्राम में पंचायत में खेलों को बढ़ावा देने व ग्रामीण युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बिरसा मुंडा युवा क्लब श्रीरामपुर के द्वारा स्थानः-श्रीरामपुर बरहरवा साहेबगंज (झा०) में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन विधिवत फीता काट कर मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने किया।

इस दौरान खान ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया और खिलाड़ियों से परिचय लिया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने उपस्थित ग्रामीण व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद बहुत जरूरी है, ग्रामीण इलाकों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है. जरूरत है, तो बस उन्हें सही मंच और सुविधाएं देने की. राज्य सरकार भी युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से युवाओं को अपने प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है। इसी उद्देश्य से मैंने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया.

बिस्को क्रिकेट प्रतियोगिता में बैंक ऑफ इंडिया बना चैंपियन, एलआईसी को उपविजेता का खिताब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बैंक इंश्योरेंस स्पोर्ट्स एंड कल्चर ऑर्गेनाइजेशन (बिस्को) द्वारा आयोजित किए जाने वाले सामाजिक सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संबंधी आयोजनों की कड़ी में रविवार को सेंट जेवियर्स स्कूल मैदान में दो दिवसीय बिस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन हुआ। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। चार-चार टीमों का दो ग्रुप बनाया गया एवं दोनों ग्रुप में राउंड रोबिन पद्धति से कुल 12 मैच खेले गए। तदुपरांत दोनों ग्रुप से सर्वोत्तम एक-एक टीम फाइनल में पहुंची, जिसका फाइनल मैच रविवार को खेला गया। अंत में फाइनल मुकाबला बैंक ऑफ इंडिया बनाम भारतीय जीवन बीमा निगम के बीच हुआ, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टीम 6 विकेट से जीत हासिल कर इस बार के बिस्को क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन बनी, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम को उपविजेता का खिताब हासिल हुआ। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द टूर्नामेंट एवं बेस्ट बैट्समैन का खिताब प्रवीण सिंह, बैंक ऑफ़ इंडिया को मिला, बेस्ट बॉलर मिथुन, बैंक आफ इंडिया रहे, क्षेत्र आरक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बैंक ऑफ़ इंडिया के मुन्ना कुमार को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक चुना गया। सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर के रूप में पंजाब नैशनल बैंक के अखिलेश कुमार को चुना गया। बेस्ट मैच कमेंट्री के लिए राजीव कुमार भारद्वाज भारतीय स्टेट बैंक, सुबोध रजक, पंजाब नेशनल बैंक एवं मनोज कुमार, जनरल इंश्योरेंस कंपनी को भी पुरस्कृत किया गया।

टूर्नामेंट का शुभारंभ भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य प्रबंधक अजीत शंकर पांडेय एवं महासचिव राघव कुमार सिंह ने किया। कुल 8 टीमों में बैंक ऑफ़ इंडिया, भारतीय जीवन बीमा निगम के अतिरिक्त भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक, पंजाब नैशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, इंडियन बैंक एवं जनरल इंश्योरेंस कंपनी की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच के अवसर पर बैंक ऑफ़ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक अश्विनी कुमार मित्तल, पंजाब नैशनल बैंक के मंडल प्रमुख राजेश श्रीवास्तव, बिस्को के कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास, उपाध्यक्ष मनोज कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष नारायण दास ने कहा कि बिस्को निरंतर ही खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर अपने सभी सदस्यों के बीच एक दूसरे को जोड़ने का काम करती रहती है। साथ ही, समाज में भी इस प्रकार के आयोजन के लिए प्रेरणा का काम करती है। बिस्को जहां क्रीड़ा और सांस्कृतिक आयोजनों को करती है, वहीं सामाजिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहती है। फाइनल मैच के उपरांत खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिस्को महासचिव राघव कुमार सिंह ने सभी टीमों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि बिस्को इस खेल के माध्यम से बिस्को के घोष वाक्य चिरायुर्वे सख्यम को बैंक और बीमा कर्मियों के बीच चरितार्थ करते हुए जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करती है। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में मुख्य रूप से महासचिव राघव कुमार सिंह के साथ उप महासचिव रामाशीष सिंह, विभास कुमार झा, क्रीड़ा सचिव अवधेश कुमार, कोषाध्यक्ष दीप नारायण, सहायक महासचिव अवधेश प्रसाद, राजेश कुमार ओझा, विनोद कुमार सिन्हा, सुबोध कुमार रजक, सितारे अहमद, रवि रंजन, अरुण कुमार के साथ अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही। टूर्नामेंट के सभी मैचों में अम्पायरिंग एवं ऑफिशल की भूमिका में रूपेश कुमार एवं उनके सहयोगी का अहम योगदान रहा।

संत गाडगे के जन्मदिवस पर फेडरेशन ने चलाया सफाई अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्वच्छता के जनक, महान समाज सुधारक, महामानव संत गाडगे महाराज जी के जन्मदिन के अवसर पर सेल एससी एसटी इम्पलाईज फेडरेशन बोकारो यूनिट की ओर से सेक्टर 4 डी स्थित अंबेडकर मैदान, अंबेडकर प्रतिमा स्थल एवं बुद्ध विहार के आसपास केंद्रीय कमेटी अध्यक्ष सह- बोकारो यूनिट के अध्यक्ष एमके अभिमन्यु के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। सफाई अभियान के पूर्व वक्ताओं ने कहा कि संत गाडगे महाराज जी सामाजिक समान्ता एवं शिक्षा के लिए बहुत से अच्छा संदेश और हमारे लिए बहुत कुछ छोड़ गए। उनका कहना था कि पैसा की तंगी हो तो खाने के बर्तन बेच दो, लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ। अपने जीवन में उन्होंने कई गौशाला, कई चिकित्सालय और कई विद्यालय बनाये। उन्होंने अपने खुद गली-गली में घूमकर साफ सफाई की। गीत, कविता और दोहा के माध्यम से लोगों को जागरूक किया करते थे। वक्ताओं ने उनके जन्मदिन के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाने और उनकी सोच के तहत पूरे देश में विद्यालय और चिकित्सालय खोलकर उनका निजीकरण बंद करने की मांग की, ताकि आम लोगों को एक अच्छी चिकित्सा और अच्छी शिक्षा मिल सके। सफाई अभियान में महासचिव रवींद्र महली, इंदल पासवान, वीरेंद्र कुमार, महेश पासवान, शंकर राम, अयांश कुमार रैना, संजय कुमार, ऋषि देव पासवान, मन्जी राम, सुनील कुमार रैना, सुरेश पासवान, राजू राम, विजय कुमार, अरुण कुमार, बादशाह महतो, धर्मा पासवान, ए मुंडा, आर चौधरी, एस मांझी, यू चौधरी, एस मुर्मू आदि शामिल थे।

कसमार : मंजूरा में 15 लाख की लागत से ओझा तालाब का होगा जीर्णोद्धार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भूमि संरक्षण व सर्वेक्षण विभाग बोकारो के द्वारा रविवार को कसमार प्रखंड अंतर्गत मंजूरा मुस्लिम टोला में राइस फेलो विकास योजना अंतर्गत रैयती तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम व झामुमो प्रखंड सचिव सोहेल अंसारी ने की। इस अवसर पर मंजुरा के ग्रामीणों ने अतिथियों का फूल मालाओं के साथ जोरदार तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर दिलीप हेंब्रम ने बताया कि उक्त ओझा तालाब में मंजुरा के अधिकांश ग्रामीणों के नहाने से लेकर अन्य कार्य सम्पन्न होते हैं, इसलिए इस तालाब का जीर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति विभाग की ओर से दी गई। उन्होंने कहा कि इस तालाब के जीर्णोद्धार के लिए गठित लाभुक समिति का जो गठन किया गया है, उनके द्वारा बेहतर तरीके से कार्य हो, इसकी सभी को जिम्मेवारी है। मौके पर नेहरू अंसारी, शौकत अली, उप मुखिया फाल्गुनी देवी, महबूब अंसारी, अख्तर अंसारी, असगर अंसारी, कमरुल होदा, मुबारक अंसारी, गुलाम मुस्तफा, मुर्शिद अंसारी, जैतून बीवी, अलीमुद्दीन अंसारी, इलियास अंसारी व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद और जनवादी लेखक संघ की काव्य गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद, बोकारो और जनवादी लेखक संघ, बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में कवि प्रदीप कुमार दीपक के वास्तु विहार फेज 2 चीरा चास स्थित आवास पर कवि गोपाल प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित इस बहुभाषी कवि गोष्ठी में कवियों ने मातृभाषा के महत्व पर चर्चा के बाद खोरठा, हिन्दी, मैथिली, मगही में उम्दा काव्य पाठ से सबकी वाहवाही ली।

प्रदीप कुमार दीपक ने खोरठा गीत- सोभीन आवा हो मातृभासाक मान बढ़ावा..., शांति भारत ने खोरठा व्यंग्य कविता- दारू में हइ बड़ी मजा, एकर में लंगटो भइ जा हइ राजा.., दीपनारायण गोस्वामी ने खोरठा गीत- कारी बिलइया गे, तोर माथे चमके दीया..., श्याम सुन्दर केवट ने खोरठा गीत- आपन भासा सहज सुन्दर, मायेक कोरें सीखे सब गिदर.., डॉ सुजाता कुमारी ने खोरठा कविता- संघर्ष जारी हइ, आदमी केर आदमी से पहाड़ेक आदमियत से.., डॉ नागेश्वर महतो ने खोरठा कविता, कुमार सत्येन्द्र ने मगही कविता - तू कइसन चुनलें प्रधान, अभियो तो ओकरा पहचान..., अजय यतीश ने थर्ड जेन्डर पर हिन्दी कविता- तुम्हारी आंखों की सूइयां.., अरुण पाठक ने मैथिली में सद्भावना गीत- जाति धर्म के नाम पर नहि बांटू इंसान के... व होली गीत- होली पावनि अछि मनभावन एकरा सभ मिलि संग मनाउ..., गोपाल प्रसाद ने मगही कविता- मगही भासा में सुग्गा भी, कहे कटोरी दीदी भात... सुनाकर सबकी प्रशंसा पाई। कार्यक्रम का संचालन कुमार सत्येन्द्र व धन्यवाद ज्ञापन वसुन्धरा भारती ने किया।

बोकारो में दर्दनाक हादसाः टैंकर की चपेट में आया साइकिल सवार, मौके पर मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र के वियाडा बाजार के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक साइकिल सवार इंडियन ऑयल के टैंकर की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सीसीटीवी फुटेज में के अनुसार साइकिल सवार आगे-आगे जा रहा था, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आक्रोश जताया और प्रशासन से ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और टैंकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

टांगटोना एवं गर्री पंचायत में झामुमो की पंचायत स्तरीय कमिटी का गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड की टांगटोना एवं गर्री पंचायत में झामुमो की पंचायत स्तरीय अलग-अलग बैठक हुई। इस दौरान दोनों पंचायतों में झामुमो की पंचायत कमेटियों का पुनर्गठन किया गया। झामुमो के प्रखंड उप संयोजक मो शेरे आलम तथा गर्री के चुनाव पर्यवेक्षक सोहेल अंसारी की देखरेख में कमेटी का हुआ। इसके तहत रिजवान अंसारी अध्यक्ष, शाहिद रजा चिश्ती व मेघनाथ गोसाई उपाध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद मुर्मू सचिव, तबारक अंसारी संगठन सचिव, कृष्णा प्रसाद घांसी कोषाध्यक्ष व जानी बाबू मीडिया प्रभारी के अलावा मोख्तार अंसारी, मोहन हेंब्रम, अमीर फजल, नासिर अंसारी, रिजवान अंसारी, मृत्युंजय जायसवाल, एनुल अंसारी, सज्जाद अंसारी (बबलू), प्रताप घांसी, अजय कपरदार, एजाज अहमद व अब्दुल हामिद अंसारी कार्यकारी सदस्य बनाए गए हैं। इसी तरह टांगटोना पंचायत कमेटी के लिए मो हसन अंसारी अध्यक्ष, विशेश्वर महतो सचिन, दिवाकर प्रमाणिक व वीणा देवी उपाध्यक्ष, रवि कुमार घांसी कोषाध्यक्ष, मो गुलाम कादिर मीडिया प्रभारी, मदन कुमार रजवार संगठन सचिव तथा सनवर अंसारी, राजा बाबू अंसारी, सुभाष रजवार, राजाराम महतो व भगवती देवी कार्यकारी सदस्य बनाए गए हैं।

शिक्षक के निधन पर शोकसभा का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया : संडे बाजार स्थित शिशु विकास विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक रूपेश केसरी के असामयिक निधन पर रविवार को शोकसभा आयोजित की गई। इस अवसर पर शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष बृज बिहारी पांडेय, कोयला खदान शिक्षक मोर्चा सीसीएल अध्यक्ष प्यारे लाल यादव, विद्यालय निदेशक राम अयोध्या सिंह एवं तमाम शिक्षकों ने केसरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। मौके पर

समिति के अध्यक्ष बृज बिहारी पांडेय ने कहा दिवंगत केसरी के अमूल्य योगदानों को भूलाना किसी के लिए भी बहुत मुश्किल काम होगा। उन्होंने सीसीएल अनुदानित शिक्षकों के लिए आपातकालीन स्थिति में सहायता हेतु शिक्षक सहयोग कोष बनाने पर बल दिया। विद्यालय के निदेशक राम अयोध्या सिंह ने कहा कि बच्चों को शिक्षा देकर केसरी ने अहम भूमिका निभाई, जो स्कूल के स्तंभ रहे। मौके पर संतोष कुमार यादव, सत्य नारायण सिंह, अशोक पांडेय, भीम सिंह, आरपी सिंह, जितेंद्र बेसरा, शशि बाला शर्मा, मोहम्मद असलम, कमलवती गुप्ता, रंभा सिंह, नयन कुमार बनर्जी, भावना कुमारी, सैयद सरफराज, संजीव कुमार, शशि शेखर भैरव, ममता सिंह, उमा बर्मन, श्वेता कुमारी, साजेश कुमार मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

अवैध कटाई के खिलाफ अभियान, 38 सेमल बोटा जब्त

बरहरवा: वन विभाग ने अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। डीएफओ प्रबल गर्ग के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के तहत विभाग ने कुल 38 सेमल बोटा लकड़ी जब्त की है। यह कार्रवाई मौजा-बुंदा बारा घाटी और बूढ़ीबस्ती पहाड़ में की गई, जहां अवैध रूप से काटी गई लकड़ियों को बरामद किया गया।

विशेष अभियान के तहत वन विभाग की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। मौजा-बुंदा बारा घाटी से 13 सेमल बोटा और बूढ़ीबस्ती पहाड़ से 25 सेमल बोटा लकड़ी जब्त की गई।

इस कार्रवाई का नेतृत्व वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग और वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने किया। उनके साथ वन रक्षी राजेश टुडू, अमित कुमार, सुनील कुमार, पप्पू कुमार यादव और वनपाल राणा रंजीत चौधरी समेत अन्य वनकर्मी भी मौजूद थे।

वन विभाग अब इस मामले में अवैध कटाई और तस्करी में संलिप्त तस्करों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध लकड़ी कटाई में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है।

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण और वन संपदा को बचाने के लिए ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खनन पट्टा निबंधन में गड़बड़ी का खुलासा, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई शुरू

रांचीः झारखंड में खनन पट्टा निबंधन में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पाकुड़ जिले की दो कंपनियों WBPDC और PSPCL के पक्ष में 7 अगस्त 2019 को निबंधित विलेख के आधार पर 92.23 करोड़ की वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वहीं, पलामू जिले में M/s Aranya Mines के पक्ष में बिना प्रीमियम शुल्क लिए खनन पट्टा निबंधित करने के मामले में तत्कालीन जिला अवर निबंधक अशोक कुमार सिन्हा पर भी कार्रवाई की जा रही है। अशोक सिन्हा वर्तमान में पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवर निबंधक के पद पर कार्यरत हैं। पलामू के उपायुक्त ने 4 जनवरी 2025 को उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी कर विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की थी।

राज्य सरकार ने मामले की प्रारंभिक जांच कराई, जिसमें अशोक सिन्हा पर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप सिद्ध हुए। इस गड़बड़ी के कारण सरकार को भारी राजस्व हानि हुई है। अब उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई के संचालन के लिए सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी इकबाल आलम अंसारी को नामित किया गया है, जबकि पलामू के अपर समाहर्ता को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी बनाया गया है।

इस बीच, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने भी इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। पलामू के वर्तमान जिला अवर निबंधक ने सरकार को सूचित किया है कि M/s Aranya Mines और Hindalco Limited से संबंधित बकाया वसूली प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके साथ ही अन्य कंपनियों से भी बकाया राशि की वसूली की प्रक्रिया सक्रिय रूप से चल रही है।

राज्य सरकार का कहना है कि खनन पट्टा निबंधन में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने संसद से की औपचारिक मुलाकात

बरहरवा :- झारखंड मुक्ति मोर्चा के नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर व नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने रविवार को राजमहल लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय युवा सांसद विजय कुमार हांसदा के निजी आवास कालीतल्ला में औपचारिक मुलाकात किया. साथ ही उन्हें पुष्प गुच्छ प्रदान किया. सांसद ने कहा जिला में हर वर्ग तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है! नवनिर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर तथा नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने कहा कि पार्टी ने जिस उद्देश्य से एक बार पुनः हम लोगों को प्रखंड कमेटी तथा नगर कमेटी में अध्यक्ष के रूप में जगह दी है. हम लोग पार्टी के उद्देश्य पर खड़ा उतरेंगे तथा पार्टी हित में क्षेत्र में कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़ने का काम करेंगे! मौके पर नगर सचिव मोहम्मद इकबाल हुसैन, नगर उपाध्यक्ष जहरूल शेख, सहीत अन्य उपस्थित थे!

वन विभाग ने किया भारी मात्रा में अवैध लकड़ी का बोंटा बरामद

लकड़ी माफियाओं के आतंक से जंगल का अस्तित्व खतरे में

बरहरवा: शनिवार की शाम साहेबगंज डीएफओ रांगा थाना पुलिस ने औचक छापेमारी कर बड़े पैमाने पर अवैध लकड़ी के वोटें को रांगा थाना क्षेत्र के झुमरबाद गाँव के समीप से बरामद करने में सफलता हासिल की है,सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार लकड़ी माफियाओं द्वारा अवैध रूप से पहाड़ी इलाकों में कीमती लकड़ियों की कटाई कर रात के अंधेरे में प.बंगाल तस्करी की जाती है जो दिघी होते हुए सातगाछी रोड से पश्चिम बंगाल तस्करी की जाती है ,वहीं स्थानीय लकड़ी माफियाओं द्वारा पिछले एक महीने से ताल के पेड़ की कटाई खुलेआम शुरू कर दी गई थी ,ताल के पेड़ के तस्करी से माफियाओं के तार दूसरे राज्य प.बंगाल के तस्करो से हुई ,और साठ गाँठ के बाद सागवान,सिमल और शीशम जैसी पेड़ो पर माफियाओं की नज़र पड़ी और फिर कटाई शुरू कर दी गई, गुप्त सूत्रों का मानना है कि बीते कई दिनों से ये शिलशिला जारी है ,जिसमें दो चार स्थानीय पतना के ही माफिया शामिल हैं।हालांकि मामले की छानबिन जारी है।

राधानगर थाना के सामने वाहन जांच अभियान

राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय के नेतृत्य थाना परिसर के सामने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत वाहन जांच अभियान चलाया गया थाना प्रभारी से पूछने पर बताया गया कि आए दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है इसलिए बाइक चालक को समझकर हेलमेड लाकर बाइक चलाने को बताया गया वाहन जांच के दौरान दो पहिया चार पहिया वाहनो को बारी बारी जांच किया गया साथ ही गाड़ी का पेपर, इंश्योरेंस पेपर, हेलमेड, ड्राइविंग लाइसेंस, जांच किया गया साथ ही बाइक में लगे डिक्की, पास में रखे बैग को भी जांच किया गया वाहन जांच अभियान के दौरान उपस्थित राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डे, एसआई अनिल कुमार, गंगा प्रसाद यादव, पंकज दुबे, शिवानंद प्रसाद के अलावा अन्य पुलिस बल उपस्थित थे

एसपी ने किया मिर्जाचौकी थाना का वार्षिक निरीक्षण,किया लंबित कांडों का समीक्षा

साहिबगंज- एसपी अमित कुमार सिंह ने रविवार को मिर्जाचौकी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होने लंबित कांडों का समीक्षा किया साथ ही थाना दैनिकी पंजी एवं सिरिसता, हाजत, मालखाना एवं साफ-सफाई का जायजा लिया। इस दौरान एसपी श्री सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि आम लोगों को बेहतर से बेहतर न्याय मिले कहा कि पिछले कुछ दिनों में मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में अपराध की घटनाओं में अंकुश लगा है साथ ही घटनाओं में त्वरित कार्रवाई हुई है और संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई है। इस दौरान एसपी ने क्षेत्र में आए दिन हो रही चोरी की घटना को लेकर थाना प्रभारी को रात्रि गश्ती और तेज करने का निर्देश दिया।

जेंडर समानता और बाल विवाह उन्मूलन पर निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता सम्पन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा डासरा के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र, धोवा टांड़ में जेंडर समानता और बाल विवाह उन्मूलन पर निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला मंडल और किशोरी मंडल की सक्रिय भागीदारी रही। प्रतियोगिता के माध्यम से जेंडर आधारित भेदभाव, हिंसा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की पुजा कुमारी, चंदा कुमारी, पुजा और माला ने जेंडर भेदभाव, हिंसा और बाल विवाह से जुड़ी समस्याओं पर जागरूक किया और इनके समाधान पर प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक शंकर रवानी ने कहा, "पितृसत्तात्मक समाज के कारण महिलाएं आज भी हाशिए पर हैं, लेकिन अब परिवर्तन की लहर चल पड़ी है। महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। बस जरूरत है सोच बदलने की, जिसकी शुरुआत हमें अपने घरों से करनी होगी।"

उन्होंने आगे कहा कि बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं और इसका मुख्य उद्देश्य बच्चियों को शारीरिक और मानसिक शोषण से बचाना है। श्री रवानी ने आश्वासन दिया कि वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित है और इसके लिए देशभर में सघन प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरियों और महिलाओं ने शंकर रवानी से जेंडर भेदभाव और बाल विवाह से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से उत्तर दिया। प्रतियोगिता में धोवा टांड़ गांव की 35 किशोरियों और महिलाओं ने भाग लिया।

इस मौके पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विनोद महतो सहित शीतला कुमारी, नीतू कुमारी, सुहानी कुमारी, अष्टमी कुमारी, सिमरन कुमारी, आरती कुमारी, पायल कुमारी, संजू देवी, सस्तमी देवी, पलानी देवी और मीणा देवी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह और जेंडर आधारित भेदभाव के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना था।

भारतीय हलधर किसान यूनियन कि बैठक मे किसानों से जुड़ी समस्याओ पर चर्चा

साहिबगंज- भारतीय हलधर किसान यूनियन कि बैठक रविवार को रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट साहिबगंज के मैदान में आयोजित हुई. जिसकी अध्यक्षता यूनियन के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोप ने किया. इस दौरान किसानों ने अपनी अपनी समस्याओं से जुड़ी कई बातों को साझा किया. अपनी पुरानी समस्या प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अब तक लाभुक किसानों का भुगतान न होने पर चिंता जताई. वही आम सहमति पर प्रस्ताव लिया. सबसे पहले पूर्व में लिए गए प्रस्तावों की संपुष्टि की गई. इस क्रम में किसानों का माह बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम खरीफ 2024 में बीमित किसानों के नाम की सूची प्राप्त करने के लिए संबंधित कार्यालय से संपर्क स्थापित कर प्राप्त किया जाए. किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध करने की बात, किसानों को पेंशन योजना की सुविधा दी जाय सहित किसानों को सरकारी योजना को मिलने वाली लाभों को पंचायत स्तर पर किसानों के साथ बैठक कर दी जाय।वही कहा गया कि किसानों को अधिक से अधिक यूनियन के सदस्य बनाया जाय।इसी बीच चंद्रावती मौसमात से जुड़े किसान लोन का मामला बैठक में रखा गया. इस समस्या से भारतीय हलधर किसान यूनियन के युवा राष्ट्रीय नेता डॉ शैलेश गिरी को अवगत कराया गया. समस्या की निदान के लिए उन्होंने आश्वासन दिया. धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक आज का संपन्न हुआ.अगला बैठक आने वाले रविवार को 12 बजे अपराह्न होगी.इस मौके पर लक्ष्मण यादव, बचन कुमार पाठक जिला मीडिया प्रभारी,बासुकीनाथ चौबे,मनु प्रसाद यादव, राम सिहासन यादव ,रामप्रवेश यादव ,फूलचंद रजक उदय कुमार गुप्ता, रामानंद यादव, सुपन रविदास, रामवृक्ष रविदास, जागेश्वर मंडल ,उमेश चौधरी रुदल यादव, हृदय कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे.

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवगादी धाम में लगने वाले तीन दिवसीय मेला 26 से, पूर्वाह्न होगा उद्घाटन।

बरहेट /साहिबगंजः- मिनी बाबा धाम शिवगादी में धूमधाम से मनाया जायेगा महाशिवरात्रि । महाशिवरात्रि के अवसर पर विगत वर्षों की भांति मनाए जाने की तैयारी की जा रही है। बता दें कि महाशिवरात्रि का आयोजन 26 फरवरी को किया होगा ।इसके साथ ही 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन से ही तीन दिवसीय मेला का शुभारंभ भी किया जायगा ।इस संबंध में शिवगादी प्रबंध समिति ने बताया है कि 26 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे मेला का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि राजमहल लोकसभा के सांसद विजय कुमार हांसदा एवं झामुमो के जिला संयोजक प्रमुख पंकज मिश्रा के द्वारा किया जाएगा । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में साहिबगंज उपयुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित सिंह मौजूद रहेंगे। प्रबंध समिति ने कार्यक्रम का आमंत्रण श्रद्धालुओं को देना प्रारंभ कर दिया है तथा श्रद्धालुओं से अपील किया है कि वह भी इस पवित्र समय में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल करें।

तेलो पंचायत छोटा बियासी गांव मे मूलभूत समस्याओं का अभाव, कच्ची ड़क पर आवागमन करने को मजबूर है गांव के लोग

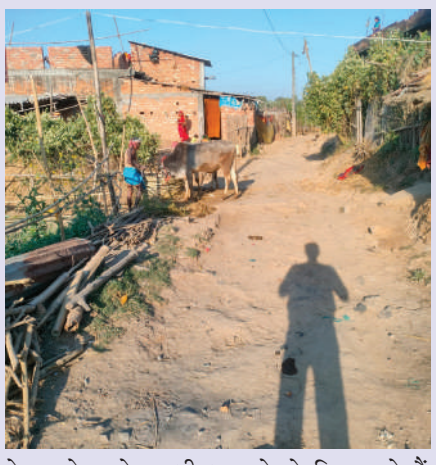

बोरियो- प्रखंड क्षेत्र के तेलो पंचायत में एक गांव है छोटा बियासी यहां लगभग अस्सी से नब्बे घर मूलनिवासी समुदाय के लोगों का है. खैरवा-हाथीगढ़ मुख्य सड़क से गांव जाने के लिए लोगों को कच्ची रास्ता का इस्तेमाल करना पड़ता है. कच्चा रास्ता इतना ऊबड़-खाबड़ व पथरीला है.कि ग्रामीणों को रोजाना कई परेशानियों से जूझना पड़ता है. गांव में कई मोहल्ले हैं लेकिन किसी भी मोहल्ले में पक्की सड़कें नहीं बनी है. गांव वालों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए गुहार लगाया है. लेकिन आज तक किसी ने इस गांव के ग्रामीणों की बीड़ा को नहीं सुना है या फिर ऐसा कहें कि सुनकर भी अनसुना कर दिया गया है. एक ग्रामीण ने नाम न बताने के शर्त पर बताया कि छोटा बियासी गांव में लकड़ी के काले कारोबार भी धड़ल्ले से किए जाते हैं. सड़क जैसी सुविधा नहीं होने के कारण प्रशासनिक पदाधिकारी इस गांव के जंगली इलाके में पहुंच नहीं पाते हैं. जिस कारण सड़क समस्या को प्रखरता से नहीं उठाया जाता. बता दें कि आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी इस गांव में सड़क नहीं होने के वजह से बच्चों के शिक्षा दर में काफी कमी आई है. इस गांव के बच्चें शिक्षा जैसे मौलिक अधिकार से वंचित हो रहें हैं. लेकिन कुछ लोगों द्वारा चंद फायदे के लिए सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में आम ग्रामीणों को सहयोग तक नहीं किया जाता.ग्रामीणों ने बताया कि गांव का विकास बहुत ही जरूरी है. गांव को मुख्य धारा से जोड़ना जरूरी है अन्यथा आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधेरे में ही रहेगा.

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा शुरू

तालझारी -महाराजपुर गंगा तट पर श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा शनिवार की संध्या से शुरू हुई. कथावाचक दिनेशानंद महाराज ने श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा की शुरुआत की.समिति के अध्यक्ष मंटू राय ने बताया कि 24 फरवरी सोमवार को सुबह महाराजपुर गंगा तट से विशाल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी व आचार्य मुरारीलाल पांडे द्वारा यज्ञ कराया जाएगा इसके साथ दर्जनों संत महाराज यज्ञ करने में अपना सहयोग देंगे. इसकी तैयारी पुरी कर ली गई है यज्ञशाला को भी सजाने संवारने का काम पूरा कर लिया गया है. इसके लिए मेले परिसर में मनोरंजन की चीजे दुकान लगाई गई है. पांच दिनों तक हरिनाम संकीर्तन का भी आयोजन होगा .इस दौरान समिति की ओर से भंडारा कभी व्यवस्था की गई है.वही दुसरी ओर महाशिवरात्रि को देखते मोतीझरना महाराजपुर शिव मंदिर में दो दिनों तक चलने वाले मेले को लेकर रविवार को सीओ राम सुमन प्रसाद, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने मोतीझरना पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था का जायजा लिये इसी क्रम में पार्किंग की व्यवस्था, मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमराआदि के बारे में जानकारी ली महाशिवरात्रि को लेकर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का कोई परेशान न हों इसकी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. इसके साथ साथ महाराजपुर गंगा तट पर आयोजित होने वाले श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व सकरीगली जमनी फाटक के समीप शिव मंदिर का जायजा लेते हुए समिति के लोगों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था आदि की जानकारी ली.

एसएस नसरीन हुई सम्मानित कहा, शेष जीवन समाज की सेवा में है समर्पित

पलामूः पत्रकार और समाजसेवी श्रीमती एस.एस. नसरीन के उत्कृष्ट पत्रकारिता और समाजसेवा के लिए उलूबेरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने अपने आयोजित वार्षिक एजीएम बैठक के बाद सम्मानित किया। जानकारी हो कि बीएसपीएस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर हाल में ही श्रीमती एस.एस. नसरीन का चयन किया गया है। मौके पर स्थानीय सदस्य, पुलिस आयुक्त और अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे। एस.एस. नसरीन ने कहा कि उनका शेष जीवन समाज की सेवा में समर्पित है। विशेष रूप से देश भर के पत्रकारों के लिए वे कुछ वैसा कार्य करना चाहती हैं जिससे जब वे आर्थिक संकट में हों तो तत्काल उन्हें सहायता मुहैया कराई जा सके। वे जल्द ही एक योजना को अमलीजामा पहनाएगी।

गलत तरीके से जमीन बेचने के मामले में थाना प्रभारी को दिया आवेदन

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के निरापाड़ा निवासी व्यक्ति मरकुश हांसदा ने रविवार को अपने हिस्से की जमीन गलत तरीके से 3 लोगों के द्वारा मिलकर बेचने के मामले थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़ित व्यक्ति ने जिक्र किया है कि उसके हिस्से की जमीन बड़का हांसदा, रामा हांसदा एवं लड़गा हांसदा एकजुट होकर मिलकर बेच रहे हैं। आगे उन्होंने बताया कि अब तक उनलोगों ने उसके हिस्से की चार बीघा जमीन बेच दी है जहां इस मामले को लेकर उन्होंने 20 जनवरी 2025 को अनुमंडल पदाधिकारी को भी आवेदन दिया है। उधर अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन देने के बाद उसे अब थाना में आवेदन देने को कहा गया है ताकि पुलिस अपने स्तर से कार्यवाही कर सकें।

आर्य समाज सत्संग का आयोजन

उधवा- उधवा में आर्य समाज सत्संग का आयोजन किया गया. 23 फरवरी से 25 फरवरी तक वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया है. रविवार को एक भव्य शोभायात्रा निकालकर उधवा कचहरी से सोमवारी हाटापाड़ा,हरेरामटोला, खाड़ी मिर्जा नगर, पाकीजा मोड़ होकर उद्धव मुनि आश्रम, आर्य समाज मंदिर उधवा के समीप भोजपुर चौक में बने सत्संग पंडाल में पहुंचे। वही प्रधान विकाश मंडल ने कहा कि उक्त सत्संग यज्ञ में मध्य प्रदेश के होशंगाबाद के अंतर्राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता आचार्य आनन्द पुरुषार्थी तथा दिल्ली के आचार्या अमृता आर्या के द्वारा भजन प्रवचन किया जाएगा. मौके पर आर्य समाज उधवा के प्रधान बिकाश मंडल, मंत्री ज्ञान चन्द्र मंडल, कोषाध्यक्ष राजेश मंडल,उप प्रधान ईश्वर कुमार भगत,संजय आर्य, धर्मव्रत आर्य, अमृत मंडल ,उत्तम मंडल,सिरंजन आर्य,हरीबोल मंडल, सदस्य गुड़िया देवी,सेफाली देवी, शिप्रा सरकार,रुली देवी व सैकड़ों भक्त शोभायात्रा में शामिल हुए.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

हेमंत कैबिनेट के मंत्रियों को बंगला आवंटित, सुदिव्य कुमार सोनू को मिला आशियाना नंबर वन

रांची, एजेंसी। देश की आजादी से करीब दस साल पहले यानी 1937 में बनी फिल्म में तब के प्रख्यात गायक के एल सहगल ने एक गीत गाया था एक बंगला बने न्यारा, रहे कुनबा जिसमें सारा। आज इस गीत को हेमंत कैबिनेट के सभी मंत्री जरूर गुनगुना रहे होंगे। आखिर उनके नाम नया-नवेला भव्य बंगला जो आवंटित हो गया है। 11 बंगलों को बनाने में 70 करोड़ रु खर्च किए गये हैं। स्मार्ट सिटी क्षेत्र में जुड़को द्वारा बनाए गये इन बंगलों में तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा गया है। इसमें बच्चों के खेलने की जगह, बैडमिंटन कोट भी बने हुए हैं। आने वाले दिनों में सभी मंत्री इन बंगलों में नजर आएंगे। यहां बने एक बंगले का क्षेत्रफल 16,321 वर्ग फीट है। इसमें करीब 8000 वर्ग फीट में भवन बना हुआ है। हर बंगले को दो हिस्सों में बनाया गया है। भवन निर्माण विभाग ने झामुमो कोटे के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को बंगला नंबर वन आवंटित किया है। दो नंबर बंगले में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रहेंगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बंगला नंबर 3 आवंटित किया गया है। बंगला नंबर 4 में मंत्री इरफान अंसारी, बंगला नंबर 5 में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, 6 नंबर के बंगला में मंत्री हफीजुल हसन रहेंगे। बंगला नंबर 7 को मंत्री चमरा लिंडा के नाम आवंटित किया गया है।बंगला नंबर 8 में मंत्री दीपक बिरुआ, बंगला नंबर 9 में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंगला नंबर 10 में मंत्री रामदास सोरेन रहेंगे। जबकि राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव को बंगला नंबर 11 आवंटित किया गया है। जानकारी के मुताबिक कई मंत्री अपने नाम आवंटित बंगला में पूजा पाठ भी कर चुके हैं।

एसआईटी या सीआईडी करेगी जांच, प्रस्ताव तैयार, जैक ने भेजी शिक्षा विभाग को रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। मैट्रिक के प्रश्न पत्र आउट होने और अब तक की जांच के संबंध में जैक ने शनिवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को अपनी रिपोर्ट भेज दी. जैक ने रिपोर्ट में प्रश्न पत्र आउट होने और इसके बाद की गयी कार्रवाई की जानकारी विभाग को दी है. जिलों में चल रही जांच की स्थिति की जानकारी भी शिक्षा विभाग को दी गयी है.शिक्षा विभाग अब एसआईटी गठित कर या सीआईडी से इसकी जांच कराने की तैयारी कर रहा है. इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया गया है. शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की सहमति के बाद इसे गृह विभाग को भेजा जायेगा. सीएम की सहमति के बाद एसआइटी का गठन किया जायेगा या फिर सीआइडी को मामला सौंपा जायेगा. मैट्रिक में विज्ञान विषय की परीक्षा 20 फरवरी को हुई थी, जबकि प्रश्न पत्र 18 फरवरी की रात से ही वायरल था. विज्ञान विषय का वायरल प्रश्न पत्र जैक के प्रश्न पत्र से पूरी तरह मिल गया था. इसके बाद जैक ने सभी जिलों के उपायुक्त को इसकी जांच के लिए पत्र लिखा था. जैक ने इस संबंध में कोडरमा, गिरिडीह व गढ़वा उपायुक्त को अलग से पत्र लिखा था. इन तीनों जिलों में पहले प्रश्न के वायरल होने की बात सामने आयी थी. तीनों जिलों में इसकी जांच की जा रही है.प्रश्न पत्र आउट होने का मामला राज्य के अलग-अलग जिलों में सामने आया है. सभी जिलों में जिला स्तर पर इसकी जांच की जा रही है. अब तक जांच में पेपर कैसे व कहां से लीक हुआ, इसका खुलासा नहीं हो सका है.

आधे घंटे के अंदर बाइक सवार अपराधियों ने दो लोगों की छीनी चेन

धनबाद, एजेंसी। शहर में कोढ़ा गैंग का आतंक बढ़ गया है। शुक्रवार को आधे घंटे के अंदर गैंग के सदस्यों ने एक महिला और एक पुरुष को शिकार बनाया और दोनों की सोने की चेन छीन कर फरार हो गये। उन्हें न तो पुलिस पकड़ पायी और न ही सड़क पर खड़े ट्रैफिक पुलिस के जवानों को अपराधी नजर आये। घटना के बाद बरटांड़ सिगनोरा सिटी निवासी कमलेश कुमार सिंह ने धनबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है, जबकि छिनतई के दूसरे मामले में सरायढेला थाना क्षेत्र में रहने वाली पिंकी मंडल ने थाना में लिखित शिकायत की है।बरटांड़ सिगनोरा सिटी निवासी कमलेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को वह 10।45 बजे अपने स्कूटी से घर जा रहे थे। तभी एलसी रोड के पास पीछे से एक बाइक पर सवार दो अपराधी आये और अचानक मेरे पास आकर गाड़ी रोकी और तुरंत गले में पहना हुआ 30 ग्राम का सोने की चेन छीन कर सिटी सेंटर की तरफ भाग गये। जब तक मैं कुछ समझ पाता, वे आंखों से ओझल हो चुके थे।

झारखंड में खेल, खिलाड़ी और कोच पर हर साल 20.39 करोड़ खर्च,

फिर भी खिलाड़ी नेशनल गेम्स में भी नहीं दिला पा रहे हैं मेडल

रांची, एजेंसी। झारखंड में खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार करोड़ों खर्च कर रही है. इसके बावजूद कई खेलों की स्थिति ऐसी, जिनमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन जीरो है. इसके बावजूद उन खेलों को सरकार की ओर से अच्छा खासा अनुदान मिलता है. फुटबॉल, हॉकी (पुरुष), एथलेटिक्स जैसे खेलों पर सरकार सालाना लाखों खर्च कर रही है. पर इनमें प्रदर्शन शून्य है. कुछ खेलों को छोड़ दें, तो ज्यादातर खेलों में खिलाड़ी नेशनल गेम्स में भी मेडल नहीं दिला पा रहे हैं. राज्य में महिला हॉकी की स्थिति कुछ हद तक ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पुरुष हॉकी की भागीदारी नगण्य है. यही हाल फुटबॉल का भी है. राज्य को उन खेलों में मेडल मिल रहे हैं, जिनमें सरकार की कोई भागीदारी नहीं है. लॉन बॉल, तीरंदाजी, वुशु, मॉडर्न पेंटाथलॉन जैसे खेलों को सरकार अनुदान तक नहीं देती है. इसके बावजूद इन खेलों में प्रदर्शन अन्य खेलों की अपेक्षा बेहतर है. सरकार द्वारा खेल सेंटरों व खिलाड़ियों को तैयार करने में किये जा रहे खर्च के ब्योरे पर नजर डालें, तो

पायेंगे कि सेंटरों में रह रहे खेल, खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों पर सरकार सालाना 20.39 करोड़ रु खर्च कर रही है. पूरे राज्य में 108 डे-बोर्डिंग सेंटर हैं, जहां कुल 2700 खिलाड़ी हैं. प्रत्येक खिलाड़ी को सरकार की तरफ से 6000 रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाती है. यानी इन पर 1.62 करोड़ रु खर्च किये जाते हैं. वहीं, 12 क्रीड़ा किसलय केंद्र में खिलाड़ियों पर एक साल में 20.16 लाख रुपये व 24 खेलो इंडिया सेंटर के प्रशिक्षकों पर सालाना 72 लाख रुपये खर्च होता है. इसके बावजूद प्रदर्शन के नाम पर कुछ नहीं है. यही हाल राज्य में चलने वाले सेंटर ऑफ एक्सलेंस की भी है. पूरे राज्य में 10 सेंटर ऑफ एक्सलेंस संचालित हैं. यहां भी खेल,खिलाड़ी, कोच और किट पर सरकार सालाना 4.74 करोड़ खर्च कर रही है. पर रिजल्ट नहीं आ पा रहा. राज्य में कुल 30 आवासीय सेंटर हैं. प्रत्येक सेंटर में 25 यानी कुल 750 एथलीट हैं. इन एथलीटों के केवल भोजन मद में सरकार लगभग 8.66 करोड़ खर्च कर रही है. वहीं, इनके किट पर सरकार 18.75 लाख रुपये सालाना खर्च कर रही है. इसके अलावा 30 प्रशिक्षकों पर सरकार सालाना 2.16 करोड़ खर्च कर रही है. कुल मिला कर सरकार इन सेंटरों पर खिलाड़ियों और कोच पर सालाना 11.01 करोड़ खर्च कर रही है. राज्य में फुटबॉल के करीब 55 आवासीय सेंटर हैं. दोनों वर्गों (महिला-पुरुष) को मिला कर राज्य में 45 से 50 हजार फुटबॉलर हैं, लेकिन दोनों वर्गों की टीमों में से कोई भी नेशनल गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी. वहीं, राज्य में साझा की ओर से संचालित 10 और सरकार द्वारा सीधे तौर पर चलाये जा रहे 25 आवासीय प्रशिक्षण केंद्र हैं. इनमें से अधिकतर सेंटरों की हालत ऐसी ही है.

झारखंड में आर्चरी, एथलेटिक्स, हॉकी, रेसलिंग को छोड़ दें, तो यहां अन्य खेलों के लिए खेल प्रशिक्षकों की भारी कमी है. यहां अनट्रेंड खेल प्रशिक्षकों को 15,000 रुपये प्रतिमाह पर नियुक्त किया जा रहा है. बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, जूडो, स्विमिंग, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, साइकिलिंग, बास्केटबॉल समेत ऐसे कई खेल हैं, जिनमें प्रशिक्षक नहीं हैं. किसी खेल में प्रशिक्षक रखे भी गये हैं, तो उन्हें अनुबंध पर काफी कम मानदेय देकर उनसे काम लिया जा रहा है. ऐसे खेल प्रशिक्षक स्टेट लेवल खेल कर ही राज्य के नेशनल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं.लॉन बॉल में झारखंड के खिलाड़ी लगातार मेडल ला रहे हैं.

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में झारखंड ने लॉन बॉल में पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक जीते. इस मामले में दूसरे नंबर पर तीरंदाज रहे, जिन्होंने दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते. इससे पहले गोवा में हुए 37वें राष्ट्रीय खेलों में भी झारखंड के लॉन बॉल खिलाड़ियों का दबदबा दिखा था. गोवा नेशनल गेम्स में झारखंड के लॉन बॉल खिलाड़ियों ने चार गोल्ड और तीन ब्रांज समेत सबसे अधिक सात पदक जीते थे. वहीं, केरल में हुए 35वें राष्ट्रीय खेलों में लॉन बॉल में झारखंड ने दो गोल्ड, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे.

राजगंज सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई छह, सभी थे हुगली के रहने वाले

धनबाद, एजेंसी। शुक्रवार की देर रात 1.15 बजे बंगाल की ओर से कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जा रही दो गाड़ियां राजगंज में सिक्स लेन स्थित दलुडीह के सामने खड़े एक ट्रक (आरजे 14 जीपी 5425) से टकरा गयी थीं. इस बीच पटना की ओर से आ रही बस ने भी उन्हें टक्कर मार दी. इससे स्कॉर्पियो (डब्ल्यूबी 18टीबी 5672) पर सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गयी. वहीं घायल दो बच्चों की मौत शनिवार को इलाज के दौरान धनबाद में हो गयी. इसके अलावा गंभीर रूप से घायल पांच अन्य लोगों का इलाज धनबाद के एक निजी और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो रहा है. इस हादसे में बाल-बाल बचे कार सवार लोगों को दूसरी गाड़ी से वापस बंगाल भेज दिया गया है. मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को हटा कर देर रात जाम हटाया और यातायात सुचारू हुआ. पूछताछ के बाद बस को कोलकाता के लिए व कार में सवार लोगों को प्रयागराज के लिए रवाना कर दिया गया.

स्कॉर्पियो में सवार लोग सात कुड़िया, हुगली से कुंभ जा रहे थे. सभी एक ही परिवार के थे. इनमें विश्वरूप साहा, आगोमनी साहा, अन्वेषा साहा, श्यामोली साहा, पियाली साहा, प्रणय साहा, नीता साहा, राबुल राय, सायन साहा (बच्चा), सायल साहा (बच्चा), शेख राजभ अली (चालक) सहित 11 लोग शामिल थे. इनमें से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दो बच्चों की मौत अस्पताल में हुई.

मृतकों में श्यामोली साहा (33), पियाली साहा (35), प्रणय साहा (45), शेख राजभ अली (चालक), आगोमनी साहा (6) व अन्वेषा साहा (6) शामिल हैं.

मृतक प्रणय के भाई प्रह्लाद साहा ने शनिवार को सरायढेला थाना के पुलिस को फर्द बयान दर्ज कराया. उन्होंने बताया कि 21 फरवरी की शाम सात बजे मेरा भाई प्रणय साहा (45) प्रणय की पत्नी सोमोली साहा (33), प्रणव का पुत्र सुदीप साहा (13) सभी मेदनीपुर पश्चिम बंगाल के अलावा विश्वरुप साहा, विश्वरुप की पत्नी पियाली साहा, सेयान साहा, विश्वरुप साहा की पुत्री आगोमुनी साहा, चारों गोधाट हुगली के अलावा राहुल इल, नीता साहा दोनों सातवेडिया गोघाट हुगली व चालक शेख राजभअली गाड़ी संख्या (डब्लू 18 टीबी-5672) पर सवार होकर कुंभ के लिए चले थे. 22 फरवरी को समय एक बजे रात राजगंज थाना क्षेत्र में एक ट्रक (आरजे 14 जीपी-5425) पर पीछे से चालक द्वारा तेजी लापरवाही से धक्का मारा दिया और गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और इसमें लोगों को जान गयी और कई लोग गंभीर रूप से घायल है.

राजगंज सिक्सलेन का नाम पूरे देश में है. लेकिन, इसमें लगी लाइट अक्सर बंद रहती है, जिसके कारण रात को दुर्घटनाएं हो जा रही हैं. यहां लगे सीसीटीवी कैमरा भी बंद हैं. शुक्रवार रात को घटित हृदय विदारक सड़क दुर्घटना के समय भी घटनास्थल के अगल-बगल एक दर्जन से अधिक पोल की लाइट बंद थी. बताया जाता है कि लाइट बंद रहने के कारण आये दिन सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ गयी है. रात की घटना के समय स्थानीय पुलिस व लोगों को राहत कार्य में भी परेशानी झेलनी पड़ी. इस संबंध में राजगंज थानेदार अलीशा कुमारी ने संबंधित कंपनी अशोका बिल्डकॉन के अधिकारी से संपर्क स्थापित कर नाराजगी जाहिर की. इधर कंपनी मैनेजर राजकुमार श्रीवास्तव ने माना कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण बिजली बंद हो गयी थी. बारिश के कारण पैनल में पानी घुस जाने से कैमरा बंद पड़ा था. हाल ही में दलूडीह के आगे अगलगी के कारण भी व्यवधान उत्पन्न हुई है. संबंधित ठेकेदार को मैनेजर राजकुमार श्रीवास्तव ने बिजली व्यवस्था व सीसीटीवी दुरुस्त करने का निर्देश दिया है. इधर स्थानीय लोगों ने पूरे घटनाक्रम में एनएचएआइ के अधिकारियों की अनदेखी का आरोप लगाया है. बताया कि सड़क पर वाहनों को खराब होने की स्थिति में नियमानुसार इसे संबंधित विभाग द्वारा रोड क्लीयर करने का सिस्टम है. इस पर भी लापरवाही बरती जाती है.

शौचालय की खिड़की तोड़ हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस में घुसे यात्री, जमकर चले लात-मुक्के

धनबादधनबाद, एजेंसी। महाकुंभ जाने की बेताबी में शुक्रवार की शाम सात बजे से ही धनबाद स्टेशन पर हजारों यात्री पहुंच गए थे। रेलवे ने प्लेटफॉर्म चार से कुंभ स्पेशल चलने की घोषणा की। घोषणा होते ही यात्रियों का हुजूम प्लेटफॉर्म चार पर उमड़ पड़ा।

लगभग साढ़े तीन घंटे इंतजार के बाद भी कुंभ स्पेशल ट्रेन नहीं आई। इस बीच प्लेटफॉर्म तीन पर रात 10ः35 बजे 12323 हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस पहुंची। ट्रेन के पहुंचते ही प्लेटफॉर्म चार पर खड़े यात्री दौड़ पड़े। आरक्षित कोचों के दरवाजे बंद होने से यात्रियों का आक्रोश फूट पड़ा।

यात्रियों ने एसी कोच के बंद दरवाजे पर जमकर लात और मुक्के बरसाये। यात्रियों ने ट्रेन के अंदर बैठे यात्रियों को दरवाजा खोलने के लिए कहा। कुछ यात्रियों ने एसी के दरवाजे उखाड़ने की भी कोशिश की।जब वह दरवाजा नहीं उखाड़ सके तो वह शौचालय की खिड़की तोड़ कर अंदर घुस गए। इसी बीच ट्रेन चल दी। इस दौरान शौचालय की खिड़की पर आधा शरीर निकाल कर बैठा एक युवक जय श्रीराम के नारे लगाता रहा।

धनबाद से पिछले कई दिनों से रात 10ः40 पर कुंभ स्पेशल ट्रेन चल रही है। शुक्रवार को रैक देर से उपलब्ध होने के कारण सिर्फ कुंभ स्पेशल चलने की घोषणा की गई। समय की घोषणा नहीं की गई थी। शाम से ही हजारों यात्री प्लेटफॉर्म चार पर पहुंच गए थे।देर रात दो बजे के बाद कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई और कुछ देर बाद खचाखच भर कर रवाना हो गई। बुधवार की रात स्टेशन पर भगदड़ की स्थिति बन गई थी। प्लेटफॉर्म चार पर खड़े सैंकड़ों यात्री सुरक्षा घेरा तोड़ कर पटरी पर कूद पर प्लेटफॉर्म तीन पर खड़ी स्पेशल ट्रेन पर सवार हुए थे। दोबारा ऐसी स्थिति न आए और यात्री पटरी पर आपाधापी न करे, इसके लिए दो प्लेटफॉर्म के बीच खाली ट्रेन खड़ी कर दी गई।धनबाद से अजमेर के लिए शनिवार की सुबह कुंभ स्पेशल ट्रेन चलेगी। धनबाद से सुबह आठ बजे रवाना होकर गोमो, गया के रास्ते शाम 6ः30 पर प्रयागराज पहुंचेगी। अजमेर पहुंचने का समय अगले दिन दोपहर 1ः50 है।

शनिवार सुबह की ट्रेन में भी भारी भीड़ उमड़ने के आसार हैं। इसके बाद 23 को कोलकाता-श्रीगंगानगर स्पेशल सुबह नौ बजे रवाना होगी। दोपहर 3ः05 पर धनबाद और रात 12ः25 पर प्रयागराज पहुंचेगी। मंगलवार दिन 11ः45 पर श्रीगंगानगर पहुंचेगी।

बीसीसीएल के ए व बी टाइप आवासों में बनेगा अतिरिक्त रूम

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के कोयला नगर, जगजीवन नगर समेत अन्य ए व बी टाइप के श्रमिक आवासों में एक अतिरिक्त रूम (कक्ष) बनाया जायेगा. शनिवार को बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में आयोजित कल्याण परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर यूनियन व प्रबंधन के बीच सहमति बनी. जमसं (कुंती गुट) के संजीत सिंह ने बताया कि जब अधिकारियों के सी व डी टाइप क्वार्टर बन रहे हैं, तो कर्मचारियों के आवास में भी बेहतर सुविधा मुहैया कराने की जरूरत है. इस दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने श्रमिक आवासों में साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था, हर तीन-माह में गार्वेज व झाड़ियों की कटाई आदि मांग रखी गयी. सेंट्रल अस्पताल समेत अन्य अस्पतालों में दवा खरीद की प्रक्रिया सरल बनाने पर जोर दिया गया. प्रत्येक कॉलोनी में एक-एक खेल मैदान व खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की गयी. प्रबंधन ने इस पर सकारात्मक पहल करने की बात कही. परिषद के अध्यक्ष सह बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए परिषद के सभी सदस्यों को पौधा प्रदान किया. परिषद के सदस्यों ने डीपी को पौधा देकर स्वागत किया.

कल्याण विभाग के विभागाध्यक्ष सरोज पांडेय ने बीसीसीएल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों से सदस्यों को अवगत कराया.

नक्सल इलाकों के सुरक्षा कैंपों की होगी समीक्षा, बदल सकता है पुलिसकर्मियों का लोकेशन

रांचीधनबाद, एजेंसी। झारखंड पुलिस नक्सल क्षेत्रों के सुरक्षा कैंपों की समीक्षा करेगी। जहां से नक्सलियों का सफाया हो चुका है, वहां के सुरक्षा कैंप नक्सल क्षेत्रों में शिफ्ट होंगे।

समीक्षा में इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि अगर वहां से कैंप शिफ्ट हुआ तो कहीं फिर से उस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां न शुरू हो जाए। इन सभी बिंदुओं पर समीक्षा के बाद ही सुरक्षा कैंप को शिफ्ट किया जाएगा।

वर्तमान में राज्य में नक्सली अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। नक्सलियों के लिए कुख्यात रहा बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र नक्सलियों से खाली हो चुका है।लातेहार-लोहरदगा सीमा पर स्थित बुलबुल जंगल भी लगभग नक्सल मुक्त हो चुका है। सरायकेला-खरसांवा, खूंटी व

पश्चिमी सिंहभूम के ट्राई जंक्शन क्षेत्र में भी अब नक्सली नहीं हैं।

इसके बावजूद नक्सलियों से खाली हो चुके क्षेत्रों में केंद्रीय बलों, झारखंड जगुआर के जवानों के कैंप संचालित हैं। इन सभी कैंपों की पुलिस मुख्यालय समीक्षा करेगा। जहां जरूरत नहीं होगी, वहां से कैंप हटेंगे।

नक्सलियों से अंतिम लड़ाई अब सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम में जारी है। सुरक्षा बलों ने इस क्षेत्र में अपनी ताकत झोंक दी है।

इन्हीं क्षेत्रों में माओवादियों के बड़े नेताओं के होने की सूचना है, जिनमें एक करोड़, 25 लाख, 15 लाख व 10 लाख के सभी बड़े नक्सली छुपे हुए हैं। लगातार आइइडी की बरामदगी हो रही है। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा क्षेत्र में चाईबासा पुलिस के अलावा सीआरपीएफ की 60, 197, 174, 193, 134 व 26 बटालियन, कोबरा 209 बटालियन व झारखंड जगुआर के जवान नक्सलियों के विरुद्ध लगातार अभियान चला रहे हैं।

297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की, 34 को मुठभेड़ में मार गिराया

झारखंड जगुआर के आइजी अनूप बिरथरे ने कहा कि 17 वर्षों के सफर में झारखंड जगुआर ने 297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की। इस दौरान विभिन्न अभियानों के दौरान 34 कुख्यात नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।झारखंड जगुआर के पदाधिकारियों व कर्मियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अब तक दो अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 07 उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा के लिए 56 पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

364 करोड़ की 847 योजना के अनुमोदन पर हुआ मंथन

धनबाद, एजेंसी। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के न्यास परिषद की बैठक शनिवार को न्यू टाउन हॉल में हुई. इसमें जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 364.77 करोड़ रुपये की 847 योजनाओं के अनुमोदन के प्रस्ताव पर मंथन किया गया. उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजलापूर्ति, समाज कल्याण समेत जिले के चौमुखी विकास पर जिला प्रशासन का ध्यान केंद्रित है.

इस वर्ष गर्मी में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन पिछले वर्ष से बेहतर व्यवस्था करेगा. जिले में चल रही वृहद जलापूर्ति योजनाओं को पूरी कराकर सभी पंचायत को जलापूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है. वहीं सदर अस्पताल एवं शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को अपग्रेड किया जायेगा.

बैठक में दोनों अस्पतालों में मैनपावर, बुनियादी संरचना के अलावा चिकित्सीय उपकरणों की कमी की समीक्षा की गई है. एएनएम, जीएनएम एवं टेक्नीशियनों के रिक्त पदों को भरा

जायेगा. जिन आंगनबाड़ी के पास अपना भवन है, उसे मॉडल आंगनबाड़ी बनाया जायेगा.

उपायुक्त ने झारखंड जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की सात अक्तूबर 2024 को जारी की गयी नई नियमावली से सभी जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया. इसी नियमावली के तहत योजना के चयन का अनुरोध किया. बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी, विभिन्न पंचायतों के मुखिया व जनप्रतिनिधि आदि थे.

बैठक में कार्यकारी एजेंसियों से प्राप्त प्राक्कलनों पर अनुमोदन के लिए पीएचइडी वन की 58.03 करोड़ की 71 योजना, पीएचइडी टू की 8.82 करोड़ की 31 योजना, पेयजल एवं स्वच्छता (यांत्रिक) प्रमंडल की 3.48 करोड़ की छह, जमाडा की 8.39 करोड़ की पांच, भवन प्रमंडल (स्वास्थ्य प्रक्षेत्र) की 99 लाख की एक, भवन प्रमंडल (शिक्षा प्रक्षेत्र) की 36.67 करोड़ की 184, लघु सिंचाई (जल संरक्षण) की 1.57 करोड़ की दो, लघु सिंचाई (आधारभूत संरचना) की 24.61 करोड़ की 77, ग्रामीण कार्य विभाग (आधारभूत संरचना) की 38.88 करोड़ की 26, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल (आधारभूत संरचना) की 12.97 करोड़की 13 योजना के प्रस्ताव पर चर्चा की गयी. वहीं प्रबंधकीय समिति द्वारा स्वीकृत ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 75.67 करोड़ की 167, ग्रामीण कार्य विभाग की 55.73 करोड़ की 65, लघु सिंचाई की 10.50 करोड़ की 24, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमंडल की 2.68 करोड़ की 12, भवन निर्माण विभाग की 23.90 करोड़ की 120, विद्युत कार्य प्रमंडल की 1.10 करोड़ की पांच, सिविल सर्जन की 7.57 लाख की एक, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की 23.01 लाख की एक, पीएचइडी टू की 42.08 लाख की दो एवं पीएचइडी वन की 6.21 लाख की एक योजना के अनुमोदन प्रस्ताव पर चर्चा की गयी.

धनबाद सांसद ढुलू महतो ने कहा कि डीएमएफटी फंड से जो भी कार्य होते हैं वे ठेकेदार के माध्यम से नहीं, बल्कि स्थानीय जनप्रतिनिधि के माध्यम से हों. सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्य का शिलान्यास हो. स्थानीय जनप्रतिनिधि की अवहेलना करने पर ठेकेदार के बिल का भुगतान रोका जाये. उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों से कई जलापूर्ति योजनाएं धीमी गति से चल रही हैं. जिला प्रशासन इस पर निगरानी रख दोषियों पर कार्रवाई करे. सांसद ने डीएमएफटी की राशि से धनबाद में हवाईअड्डा निर्माण के लिए जमीन खरीदने का भी प्रस्ताव रखा.

प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय में लगा रक्तदान शिविर

धनबाद, एजेंसी। आयकर कार्यालय धनबाद में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आयकर अधिकारी (मुख्य/प्रशासन) अशोक कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि देशभर में 25,000 यूनिट रक्त संग्रह करना है। इसलिए आयकर विभाग की ओर से राष्ट्रव्यापी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। हर प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त क्षेत्र के लिए 1,500 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य है। इस दौरान प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय की ओर से सभी रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान किया। शिविर में आयकर कार्यालय, धनबाद के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ सदर अस्पताल, आयकर बार एसोसिएशन, आइआइटी (आइएसएम), विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, पीके रॉय कॉलेज व एसएसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान सदर अस्पताल, धनबाद की ओर से घोषणा की गई कि रक्तदान करने वाले लोगों व उनके परिजनों को जरूरत पड़ने पर आगामी तीन माह तक निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जायेगा।

ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणा के अनुसार कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की है। उन्होंने शांति वार्ता को जमीन पर उतरने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत की। इसी का परिणाम है कि मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री शांति वार्ता का प्रारूप तैयार करने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का यूक्रेन के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है और इसमें यूरोप के साथ गहराते मतभेदों के संकेत हैं। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की दिशा प्रयास कर रहे हैं तो उनके प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि इस युद्ध में यूक्रेन ने बहुत तबाही मोल ली है। इसलिए इसे रुकना ही चाहिए। बाइडन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह कहा था और युद्ध को भड़कने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में आपातकालीन बैठक कर यूक्रेन मुद्दे पर एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर चर्चा की। वास्तव में ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति ने यूरोप और स्वयं यूक्रेन के सामने हाशिये पर जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को सऊदी अरब में आयोजित शांति वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। नतीजतन शांति वार्ता की सफलता संदिग्ध है। जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय देश रूस के साथ अपने विरोधपूर्ण संबंधों के कारण उसके आगे समर्पण करना नहीं चाहते। यूरोपीय देश यूक्रेन को हारता देखना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें यह समझ में क्यों नहीं आता कि अपनी थोड़ी सी सहायता के बल पर यूक्रेन को युद्ध में झोंके रखना वस्तुतः कीव को विनाश के कगार पर पहुंचाना है। अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद पर तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर मोहर लगने के बाद यूरोपीय देशों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें युद्ध विरोधी नेता माना जाता है। भारत शुरू से युद्ध समाप्त करने के पक्ष में खड़ा रहा है।

सोशल मीडिया का दुष्प्रयोग और सांस्कृतिक संकट

गिरीश्वर मिश्र

सोशल मीडिया आज संचार की दुनिया में एक बड़ी ताक़त के रूप में उभर रहा है। उसकी सक्रिय उपस्थिति से आबालबृद्ध सभी प्रभावित हो रहे हैं। उसकी अपरिहार्य, तीव्र और लुभावनी और सुगम उपस्थिति आज समाज में सबको अपने आगोश में लेती जा रही है। सूचना की दुनिया से आगे बढ़ कर सोशल मीडिया हमारी निजी उपस्थिति और उसकी सार्थकता के आशय और जीवन के सरोकार सबको प्रभावित कर रहा है। हमारी अस्मिता को रचता हुआ वह किसी दुनिया या सत्य का प्रतिनिधित्व या प्रस्तुति से आगे बढ़ कर अपनी एक स्वायत्त दुनिया बना चुका है। उसका अपना वजूद वास्तविक दुनिया को भी गढ़ रहा है। ख़ास तौर पर संचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में 'मोबाइल' के ज़रिए सोशल मीडिया ने आम आदमी की ज़िंदगी में जिस तरह की ज़बरदस्त सेंधमारी की है उसका निकट इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता। इसकी लोकप्रियता कितनी है इसका अंदाज़ा लगाना बेहद मुश्किल है। लोग जीवन में बिताए जाने वाले समय में घंटों इससे चिपके रहते हैं। सोते समय स्वोपन के मिथ्या जगत में तो हम रहते हैं परंतु आज की सच्चाई यह है कि जाग्रत अवस्था में वर्चुअल या आभासी दुनिया में हमारी आवाजाही वास्तविक दुनिया में जीने की तुलना में बढती जा रही है। आज सबके मन में अपने को रचने, प्रस्तुत करने और एक बड़े विस्तृत फलक पर उपस्थित करने की प्रबल इच्छा जाग रही है। दर्शक को प्रतिभागिता का अवसर देने वाली अंतःक्रियात्मक सोशल मीडिया दर्शक या पाठक को बेहिसाब शक्ति का अहसास कराती है। इसकी लोकप्रियता का गणित ऐसा है कि 'इंफलुएंसर ' (यू ट्यूबर!) गण देश के सामाजिक-सांस्कृतिक नेता की तरह अभिनंदित होते हैं और अच्छी ख़ासी आर्थिक कमाई भी करते हैं। यानी वर्चुअल दुनिया मुख्य होती जा रही है और वास्तविक दुनिया के दिलो-दिमाग को संचालित कर रही है। वह रंगीन, गतिशील और अत्यंत व्यापक है और इसलिए उसके स्पर्श में आकर आदमी आसानी से बदल जाता है। अब दैनिक जीवन के जीने के सामान्य अभ्यास में 'स्क्रीन टाइम' (संचार और संवाद के गैजेट से जुड़ा रहने में बिताने वाला समय) एक ख़ास मद हो गया है। यह आभासी दुनिया लोगों को अपने अनुभव-संसार को गढ़ने के लिए कई विकल्पों के साथ असीमित लगने वाली छूट दे रही है और वास्तविक दुनिया में होने वाली गतिविधियों को निर्धारित कर रही है। दर्शक को अपनी निजी स्वतंत्रता के विस्तार का अहसास होता है। इस तरह का यह आभासी दायरा अब इंटरनेट के सहयोग से अपरिमित-सा होता जा रहा है। यह अब मन मस्तिष्क पर छाता हुआ यह आभासी हस्तक्षेप हमारे भाव-जगत को आकार देने लगा है। इस तरह वह जाने अनजाने हमारे स्वभाव को भी बनाते-बिगाड़ते हुए प्रभावित कर रहा है। हमारा स्वाद बदल रहा है। हम क्या हैं और क्या होना चाहते हैं यह सबकुछ मीडिया पर टिकने लगा है। ठीक से कहें तो यह सबको अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। आदमी के मनो-जगत में प्रवेश कर यह चुपके-चुपके हमारी आकांक्षा, अभिरुचि, गतिविधि और व्यक्तित्व सबको गढ़ने वाला एक अचूक औंजार साबित हो रहा है। ताजा घटनाक्रम में एक महानगर की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आने वाले सुपठित युवा द्वारा की गई अश्लील प्रस्तुति चर्चा का विषय बनी है। वर्चुअल प्लेटफार्म पर अभद्रता की हदें पार करने की इस शिकायत पर सबकी नज़रें गई हैं। यह सब है तो पुराना धंधा परंतु इस बार बात सुप्रीम कोर्ट तक औपचारिक रूप से पहुंच गई। पहुँची ही नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत ने उसका तत्काल संज्ञान भी लिया और पेशी पर आरोपी को अच्छी तरह डांट भी लगाई। पर गौरतलब है कि इसके पहले भी उच्छृंखल रूप से सोशल मीडिया का दुरुपयोग जोर पकड़े हुए था और इसके बाद अभी भी चालू है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के रूप में ऐसे महानुभावों को आदर और धन संपदा भी मिलती है। वे रसूखदार लोगों में शुमार होते हैं। इस तरह सोशल मीडिया मनोरंजन, व्यापार, शिक्षा और संस्कार सबको प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आज़ादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और ख़ासतौर पर 'वेब सिरीज़', 'फ़ेसबुक पोस्ट' और 'रील' आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुँच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ़ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं। विविध प्रकार की पोर्नोग्राफ़ी का यह दुरन्त विस्तार हर आयु वर्ग, हर धर्म और जाति तथा प्रत्येक आय वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। अब यह निजी और गोपनीय नहीं रहा। इसका नशा हर वर्ग में बढ़ रहा है। स्वतंत्रता की इस मुहिम में नग्न और अर्धनग्न, मांसल स्त्री (और पुरुष) शरीर को, छिपाने-दिखाने की सुनियोजित योजना के साथ, विज्ञापित और प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इनमें कितने पात्र असली हैं और कितने डीपफ़ेक जैसी तकनीक के सौजन्य से बने हुए हैं। इनमें अवैध और अनैतिक देह-संबंध को खोजते-उघाड़ते और साझा करने की यात्रा शुरू हो गई है। पहले जिसे वेश्यावृत्ति कहते थे उसके नाना रूप उत्तेजक कहानियों और घटनाओं में पिरो कर प्रस्तुत करती प्रचुर सामग्री धड़ल्ले से फैलाए जा रहे हैं। पब्लिक डोमेन में डंप की जा रही इन सामग्रियों में रुपया-पैसा, वासना, सेक्स कारोबार और व्यापार आदि मसलों को जोड़-जाड़ कर एक आकर्षक और कामोत्तेजक दुनिया रच कर दिखाई जाती है। इनमें बहुत-सा बाहर के देशों से उठाई सामग्री भी होती है। वैध और नाजायज संबंधों की सारी हदों को पार करती इस कल्पित वर्चुअल दुनिया में कुछ भी संभव होता है। इनमें दर्शकों को लुभाने और उनको आकर्षित करने के हर नुस्खे आजमाये जाते हैं। यह क्षणिक सुख का आभास या अहसास करा देती है। इसके चलते लोग इसमें फँस जाते हैं। शब्द, भाषा और चित्रों के माध्यम से अश्लीलता का वीभत्स रूप बेरोक-टोक निर्द्वंद भाव से सब लोगों को मुहैया कराया जा रहा है। इन सबके सम्मिलित प्रभाव कार्य के प्रति अन्यमनस्कता, अव्यवस्थित काल-बोध और अमर्यादित सामाजिक आचरण में प्रतिफलित होता है। एक भयावह बीमारी की तरह इसकी लत लगने पर इसका परिणाम दुर्व्यसन (एडिक्शन) के मर्ज़ में भी तब्दील हो जाता है। सांस्कृतिक मर्यादाओं की सभी हदों को पार करते हुए विभिन्न प्रकार की प्रकट, सांकेतिक और अप्रत्यक्ष अश्लीलताओं को लगातार परोसते दृश्यों में बाँध कर हर किसी की उत्सुकता को जगाने के लिए प्रत्यक्ष और छद्म तरीकों से भरपूर सामग्री अनियंत्रित रूप से प्रस्तुत की जा रही है। उदारता का युग बाजार में आया, राजनीति में आया और अब घर की चारदीवारी में पहुँच कर लोगों के दिलो-दिमाग़ में खलबली मचा रहा है। इसने समाज की सोच या वैचारिकी में अनियंत्रित खुलेपन का न्योता दिया। इस तरह के बदलाव के पीछे नगरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, नौकरी पेशे के जीवन की दुश्वारियाँ मुख्य रही हैं। इस परिवर्तन के केंद्र में भोग और राग की अतुलित बलवती इच्छा वेगवान होती गई। चरित्र, आचार-विचार , शील और सदाचार और इंद्रियों का निग्रह जैसे विचार दकियानूसी और प्रगति के मार्ग में रोड़े की तरह जाने समझे जाने लगे। इस रोग की लपेट में किशोर, युवा और प्रौढ़ सभी आ रहे हैं। "गर्लफ्रैंड "और "ब्वॉय फ्रैंड "अब एक स्वीकृत और प्रचलित प्रत्यय और सामाजिक अभ्यास हो चला है। इस तरह की मित्रता की सीमा और परिधि किस तरह चलेगी यह इसमें शामिल किरदारों की भलमनसाहत पर निर्भर करता है। इसमें क्या वर्जित और क्या विहित है, यह मित्रों की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। सेक्स जीवन में नवाचार अब सामाजिक जीवन का हिस्सा हो रहा है। लिव इन रिलेशनशिप और आपसी रजामंदी से प्रौढ़ जनों को सेक्स की वैधानिक स्वीकृति सामाजिक आचरण के नये मानदंड स्थापित कर रही है। सामाजिक जीवन की नई पैमाइश में व्यक्ति ही प्रथम और अंतिम निर्णायक होता जा रहा है। व्यक्ति की चेतना का उत्कर्ष सदा से वांछित रहा है। काम की गणना पुरुषार्थ में की गई है। श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं 'मैं धर्म के अविरुद्ध काम हूँ।' आज भी प्रश्न यही है कि जीवन में मर्यादा कैसे लाई जाए ? धर्म अर्थात् विवेकसम्मत और संतुलित आचरण का मार्ग कैसे प्रशस्त हो? इस दृष्टि से घर, स्कूल, मीडिया सभी को अपनी ज़िम्मेदारी पहचाननी और निभानी होगी। क़ानून दांव-पेंच का मामला है और वह अपना काम करेगा पर उसका परिणाम भी तभी मिलेगा जब हम मर्यादा में विश्वास करें, वह मर्यादा जो अपने और सबके हित को ध्यान में रख कर स्वीकार की जाती है। सोशल मीडिया को नियमित करने और अमर्यादित उपयोग को रोकना सरकार की वरीयताओं में आना चाहिए। इस तरह के अनर्गल संचार के नकारात्मक प्रभावों से समाज को बचाना आवश्यक है।

सूडोकु नवताल- 7351

★★★★☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7350 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

भारत के कृषि-निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धिः प्रथम बार हुए कई महत्वपूर्ण निर्यातों ने इतिहास रचा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के कृषि निर्यात में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है जिसमें कई उत्पादों ने पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बनाई है। यह ऐतिहासिक विस्तार न सिर्फ व्यापार के संदर्भ में है अपितु यह किसानों को सशक्त बनाने, ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को वैश्विक पटल पर लाने से भी जुड़ा है। विशिष्ट फलों से लेकर पारंपरिक भोज्य पदार्थों तक, निर्यात की यह पहली खेपें इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि मोदी सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन भारतीय किसानों के लिए किस तरह से नए अवसरों का सृजन कर रहा है।मोदी सरकार के नेतृत्व में पहली बार किए गए कुछ उल्लेखनीय कृषि निर्यात इस प्रकार हैं:

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप- भारत के कृषि निर्यात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने समुद्री मार्ग से क्रमशः प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप को सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलिया भेजा। यह सफलता न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में भारत के ताज़े फलों की बाज़ार पहुंच को बढ़ाती है, बल्कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक भारतीय उत्पादों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

पोलैंड के लिए पहली बार अंजीर के जूस का निर्यात किया गया- भारत के अनोखे जीआई-टैग युक्त पुरंदर अंजीर अब यूरोप में धूम मचा रहे हैं। वर्ष 2024 में, मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा दी। इससे पहले इसे वर्ष 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने विशिष्ट स्वाद और रंग-रूप के लिए जाने जाते हैं। यह निर्यात वैश्विक मंच पर भारत के अनूठे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लंदन, बहरीन को पहली बार ड्रैगन फ्रूट का निर्यात किया गया- भारत द्वारा अपने फलों के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास के अंतर्गत, स्थानीय रूप से कमलम के नाम से जाने जाने वाले फाइबर और खनिज युक्त ड्रैगन फ्रूट को वर्ष 2021 में लंदन और बहरीन निर्यात किया गया। लंदन को निर्यात की गई खेप गुजरात के कच्छ क्षेत्र के किसानों से प्राप्त की गई थी, जबकि बहरीन को भेजी गई खेप पश्चिमी मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के किसानों से प्राप्त की गई थी।

अमेरिका के लिए ताजे अनार की पहली ट्रायल खेप- वर्ष 2023 में भारत ने अमेरिका को हवाई मार्ग से ताजे अनार की अपनी पहली ट्रायल शिपमेंट निर्यात करके अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र के भगवा अनार में निर्यात की पर्याप्त संभावनाएं हैं और देश से फलों के निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सोलापुर जिले से होता है।

असम का लेटेकु फल दुबई निर्यात किया गया- पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में वर्ष 2021 में, असम के लेटेकु के रूप में जाने जाने वाले बर्मी अंगूर की पहली खेप को दिल्ली के माध्यम से गुवाहाटी से दुबई भेजा गया। इस निर्यात ने असम के विदेशी उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिला दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता भी सिद्ध हुई है।

त्रिपुरा से जर्मनी तक कटहल- वर्ष 2021 में जर्मनी को त्रिपुरा से भारत के ताजे कटहल का स्वाद मिला। पहली बार हवाई मार्ग से त्रिपुरा से जर्मनी तक ताजे कटहल की एक खेप निर्यात की गई। अगरतला से एक मीट्रिक टन ताजे कटहल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। यह उपलब्धि मोदी सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात मानचित्र पर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

किंग चिली 'राजा मिर्च पहली बार नागालैंड से लंदन भेजी गई- पहली बार वर्ष 2021 में पूर्वोत्तर क्षेत्र से जीआई उत्पादों के निर्यात को एक महत्वपूर्ण आकार देते हुए, नागालैंड से किंग मिर्च के नाम से विख्यात 'राजा मिर्चÓ की एक खेप को पहली बार हवाई मार्ग से गुवाहाटी के रास्ते लंदन निर्यात किया गया। इसकी जल्दी खराब होने वाली प्रकृति को देखते हुए, इस उत्पाद का निर्यात करना एक चुनौती थी लेकिन भारत ने सफलतापूर्वक इसके हवाई शिपमेंट की सुविधा प्रदान की, जिसने विशेष कृषि-निर्यात को संभालने में भारत की क्षमताओं को उजागर किया।

मेष राशि- आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनाएंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा। अचानक किसी स्त्रोत से आपको धन लाभ होगा। आज अधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे।

वृष राशि- आज आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिए किसी की मदद मिल सकती है । आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिए आपकी तारीफ कर सकते है, इससे आपका मन खुश रहेगा । शाम को किसी दूर के रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है । काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी। आपको बड़ी सफलता मिलने का योग बना हुआ है। आज घर के सदस्यों में आपसी सौहार्द बेहतर बनेगा।

मिथुन राशि- आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जायेंगे । कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है।

कर्क राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा। आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनाएंगे। लवमेट आज लंच करने किसी अच्छे रेस्टोरेंट में जायेंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे । आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह सकता है, आप उनकी हर संभव मदद करेंगे। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी। दांपत्य जीवन में नई-नई खुशियां आयेगी।

तुला राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से आपको बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से फोन पर बात होने की संभावना है । निवेश के मामले में आपको नई सलाह मिलेगी। परिवारवालों के साथ मिलकर किये गए कामों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। दांपत्य रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज किसी प्रकार की नई बात आपको सीखने को मिलेगी । आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु राशि- आज आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आज आप घरेलू काम को निपटाने में सफल रहेंगे। सही योजना के तहत अपने करियर में बदलाव लायेंगे।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आज आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। अगर नया काम शुरू करना चाहते हैं तो फिलहाल कुछ दिनों के लिए रुक जाना अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि- आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। लंबे समय से चल रहा किसी कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

मीन राशि- आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अध्यात्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के सहयोग से काम पूरे हो जायेंगे । आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ननिहाल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। आप लोगों को अपनी बातें समझाने में सफल होंगे।

कितनी उचित है गंगाजल पर बयानबाजी

रमेश सर्राफ धमोरा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानों का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा-अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है, वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी। हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों घटनाएं बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो रही है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा। शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है, जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं। जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई थी। महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालों के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए। शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं। डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह प्वाइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।

संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**

रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

बिहार को मिलेगी कई योजनाओं की सौगात, भागलपुर में 1 घंटे मंच पर रहेंगे पीएम मोदी

भागलपुर, एजेंसी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भागलपुर आएंगे। प्रधानमंत्री पूर्णिया में हवाई अड्डा पर उतरेंगे और वहां से हेलीकाप्टर से 1 बजकर 30 मिनट पर भागलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

2 बजकर 5 मिनट पर पीएम मोदी भागलपुर हवाई अड्डा स्थित हेलीपैड पर उतरेंगे। दोपहर 2 बजकर 10 मिनट पर सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना होंगे।

2 बजकर 15 मिनट से 3 बजकर 15 मिनट तक प्रधानमंत्री पीएम किसान सम्मान निधि योजना की राशि जारी करने के साथ-साथ ही कई योजनाओं कर उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री लोगों को संबोधित भी करेंगे।

3 बजकर 15 मिनट पर पीएम मोदी मंच से उतरकर सड़क मार्ग से हेलीपैड के लिए रवाना हो जाएंगे। 3 बजकर 25 मिनट पर वह पूर्णिया के लिए रवाना हो जाएंगे।

आज शाम पहुंचेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार शाम को दरभंगा से भागलपुर आएंगे। भागलपुर आने के बाद वे प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे।

कृषि मंत्री मंगल पांडेय पहुंच चुके हैं भागलपुर: सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी को भागलपुर आना है। इसी को लेकर सूबे के कृषि मंत्री मंगल पांडेय भागलपुर पहुंच गए हैं। मंगल पांडेय ने शनिवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कृषि विभाग परिसर में अधिकारियों के साथ मंत्रणा भी की।

हवाई अड्डा परिसर में प्रवेश के दौरान दिखेगी आकर्षक झलक : प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने वाले किसानों की आकर्षक झलक देखने को मिलेगी। हवाई अड्डा प्रवेश द्वार पर डिजाइनर गेट बनाए जा रहे हैं। एक गेट पर जहां आपको केला की झलक देखने को मिलेगी तो दूसरे गेट पर मक्के की झलक देखने को मिलेगी।

एक गेट पर कतरनी धान तो एक अन्य गेट पर मखाना की झलक देखने को मिलेगी। श्रीअन्न का भी एक गेट रहेगा। सारे डिजाइनर गेट 25 फीट से लेकर 36 फीट के होंगे।

जीरोमाइल चौक पर आम के दो गेट तैयार किए जा रहे हैं। तिलकामांझी चौक-बरारी रोड पर पान का गेट तैयार हो रहा है। तिलकामांझी-कचहरी मार्ग में टमाटर का गेट तैयार किया जा रहा है। तिलकामांझी-नगर निगम कार्यालय मार्ग में गेंदा का गेट तैयार हो रहा है।

पीएम की सभा में चार्जर, पावर बैंक गुटखा-तंबाकू समेत काला कपड़ा ले जाना वर्जित

भागलपुर, एजेंसी। पीएम और सीएम के कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल के अतिरिक्त कोई भी सामान यथा चार्जर, पॉवर बैंक, पानी बोतल, तम्बाकू, गुटखा इत्यादि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है. किसी प्रकार का धात्विक वस्तु, झोला, बैग, फूल-माला, गुलदस्ता, काला रंग का वस्त्र जैसे - शर्ट रूमाल इत्यादि को वर्जित किया गया है. वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने इस बाबत आमलोगों से अपील की है. उन्होंने कहा है कि कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग में लोग अपने वाहनों को लगायेंगे और जिला प्रशासन की ओर से पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था की गयी है. हवाई मार्ग से किया सर्वे, हवाई अड्डा के चारों तरफ दिन-रात निगरानी

हवाई अड्डा मैदान में पीएम-सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी अंतिम चरण में है. शनिवार को तीन बार हेलीकॉप्टर से हवाई अड्डा के आस पास के क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया गया. हवाई अड्डा के चारों तरफ सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी है. जानकारी मिली है कि कार्यक्रम की सुरक्षा में 4000 से अधिक सुरक्षा बलों को लगाया गया है. दूसरे जिलों से भी जिला पुलिस बलों को बुलाया गया है. कहीं से किसी प्रकार की चूक न हो इसके लिए सुरक्षा इंतजाम की छोटी से छोटी बातों पर ध्यान रखा जा रहा है.

हवाई अड्डा के आस पास के क्षेत्र में पेट्रोलियम पदार्थ वाले गोदामों की जांच की गयी है. जांच के क्रम में यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं गैस सिलेंडर या अन्य ज्वलनशील पदार्थों का स्टॉक तो नहीं रखा गया है. हवाई अड्डा के पास वाले ही एक गोदाम की जांच की गयी है जबकि हवाई अड्डा के पास वाले पेट्रोल पंप के पास भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं. तो दूसरी तरफ फायर ब्रिगेड की 33 टुकड़ियों को अलर्ट मोड में रखा गया है. भागलपुर, बांका, मुंगेर से भी फायर ब्रिगेड की टुकड़ियों को बुलाया गया है. शुक्रवार और शनिवार को डीएम आवास से हवाई अड्डा तक फायर ब्रिगेड के दमकलों से सड़क पर पानी का भी छिड़काव किया गया था.

कार्यक्रम की सुरक्षा के मद्देनजर साइबर पुलिस भी हर जगह नजर रख रही है. इसके लिए देर शाम तिलकामांझी थाने में बांका, जमुई और लखीसराय और भागलपुर के साइबर डीएसपी जमे दिखे. बताया जा रहा है कि साइबर पुलिस ने भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर साइबर सुरक्षा को लेकर रणनीति बनायी है. दूसरी तरफ यह जानकारी भी मिली है कि साइबर पुलिस किसी बड़े अंतरराज्यीय साइबर गिरोह की टोह लेने के लिए भागलपुर पहुंचे थे.

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विभिन्न मार्गों को प्रतिबंधित कर दिये जाने के बाद परीक्षार्थियों, स्कूली बच्चे और उनके अभिभावकों की सुविधाओं का ध्यान रखा गया है. ट्रैफिक डीएसपी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि स्कूली बच्चों के वाहनों और परीक्षार्थियों के वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से या फिर सीधे मार्ग से स्कूल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पुलिस की होगी. इसके लिए पुलिस प्लान तैयार कर चुकी है. उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में बच्चों को स्कूल या परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा.

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बंधक बनी ट्रेन, ड्यूटी पूरी होने पर जंजीर से बांधकर चले गए ड्राइवर और गार्ड

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर-पटना रेलरूट पर बाढ़ रेलवे स्टेशन पर शनिवार को अजीबो-गरीब घटना देखने को मिली. जब ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड ने ट्रेन को ही बंधक बना लिया. जैसे किसी दोपहिये वाहन को जंजीर में बांधकर सेफ कर लिया जाता है ठीक उसी तरह ट्रेन को भी जंजीर में बांधा और दोनों अपनी-अपनी ड्यूटी पूरी करके चलते बने. इससे कई ट्रेनों को प्लेटफॉर्म बदलकर स्टेशन पर लाने की नौबत आ गयी. यह मामला बाढ़ रेलवे स्टेशन का है. सूत्रों के अनुसार, जब मालगाड़ी के ड्राइवर और गार्ड ने अपनी आठ घंटे की ड्यूटी पूरी कर ली तो मालगाड़ी को प्लेटफॉर्म नंबर दो पर खड़ा किया और दोनों रवाना हो गए. इस दौरान ट्रेन को जंजीर से बांध दिया. मालगाड़ी के ड्राइवर ने गार्डन ब्रेक वैन के पहिये में ओट लगा दिया और एक बड़े जंजीर से रेलवे पटरी में बांधकर ट्रेन को छोड़ दिया. जानकारी के अनुसार, शनिवार को शाम करीब 4 बजे के आसपास यह मालगाड़ी बाढ़ रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी. मेन लाइन में प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर यह मालगाड़ी आकर लगी और उसके बाद ड्राइवर और गार्ड ने ट्रेन को इस तरह खड़ा किया और चले गए. जब रेलकर्मी से इस मामले को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से पटरी से मालगाड़ी में जंजीर लगाया गया. वहीं मेन लाइन पर मालगाड़ी के खड़े रहने से प्लेटफार्म नंबर दो पर आकर लगने वाली ट्रेनों का भी प्लेटफॉर्म बदला गया. दूसरे प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों को लाया गया.

पटना में दर्दनाक हादसा, ट्रेन से कटकर पति- पत्नी की मौत

खुसरूपुर(पटना), एजेंसी। पटना जिले के खुसरूपुर में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। खुसरूपुर में रविवार अहले सुबह ट्रेन से कटकर दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक पति-पत्नी थे। मृतकों में एक पुरुष एवं एक महिला शामिल है। शव रेल पटरी पर मिलने से सनसनी फैल गई है। बताया जाता है कि शव हरदासबीघा रेलवे स्टेशन से पूरब पोल संख्या 515 के पास अप लाइन पर पड़ा मिला। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि संभवतः किसी एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर दोनों की मौत हुई है। पुरुष की उम्र लगभग 30 वर्ष एवं महिला की उम्र लगभग 25 वर्ष बताया जा रहा है। दोनों की मौत किस परिस्थिति में हुई, पुलिस जांच में जुटी है। जीआरपी प्रभारी मनोज कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने दोनों मृतकों की पहचान कर ली है। मृतक की पहचान खुसरूपुर थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर निवासी बाल्मीकि साव एवं कुसुम देवी के रूप में हुई है। दोनों पति पत्नी थे।खुसरूपुर पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पटना के मिठाई दुकान में लगी भीषण आग को बुझाने में स्टाफ की मौत, दम घुटने और जलने से गयी जान

पटना, एजेंसी। पटना में कदमकुआं थाना क्षेत्र के लोहनीपुर स्थित बुद्ध मूर्ति के पास शार्ट सर्किट से अगलगी की बड़ी घटना हुई है. आग को बुझाने में दाऊजी स्वीट्स के एक कर्मी की मौत दम घुटने व जलने से हो गयी. मृतक कर्मी की पहचान मनीष कुमार के रूप में की गयी है.वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कदमकुआँ थाना की पुलिस और अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंच गयी. घंटों तक मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया गया. अगलगी की इस घटना में दाऊजी स्वीट्स दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गया. जबकि उसी बिल्डिंग के पहले तल्ले पर पीएनबी बैंक, बच्चे का साइकिल स्टोर, बैंक्रेट हॉल भी है. साइकिल स्टोर को भी इस अगलगी में लाखों का नुकसान हुआ है. बैंक को भी आंशिक नुकसान हुआ है. मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार की देर रात को करीब 1.30 बजे की है. बताया गया कि एक प्लाई बोर्ड लदा ट्रक रात को गुजर रहा था. इसी दौरान ट्रांसफार्मर से बिल्डिंग में गई तार से ट्रक टकरा गयी. ट्रक तार को तोड़ते हुए नाला रोड से गुजर गया. इसी दौरान तार टूटने से दुकान में शार्ट सर्किट हो गया और आग लग गयी. आग की लपटे देखकर आसपास के लोगों ने फौरन डायल 112 पर फ़ोन करके घटना की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची.

नवगछिया में गंगा का कटाव रोकने के कार्य पर खर्च होंगे 09 करोड़ 07 लाख

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले में नवगछिया की ओर से गंगा कटाव रोकने के लिए कार्य कराने की मंजूरी जल संसाधन विभाग ने दी है. इससे कई गांवों व टोलों को बचाया जा सकेगा. इस कार्य पर 09 करोड़ 07 लाख रुपये खर्च होंगे. रंगरा प्रखंड में झल्लूदास एवं ज्ञानीदास टोला गांव के कटावनिरोधी कार्य के क्षतिग्रस्त भाग का पुनर्स्थापन कार्य कराया जायेगा. वहीं, झल्लूदास, ज्ञानीदास टोला एवं फेरीघाट के सुरक्षार्थ कटावनिरोध कार्य होगा. इस पर 5.49 करोड़ खर्च आयेगा. खरीक प्रखंड में गंगा नदी के बायें किनारे महादेवपुर घाट के पुनर्स्थापन एवं सुरक्षात्मक कार्य भी होगा और इस पर 3.58 करोड़ खर्च आयेगा. यह काम बाढ़ नियंत्रण कार्य प्रमंडल, नवगछिया एजेंसी के माध्यम से करायेगा. कटाव निरोधक कार्य को पूरा करने के लिए बाढ़ नियंत्रण कार्य प्रमंडल, नवगछिया ने कार्य पूर्ण करने का डेडलाइन निर्धारित किया है. चयनित एजेंसी के लिए 15 मई तक काम पूरा करना अनिवार्य होगा.

गंगा कटाव रोकने के लिए बाढ़ नियंत्रण कार्य प्रमंडल, नवगछिया ने निविदा जारी की है. इसके तहत तकनीकी बिड खोलने की तिथि 06 मार्च निर्धारित की है. इससे पहले कोई भी एजेंसी 052 मार्च तक निविदा भर सकता है. तकनीकी बिड खोलने के बाद वित्तीय बिड खोलकर एजेंसी चयनित की जायेगी और वर्क ऑर्डर जारी करने के साथ-साथ काम शुरू हो जायेगा. बिहार पुलिस सप्ताह पर शनिवार को कृष्णानंद स्टेडियम में सुलतानगंज थाना पुलिस की ओर से यूनिटी थ्रू फुटबॉल मैच हुआ. केएफसी महेशी बनाम अरुण स्पोर्ट्स क्लब सुलतानगंज के बीच मैच हुआ. उद्घाटन थानाध्यक्ष विवेक कुमार जयसवाल ने किया. दोनों टीमों के रोमांचक मुकाबला हुआ. मैच के आखिरी समय में केएफसी महेशी टीम के खिलाड़ी अमरेंद्र कुमार ने पेनॉल्टी के क्रम अरुण स्पोर्ट्स क्लब सुलतानगंज टीम के विरुद्ध एक गोल कर मैच को अपने नाम कर लिया. मैच के अंत तक सुलतानगंज टीम के खिलाड़ियों ने गोल करने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली. मैंन आंफ द मैच महेशी टीम के खिलाड़ी सोनू कुमार को दिया गया. थानाध्यक्ष ने कहा कि आयोजन पुलिस-पब्लिक के बीच बेहतर संबंध होने का परिचायक है. मौके पर सुलतानगंज थानाध्यक्ष,सभापति राजकुमार गुड्डू, प्रमोद कुमार, प्रणव ठाकुर, संजय कुमार, प्रियंका कुमारी, दीपंकर जी, शिवम चौधरी, मुकेश कुमार सिंह, सन्नी चौधरी, मनीष यादव, मनीष गुप्ता, पंकज यादव, कुंदन फ़ौजी, सुभाष चौधरी, निरंजन सिंह, मो सिराज, सभी वार्ड पार्षद, शहर के जनप्रतिनिधि मौजूद थे.

प्रयागराज स्पेशल 37 घंटे तो महानंदा 20 घंटे लेट से पहुंची पटना जंक्शन, 10 जोड़ी ट्रेनों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

भागलपुर, एजेंसी। महाकुंभ मेले का समापन तीन दिन बाद 26 फरवरी को हो जाएगा. इसके कारण बिहार से प्रयागराज जाने वालों की भीड़ फिर एकबार बढ़ने लगी है. पटना जंक्शन समेत बिहार के तमाम छोटे-बड़े प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों का हुजूम जमा हो रहा है. प्रयागराज की तरफ जाने वाले ट्रेनें में चढ़ने की होड़ है. वहीं महाकुंभ श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण कई स्पेशल ट्रेनें चलायी गयी हैं. ट्रैक पर लोड बढ़ने के कारण ट्रेनों में लेटलतिफी जारी है. 37 घंटे लेट तक ट्रेन पटना पहुंच रही है.

पटना जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ लगातार जारी है. राजधानी एक्सप्रेस तक घंटों लेट चल रही है. करीब 10 जोड़ी ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही है. प्रयागराज जंक्शन से पटना आ रही स्पेशल ट्रेन (23320) 37 घंटे लेट से पहुंची. यह ट्रेन को गुरुवार को दोपहर 12.30 बजे प्रयागराज से खुली लेकिन यह ट्रेन शनिवार को रात में 10.18 बजे पटना जंक्शन पहुंची. सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस

भी शनिवार को 20 घंटे से अधिक देरी से पटना पहुंची. जबकि टुंडला से खुलने वाली आसनसोल महाकुंभ स्पेशल ट्रेन करीब 9 घंटे की देरी से खुली. कामख्या से खुलने वाली टूंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन के यात्री भी करीब पौने चार घंटे की देरी से पहुंचे.

दरअसल, रेलवे ने महाकुंभ श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कई महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें चलायी हैं. इन ट्रेनों के कारण ट्रैक पर लोड बढ़ा हुआ है. इसका असर नियमित चलने वाली ट्रेनों पर भी दिख रहा है. यात्री बताते हैं कि दिल्ली व अन्य रूट से आने वाली ट्रेनें प्रयागराज तक तो समय पर आती हैं लेकिन वहां से पटना आने में ट्रेनों को कई घंटे लेट होना पड़ता है. इधर, दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बीते दिनों हुई भगदड़ के बाद विक्रमशिला एक्सप्रेस की सेवा चरमराई हुई है. रेलवे ने इस ट्रेन को फिलहाल 23 फरवरी तक के लिए रद्द रखने का ऐलान किया है. वहीं ट्रेनों की लेटलतीफी और ट्रैक पर बढ़ते लोड को देखते हुए कई ट्रेनें घंटों देरी से नहीं खुली जबकि कई ट्रेनों को कैंसिल कर दिया गया.

जेल से निकलते ही एक दूसरे के लहू के प्यासे हुए दो अपराधी, गोलीबारी और मारपीट में दोनों घायल

पटना, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में अलीगंज अंतर्गत महेशपुर में दो गुटों के बीच हुई मारपीट व गोलीबारी में दो युवक घायल हो गये. घायल युवकों में नाटू यादव का पुत्र कारू यादव उर्फ रोहित यादव और अजय मंडल का पुत्र आकाश कुमार उर्फ पितिल कुमार है. कारू और आकाश दोनों हाल में ही जेल से बाहर आया है. दोनों घायल युवकों का आपराधिक इतिहास रहा है. दोनों ने एक दूसरे पर गोली चलाने का आरोप लगाया है. दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

इस हिंसक झड़प में कारू यादव को बांह में जख्म है तो आकाश का चेहरा बुरी तरह से चोटिल है. घटना के तुरंत बाद दोनों के परिजन दोनों को लेकर अस्पताल पहुंचे और साथ ही पुलिस भी पहुंची. मालूम हो कि दोनों युवकों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. दोनों पक्षों की ओर से दावा किया गया है कि उसे गोली लगी है. जबकि जेएलएनएमसीएच के चिकित्सकों की सलाह पर दोनों को आपातकालीन वार्ड में भर्ती कर दिया गया है. आकाश अचेत था.

आकाश की मां रूबी देवी ने बताया कि उसके पुत्र को घर से बुला कर उसके साथ मारपीट की गयी और उसे गोली मारी गयी जिससे उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के कारणों के बारे में रूबी देवी ने अनभिज्ञता प्रकट की.

इधर, कारू यादव ने बताया कि वह अपने घर पर था. उसी वक्त आकाश, उसका भाई सोनी मौके पर पहुंचा और बोला चलो दारू पीते हैं. कारू ने बताया कि उसने दोनों से कहा कि वह अब दारू नहीं पीता है. इसलिए वह किसी भी सूरत में नहीं जाएगा. इसके बाद वहां पर दोनों के पिता अजय मंडल भी वहां आ गये और तीनों मिल कर उसके साथ मारपीट करने लगे. इसी क्रम में उसके ऊपर गोली चलायी गयी जो उसकी बांह में लग गयी है. कारू यादव ने बताया कि आकाश, उसका भाई और उसका पिता उसे षड्यंत्र कर मारना चाह रहे थे, लेकिन वह बाल-बाल बच गया.

बिहार में पूरी तरह से एक्टिव हुई कांग्रेस, कार्यकर्ताओं को 50 सीट जीतने का दे दिया टास्क

पटना, एजेंसी। बिहार कांग्रेस पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गई है। पार्टी ने इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी है। लगातार एक सप्ताह के मंथन के बाद पार्टी ने चुनावी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के बाद शनिवार से अभियान शुरू किया। इसके तहत कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चंपारण पहुंच गए हैं, जहां से वे चुनावी अभियान प्रारंभ करेंगे।

दूसरी ओर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा चुनावी अभियान के क्रम में वैशाली में हैं। इनके अलावा कांग्रेस के प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम एक सप्ताह के दौरे

पर अररिया, पूर्णिया और बेगूसराय के लिए निकल चुके हैं। आज से नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू भी इसमें शामिल हो जाएंगे। चुनावी अभियान के लिए चंपारण रवाना होने के पूर्व डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य डबल इंजन की सरकार का सफाया करना है। हमने 50 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य आसान नहीं है, मगर नामुमकिन भी नहीं। चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में चौकाने वाले परिणाम आएंगे। उन्होंने कहा कि पहले चरण के कार्यक्रम के साथ ही पार्टी अगले दौर के कार्यक्रम की रूपरेखा को युद्ध स्तर पर अंतिम रूप देने में जुटी है। इंटरनेट मीडिया और विजुअल मीडिया के जरिये भी पार्टी के कार्यक्रम और विचारधारा के प्रचार-प्रसार की रणनीति पर काम प्रारंभ कर दिया गया है। वार रूम के पुनर्गठन का काम भी तेजी से चल रहा है। वहीं, दूसरी ओर पार्टी के नवनियुक्त बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारू भी एक्शन में आने वाले हैं। पार्टी ने उनके जिला भ्रमण का कार्यक्रम तय कर दिया है। अल्लावारू का बिहार दौरा आज से शुरू हो रहा है। वे प्रदेश अध्यक्ष के साथ मिलकर विभिन्न जिलों में जाएंगे। यात्रा के पहले दिन वे पटना महानगर, पटना ग्रामीण कांग्रेस-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले वर्तमान एवं पूर्व के सभी जन प्रतिनिधि के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट, प्रत्याशीगण, प्रखंड अध्यक्ष के साथ मैराथन मीटिंग करेंगे।

बिहार के जिलों में मौसम रहेगा खराब, तेज बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के मौसम में एक बार फिर से बदलाव होने के आसार हैं। इस दौरान लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है। खासकर किसानों के लिए अलर्ट जारी किया है। किसानों को खुले में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव जारी है। पटना समेत आसपास इलाकों में दिन में धूप के साथ हवा में आर्द्रता बढ़ने से उमस जैसी स्थिति बनी रही। शनिवार को कुछ स्थानों पर हल्की बूंदा-बांदी भी हुई।

प्रदेश के कुछ जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। पटना सहित अन्य भागों में सुबह के समय हल्के कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार पूर्णिया, कटिहार जिले के कुछ भागों में अगले एक घंटे से तीन घंटे के बीच हल्के से मध्यम मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ बारिश होने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। वहीं, भागलपुर, मुंगेर जिले के भी कुछ हिस्सों में हल्की से

भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान किसान खेतों में जाने से बचें।

पटना समेत शेष जिलों का मौसम शुष्क बना रहेगा। 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

मौसम में तेजी से बदलाव शुरू हो गया है। मुजफ्फपुर जिले में फरवरी के आखिरी सप्ताह में ही तापमान बढ़कर करीब 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। गर्मी की धमक शुरू हो चुकी है।

शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पिछले दो दिनों से लोग कंबल का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। वहीं भोर में हल्की ठंड की अनुभूति हो रही है।

आने वाले तीन से चार दिनों में लगातार तापमान में परिवर्तन दिखाई देगा। इस दौरान आसमान में हल्के बादल छाएंगे, कही मौसम शुष्क तो कहीं बारिश की संभावना रहेगी। इस अवधि में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी।

इस दौरान अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 15-19 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रह सकता है। पूर्वानुमानित अवधि में औसतन दो से तीन किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चलेगी। उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है।

नशा मुक्ति को लेकर निकाली गयी जागरूकता रैली

भागलपुर, एजेंसी। बिहार पुलिस सप्ताह 2025 के अंतर्गत पुलिस जिला नवगछिया के तत्वावधान में नवगछिया आदर्श थाना के थानाध्यक्ष रवि शंकर सिंह के नेतृत्व में बाल भारती पोस्ट ऑफिस रोड से नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली गयी. थाना प्रभारी रवि शंकर सिंह, बाल भारती प्रबंधन समिति के सचिव अभय प्रकाश मुनका, प्राचार्य कौशल किशोर जायसवाल, प्रशासक डीपी सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा विद्यालय से रैली को प्रस्थान कराया. रैली विद्यालय से महाराज जी चौक, वैशाली होटल चौक होते नवगछिया रेलवे स्टेशन व स्टेशन से हरिया पट्टी होते विद्यालय पहुंची. रैली में विद्यालय के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. रैली का उद्देश्य समाज को नशा से होने वाली बुराइयां और उसके दुष्परिणाम से जागरूक करना था. जन-जन ने यह ठाना है, नशे को दूर भगाना है और कई स्लोगन बच्चे लगाते जा रहे थे. लायंस क्लब ऑफ नवगछिया टाउन के सौजन्य से रास्ते में रैली में शामिल सभी छात्र-छात्राओं व उपस्थित लोगों को फ्रूटी दी गयी. स्टेशन चौक व महाराज जी चौक पर विद्यालय के छात्र सोमू राज, सत्यम कुमार, छात्रा नंदनी कुमारी, छात्र गौरव कुमार

उत्कर्ष कुमार और अशफाक आलम ने एक शानदार नुक्कड़ नाटक से नशा से होने वाली बीमारियां व इसके बुरे परिणामों को शानदार ढंग से प्रस्तुत किया. मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह लायंस क्लब के जिला को-आर्डिनेटर पवन कुमार सर्राफ, अजय कुमार रुंगटा, अभय प्रकाश मुनका, प्रवीण कुमार केजरीवाल, विनोद चिरानिया, कमलेश अग्रवाल, जयशंकर मंडल, डॉ मुकेश, सुरेंद्र कुमार चौधरी, कालीचरण मिश्रा, अवधेश पोद्दार, अमरजीत कुमार, अंकिता, रमन, पूजा मिश्रा उपस्थित थी. सन्हौला सनोखर थाना क्षेत्र सनोखर बाजार में नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मामले में सनोखर थाना पुलिस ने मृतक की मां के

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

जालसाजी: बसपा नेता ने ट्रेडिंग में लगाए थे रुपये, 40.41 लाख की ठगी- लड़ चुके हैं मेयर का चुनाव

गोरखपुर एजेंसी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जालसाजों के बिछाए जाल में बसपा नेता नवल किशोर नथानी फंस गए और ट्रेडिंग के चक्कर में 40.41 लाख रुपये गंवा दिए। बसपा नेता ने साइबर थाने में अज्ञात पर केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाली इलाके के पुर्दिलपुर निवासी व्यापारी नवल किशोर नथानी गोरखपुर से बसपा के टिकट पर मेयर का चुनाव लड़ चुके हैं। बसपा नेता ने बृहस्पतिवार को तहरीर देकर बताया कि व्हाट्सएप पर अभिषेक कुमार एके कैपिटल का मैसेज आया।

वह उनसे शेयर मार्केट के लाभ से संबंधित चैटिंग करने लगा। फिर उसने एक व्हाट्सएप ग्रुप का लिंक भेजा, जिसमें उनके एक परिचित भी जुड़े थे। उसने उन्हें भी ग्रुप से जुड़ने के लिए कहा। वह ग्रुप में जुड़ गए तो उनका यूके इंडिया फास्ट ट्रेडिंग नाम का अकाउंट खोला गया। बसपा नेता ने बताया कि फिर एक लिंक भेजकर उनसे स्टॉक मार्केट का एक एप डाउनलोड कराया गया। शेयर खरीदने के लिए रुपये भेजने के लिए एक खाता नंबर भी दिया गया। इसमें 20 दिसंबर से लगायत 14 फरवरी तक 11 बार में 40 लाख 41 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद खाते में ग्रोथ दिखने पर जब रुपये निकालने लगा तो 27 लाख की मांग की गई। इसके बाद ठगी का अहसास हुआ।

पारा 3.2 डिग्री गिरा चलेगी पछुआ, पांच दिनों तक बने रहेंगे बादला

कानपुर एजेंसी। कानपुर में हवाओं के रुख और बादलों की वजह से धूप की तेज कम रही। इससे शनिवार को अधिकतम तापमान 24 घंटे में 3.2 डिग्री नीचे आ गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार को तेज धूप निकल सकती है। इसके साथ ही सोमवार से पछुआ फिर चलने लगेगी। साथ ही, बादलों की आवाजाही तेज होगी। इससे दिन और रात दोनों के तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा। किसानों को खेतों में नमी बनाए रखने की सलाह दी गई है। सीएसए के मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले पांच दिनों में बादल बने रहेंगे। बारिश की संभावना नहीं है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने किसानों को सलाह दी है कि खड़ी फसलों में किसान जरूरत के लिहाज से हल्की सिंचाई करके खेतों में नमी बनाए रखें। सोमवार से पछुआ का आना जारी रहेगा। इससे सुबह और रात को माहौल में हल्की ठंडक रहेगी।

हांगकांग के बैंक खाते में डलवाए 14 लाख, ऐसे हुई ठगने की कोशिश

अलीगढ़। देश दुनिया में विख्यात महानगर की हिक्स थर्मामीटर व डिजिटल बीपी मापक मशीन निर्माता कंपनी संग हांगकांग से साइबर ठगी की कोशिश हुई। हालांकि, कंपनी के एमडी ने स्पूफ मेल की सूचना के चलते खुद की परिचित व्यापारिक फर्म के नाम पर दूसरे खाते में 14 लाख रुपये डाल दिए। कुछ ही देर में सच पता चला तो साइबर थाने में शिकायत हुई। 22 फरवरी को साइबर टीम ने रकम वापस कराई। एसएचओ साइबर थाना सुरेंद्र सिंह के अनुसार ये घटनाक्रम 20 दिसंबर का है। हिक्स थर्मामीटर व अन्य उत्पाद निर्माता फर्म के एमडी सिद्धार्थ गुप्ता को सुबह एक मेल उनकी चीन की व्यापारिक परिचित फर्म जेनेटल प्राइवेट लिमिटेड से हू-ब-हू मिलता जुलता मिला।

महाकुंभ में बनेंगे तीन विश्व रिकॉर्ड, अपने ही पुराने रिकॉर्ड तोड़ेगा मेला प्रशासन

महाकुंभ नगर (प्रयागराज) , एजेंसी। महाकुंभ नगर में सोमवार और मंगलवार को तीन नए विश्व कीर्तिमान बनेंगे। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। संबंधित विभागों को जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित अन्य तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों की मौजूदगी में कीर्तिमान बनाए जाएंगे। मेला प्रशासन ने महाकुंभ में चार नए विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना बनाई है। जिनमें से एक नदी स्वच्छता का रिकॉर्ड 14 फरवरी को बन चुका है।

इसमें 300 से अधिक स्वच्छताकर्मियों ने तीन अलग-अलग घाटों पर नदी की सफाई करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। हालांकि, भीड़ को देखते हुए तीन अन्य रिकॉर्ड बनाने की योजना आगे बढ़ा दी गई। सोमवार से मंगलवार के बीच तीनों रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। खास बात यह है कि मेला प्रशासन कुंभ-2019 में बनाए हुए अपने ही तीनों रिकॉर्ड को तोड़ेगा। सोमवार को 15 हजार सफाई कर्मचारी एक साथ झाड़ू लगाकर स्वच्छता का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे। इसके लिए अरैल में हेलीपैड मार्ग, परेड में लाल सड़क, झूंसी की तरफ अखाड़ा मार्ग आदि स्थानों को चुना गया है। इसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है। इससे पहले मेला प्रशासन की ओर से ही कुंभ-2019 में 10 हजार सफाईकर्मियों के साथ स्वच्छता का रिकॉर्ड बनाया गया था। 25 फरवरी (मंगलवार) को दो विश्व रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। पहले में 10 हजार लोगों के हैंड प्रिंट लिए जाएंगे। इसके लिए गंगा पंडाल व अन्य प्रमुख स्थलों पर कैनवास रखे जाएंगे। मेला प्रशासन ने कुंभ-2019 में 7,500 लोगों के हैंड प्रिंट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही एक साथ 550 से अधिक शटल बसों के संचालन का रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

यह जिम्मेदारी परिवहन विभाग को दी गई है। मेला प्रशासन की ओर से कुंभ-2019 में 500 बसों के संचालन का रिकॉर्ड बनाया गया था। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि तीनों रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयारी की जा रही है। इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड व अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

गहनों से भरा बैग गायब...महिला ने मचा दिया शोर, लूट की सूचना पर दौड़ी पुलिस

आगरा , एजेंसी। फिरोजाबाद से शनिवार शाम एत्मादपुर आई महिला का गहनों से भरा बैग ऑटो में छूट गया। किसी ने पुलिस को लूट की सूचना दे दी। इस पर फोर्स पहुंच गई। पुलिस ऑटो चालक की तलाश में लगी है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में ऑटो आ गया है। नगला गिरवर, एत्मादपुर निवासी सत्येंद्र की पत्नी शालू का मायका शिकोहाबाद के आरोंज गढ़िया में है। वह बुआ के बेटे की शादी में मायके गई थीं। शनिवार शाम को लौट रही थीं। उनके साथ छह साल की बेटी और एक साल का बेटा भी था। तहसील चौराहे पर उतरने के बाद ऑटो चालक को रुपये दिए। अपने दो बैग और थैला उतारा। मगर, गहने और रुपयों से भरा बैग नहीं उतार सकीं। अचानक ऑटो लेकर चालक भाग गया। शालू ने शोर मचाया। इस पर लोग जुट गए।

मगर, ऑटो को नहीं पकड़ा जा सका। पुलिस को लूट की सूचना मिली। इस पर फोर्स पहुंच गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए। मगर, मामला बैग ऑटो में छूटने का निकला। थाना प्रभारी का कहना है कि ऑटो चालक की तलाश की जा रही है। महिला ने बैग में सात से आठ लाख रुपये गहने होने के बारे में बताया है।

सामूहिक विवाह में विवाहित ने युवती संग लिए फेरे

● तीन बच्चे और पत्नी मौजूद... खुलासा हुआ तो उपहार लिया वापस

अमरोहा , एजेंसी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के आयोजन में फर्जीवाड़ा सामने आया है। गजरौला में आयोजित कार्यक्रम में पत्नी के जीवित रहते शादीशुदा व्यक्ति के साथ युवती के फेरे करा दिए। मामला उजागर होने पर सीडीओ ने प्रकरण की जांच कराई। मामला सही पाए जाने पर सत्यापन करने वाली सचिव के निलंबन की संस्तुति की गई है। इस फजीवाड़े में शामिल युवती और शादीशुदा व्यक्ति कपिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। वहीं, शादी के दौरान वर-वधू के रूप में दिए गए उपहार को वापस ले लिया गया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के आयोजन में फर्जीवाड़े का ताजा मामला गजरौला का है। यहां दूल्हा नहीं पहुंचा तो एक युवती की शादी शादीशुदा तीन बच्चों के पिता के साथ करा दी गई। योजना का लाभ लेने के लिए क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान ने अपनी बेटी की शादी के लिए आवेदन किया था। शनिवार को योजना के तहत उसकी विवाह की रस्में भी पूरा करा दी गईं। कार्यक्रम में युवती की शादी सलेमपुर गांव निवासी कपिल के साथ करा दी गई, जबकि कपिल पहले से शादीशुदा है और परिवार में पत्नी व तीन बच्चे भी हैं।

शादी की रस्म अदायगी पूरी होने के बाद किसी ने मामले की शिकायत सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा से कर दी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने तत्काल जांच कराई। जिसमें शिकायत सही पाई गई। सीडीओ ने बताया कि युवती की शादी जिस लड़के से होनी थी, वह नहीं पहुंचा। इसके बाद उसके परिजनों ने कपिल को बैठाते हुए जानबूझकर विवाह करा दिया।

उन्होंने बताया कि युवती के बयान दर्ज करते हुए फर्जीवाड़े में शामिल आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। साथ ही सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने वाली पंचायत सचिव पल्लवी भी कार्रवाई के दायरे में आ गई हैं। मूलरूप से आगरा में तैनात पंचायत सचिव अमरोहा में संबद्ध हैं। इसलिए निलंबन की कार्रवाई की संस्तुति करते हुए डीडीओ आगरा को पत्र लिखा गया है।

परिजनों की सहमति से हुए फेरे

विभागीय जांच के अनुसार युवती ने परिजनों की सहमति से ही शादीशुदा युवक के साथ फेरे लिए। युवती व परिजनों के अनुसार लड़के की तबीयत खराब होने के चलते वह नहीं आ सका। जिसके बाद योजना का अनुचित तरीके से लाभ लेने के लिए परिजनों ने कपिल को बैठा दिया, लेकिन शिकायत के बाद सारी पोल खुलने से परिजनों के मंसूबे नाकाम हो गए।

मैं बात करना नहीं चाहती...
शोहदे ने रची खौफनाक साजिश, सड़क पर छात्रा को किया लहूलुहान

आगरा , एजेंसी। आगरा के एत्मादपुर में बीए की छात्रा को लहूलुहान करने के आरोपी युवक को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी ने बताया कि पूछताछ में उसने बताया कि घटना से कुछ देर पहले छात्रा को उसने फोन किया था। वह उसे भला-बुरा कहने लगी। उसे यह बात खराब लगी। इस पर वह पेपर कटर लेकर आया और छात्रा की गर्दन पर प्रहार कर दिए। एत्मादपुर क्षेत्र की छात्रा बीए तृतीय वर्ष में पढ़ती है। शुक्रवार दोपहर को वो कॉलेज से घर लौट रही थी। रास्ते में मोहल्ले के अतुल ने रोक लिया था। छेड़छाड़ के विरोध पर गर्दन पर धारदार हथियार से प्रहार कर घायल किया। छात्रा ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी दी थी। परिजन ने

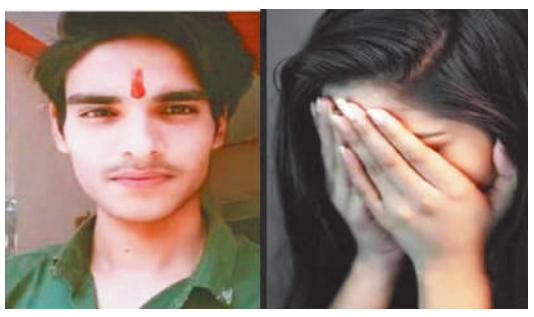

उसे अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। एसीपी पियूष कांत राय ने बताया कि शनिवार को आरोपी अतुल को कस्बा के रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ में आरोपी ने वारदात कबूल की। हमले की घटना से छात्रा दहशत में है। वहीं परिवार के लोग पहले उनका इलाज करा रहे हैं। उन्होंने पुलिस से अभी कोई बात नहीं की है। एसीपी ने बताया कि छात्रा के ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद बयान दर्ज किए जाएंगे। आरोपी पर सख्त कार्रवाई होगी। वह काफी समय से पीड़िता को परेशान कर रहा था।

कानपुर में फांसी पर लटक गया आर्थिक तंगी से परेशान मूकबधिर मजदूर

सुनील बाजपेई

कानपुर। लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ आर्थिक तंगी की समस्या ने एक मूकबधिर युवक को फांसी पर लटक जाने के लिए मजबूर कर दिया। वह बड़ी मुश्किल से मेहनत मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहा था। उसका शव नीम के पेड़ से लटका मिला,जिस पर उसके परिवार में कोहरा मचा हुआ है। फिलहाल लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

यह घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर में हुई। यहां स्थित श्री राधे कृष्ण मुन्नी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के मेन गेट के पास के नीम के पेड़ पर गमछे के सहारे 30 वर्षीय युवक ने शव फंदे से लटका मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि उसकी शिनाख्त महोली ग्राम निवासी रामबाबू पासवान के मंझिले बेटे गूंगा उर्फ अंशु के रूप में हुई। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई।

परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। घर पर दो भाई आशू व अंकुर और बहन छोटी है। मृतक मूकबधिर था और मेहनत-मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

संभल में 87 देव तीर्थों की खोज और सौंदर्यीकरण जारी, डीएम बोले- तीर्थ स्थल के रूप में विकसित होगा शहर

संभल , एजेंसी। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि संभल माहात्म्य के अनुसार, शहर के तीन कोनों पर तीन प्रमुख शिव मंदिर स्थित हैं। इनके बीच 87 देव तीर्थ और 5 महातीर्थ हैं। अब तक 60 देव तीर्थों की

पहचान हो चुकी है। 44 तीर्थों से अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

डीएम पेंसिया ने कहा कि वंदन योजना, नगर परिषद के 15वें वित्त आयोग और पर्यटन एवं धार्मिक विभाग के बजट से इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। इसके लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी जा रही है। इसके अलावा जिले में पुराने कुओं को भी पुनर्जीवित करने की योजना बनाई गई है, ताकि मानसून से पहले जल संरक्षण किया जा सके।

डीएम ने कहा कि हमारे तीर्थ स्थल जल तीर्थ कहलाते थे, इसलिए इन्हें पुनर्जीवित करना आवश्यक है। जब 48 किलोमीटर लंबी 24 कोसी परिक्रमा पूरी होगी और सभी तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण हो जाएगा, तब संभल एक प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा। प्रशासन इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

एक्सीडेंटल जोन मिर्जामुराद: तीन दिन में लगातार 5 सड़क हादसे, छह लोगों की मौत; 4 बच्चों समेत 37 लोग घायल

वाराणसी , एजेंसी। रूपापुर गांव के समीप नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की आधी रात कार और मैजिक में टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार झारखंड के कोडरमा के दूधीमाटी निवासी संतोष शर्मा, मंजू देवी, श्वेता शर्मा, अंजली शर्मा व खुशबू कुमारी घायल हो गई। इसी तरह से मैजिक सवार चौबेपुर थाना क्षेत्र के राजपुर कमौली के चालक संतोष कुमार राय, राज राय, सचिन, सोनम, माला, सानिया, आदर्श, सीमा, पांचू राय, अर्जुन, अमित व शुभम घायल हुए हैं। वहीं, शनिवार की सुबह कछवा रोड से वाराणसी की तरफ जा रही स्कूटी सवार छतेरी की सोनी देवी एक कार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर, डंगहरिया गांव के समीप नेशनल हाईवे पर वाराणसी से प्रयागराज जाते समय एक कार को उसी दिशा में जा रही दूसरी कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला और चार बच्चे गंभीर रूप से घायल गए। बाबतपुर बाजार के समीप पांच फरवरी की रात सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

अगले 3 दिन महत्वपूर्ण, अफसरों ने संभाली कमान, एडीजी और मंडलायुक्तों को भी अहम जिम्मेदारी

महाकुंभ नगर (प्रयागराज) , एजेंसी। महाकुंभ आयोजन के आखिरी दिनों में मेला एवं जिला प्रशासन की चुनौती बढ़ गई है। शनिवार को हर तरफ से स्नानार्थियों का रेला आया। महाशिवरात्रि तक यह सिलसिला और तेज होने की उम्मीद है। इसे देखते हुए अफसरों ने कमान संभाल ली है और शनिवार को हर प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। उम्मीद से कहीं अधिक वाहन तथा श्रद्धालुओं के आने के कारण प्रयागराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में जाम की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे में एडीजी जोन भानु भाष्कर एवं मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक एवं पुलिस के अफसरों के साथ लगातार संपर्क में हैं। डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ का कहना है कि आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि के पहले संगम में स्नान की इच्छा से प्रतिदिन करोड़ों की संख्या में लोग आ रहे हैं। वीकएंड एवं प्रमुख स्नान पर्व के पूर्व के दिनों में जुटने वाली अपार भीड़ के कुशल प्रबंधन के लिए पूरी तैयारी है।

रेलवे, ट्रैफिक डायवर्जन, पार्किंग समेत विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए विधिवत प्लान तैयार कर धरातल पर उतारा जा रहा है। इसे समुचित तरीके से लागू करने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इस बात को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों ने सक्रियता बढ़ा दी है। डीएम ने बताया कि श्रद्धालुओं से भी व्यवस्था की बाबत फीडबैक लिए जा रहे हैं। ताकि, योजनाएं लागू करने में मदद मिले।

ट्रैफिक दुरुस्त रखने का जिम्मा एक एडीजी, पांच आईजी पर

महाशिवरात्रि पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए एक एडीजी व पांच आईजी स्तर के अधिकारियों को मैदान में उतारा गया है। यह अफसर प्रयागराज की ओर आने वाले सात अलग-अलग मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे। सतत निगरानी कर सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी दशा में श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी तरह की दिक्कत न हो।

कुछ समय पहले तक प्रयागराज रेंज में तैनात रहे 2004 बैच के आईपीएस चंद्रप्रकाश को प्रयागराज-वाराणसी मार्ग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह डीजीपी मुख्यालय से अटैच आईजी प्रीतिंदर सिंह को प्रयागराज-रीवा राजमार्ग की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए निर्देशित किया गया है। 2003 बैच के आईपीएस आईजी राजेश मोदक को शहर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए तैनात किया गया है।

वह अभी आईजी सीबीसीआईडी के पद पर तैनात हैं। इसी तरह आईजी विजिलेंस व 2005 बैच की आईपीएस मंजिल सैनी लखनऊ व अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग की यातायात व्यवस्था को देखेंगी। यह सभी आईजी स्तर के अधिकारी हैं। इसी तरह एडीजी सुजीत पांडेय को प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग की यातायात व्यवस्था संभालने के लिए भेजा गया है।

सीएम खुद रख रहे निगरानी

स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं सभी का अनुभव अच्छा रहे इसके लिए खुद सीएम योगी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। ऐसे में, पड़ोसी जिलों के साथ समन्वय व तालमेल स्थापित किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि कहीं पर भी डायवर्जन को लागू करने के लिए डीएम, एसपी से भी लगातार संवाद बना हुआ है।

सरकारी कार्यालयों व भवनों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने का आदेश जारी, 31 मार्च तक दिया गया समय

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों एवं भवनों में स्मार्ट मीटर लगाने का आदेश जारी कर दिया गया है। अभी तक मौखिक आदेश के तहत मीटर लगाए जा रहे थे। पावर कॉर्पोरेशन का दावा है कि अब तक करीब 2000 से अधिक भावनाओं में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य को 31 मार्च तक पूरा किया जाना है। अभी तक इस मामले में जारी कार्य की प्रगति काफी धीमे हैं। ऐसे में सरकारी कार्यालयों व भवनों में स्मार्ट मीटर लगाने के काम को तय समय सीमा में पूरा करने का आदेश जारी किया गया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

मेलोनी ने दुनिया के लेफ्ट लीडर्स को पाखंडी बताया, इटली PM बोलीं- ये मोदी-ट्रम्प और मुझ पर कीचड़ उछालते हैं

वॉशिंगटन। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने पूरी दुनिया के लेफ्टिस्ट लीडर्स को पाखंडी बताया है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में मोदी, ट्रम्प और मेरे जैसे दक्षिणपंथी नेताओं के उभरने से सारे लेफ्टिस्ट नेता परेशान हो गए हैं। मेलोनी ने कहा जब 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने ग्लोबल लेफ्टिस्ट नेटवर्क बनाया था, तब उन्हें बहुत बड़ा नेता कहा गया। लेकिन जब आज ट्रम्प, मेलोनी, मिलेई और यहां तक कि मोदी बात करते हैं, तो वे इसे लोकतंत्र को खतरा बताते हैं। मेलोनी ने कहा कि ये लेफ्ट का डबल-स्टैंडर्ड है और हमें इसकी आदत पड़ गई है। अच्छी बात ये है कि अब लोगों को भी इनके झूठ पर भरोसा नहीं रह गया है। वो हम पर कितना भी कीचड़ उछालें, लोग हमें वोट देते रहते हैं। मेलोनी अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (CPAC) में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ी थीं। यहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की तारीफ की। उन्होंने ट्रम्प को मजबूत नेता बताया। उन्होंने कहा कि लेफ्ट नेता राइट विंग लीडर्स के आगे बढ़ने से हताश हैं। खासतौर से तब से जब से ट्रम्प व्हाइट हाउस लौटे हैं। ट्रम्प के जीतने से लेफ्ट घबराया हुआ है। इस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने लगातार पांचवे दिन भारत में अमेरिका से दी जा रही चुनावी फंडिंग पर बात की। ट्रम्प ने कहा, 'भारत में चुनावों में मदद के लिए फंडिंग क्यों? क्यों न हम पुरानी पेपर बैलट प्रणाली पर लौट जाएं और उन्हें हमारे चुनावों में मदद करने दें?... उन्हें पैसे की जरूरत नहीं है।'

इजराइली बंधक ने हमास लड़ाकों का माथा चूमा, हमास ने आज 6 बंधक रिहा किए

गाजा। हमास ने सीजफायर डील के तहत आज इजराइल के 6 बंधकों को रिहा कर दिया। इनमें एक बंधक ओमर शेम तोव ने रिहाई के वक्त हमास के दो लड़ाकों का माथा चूमा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। ये बंधक रेड क्रॉस की मदद से इजराइल पहुंच गए हैं। हमास ने जिन बंधकों को रिहा किया उनके नाम एलिया कोहेन, ओमर शेम तोव, ताल शोहम, ओमर वेनकर्ट, हिशाम अल-सईद और एवेरा मेंगिस्टो हैं। इजराइल इनके बदले में 620 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। आज होने वाली रिहाई पहले चरण की अंतिम रिहाई है। इससे पहले हमास ने गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव सौंपे थे। हमास का कहना था कि इन शव में से दो शव एरियल बिबास और केफिर बिबास, तीसरा शव इनकी मां शिरी बिबास और चौथा शव 83 साल के ओडेड लिफिशट्ज का है। हालांकि इजराइल ने फोरेंसिक जांच के बाद दावा किया की उन्हें जो शव सौंपा गया है वो शिरी बिबास का नहीं है। जिस वक्त केफिर और एरियल को बंधक बनाया गया उनकी उम्र क्रमशः 9 महीने और 4 साल का थी। एरियल हमास की कैद में सबसे कम उम्र का कैदी थी। हालांकि आज हमास ने शिरी बिबास का शव भी सौंप दिया।

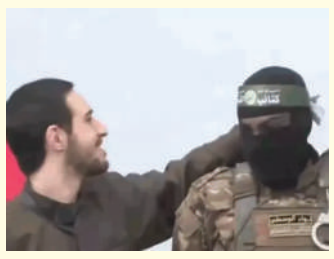

थरूर बोले-कोई अज्ञानता में खुश हो तो बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता

नई दिल्ली। केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की तारीफ के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के बीच अनबन बढ़ गई है। इस बीच थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट करते हुए लिखा बुद्धिमान होना कभी-कभी मूर्खता कहलाती है। थरूर ने अंग्रेजी कवि थॉमस ग्रे की कविता 'ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज' का एक कोट शेयर किया था। इसमें लिखा था- 'जहां लोगों को अज्ञानता में खुशी मिलती है, वहां बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता है।' शशि थरूर ने 18 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे संसद में महत्वपूर्ण बहसों में बोलने का मौका नहीं मिलता।पार्टी में मुझे इग्नोर किया जा रहा है।' थरूर ने कहा, 'मैं पार्टी में अपनी स्थिति को लेकर असमंजस में हैं। चाहता हूं कि राहुल गांधी मुझे मेरी भूमिका के बारे में स्पष्ट रूप से बताएं।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राहुल गांधी ने शशि थरूर की शिकायतों का कोई खास जवाब नहीं दिया। थरूर को यह महसूस हुआ कि राहुल इस मामले में कुछ भी करने को तैयार नहीं थे।

भारत में अमेरिकी फंड से 7 प्रोजेक्ट चल रहे, वोटर टर्नआउट शामिल नहीं, वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों के बीच नए तथ्य सामने आए हैं। जहां ट्रम्प भारत में वोटर टर्नआउट के नाम पर 182 करोड़ रुपए देने के बयानों को दोहरा रहे हैं, वहीं भारत में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID) से अभी 7 प्रोजेक्ट के लिए 840 करोड़ रुपए मिल रहे हैं लेकिन इसमें वोटर टर्नआउट के नाम पर किसी प्रोजेक्ट में फंड नहीं मिल रहा है। विदेशी सहायता पर नजर रखने वाले वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की ताजा वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 में ये खुलासा हुआ है। इस बीच वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार 2008 के बाद से भारत को यूएसऐड से चुनाव संबंधी किसी मदद का रिकॉर्ड नहीं है। ट्रम्प ने चार दिन में चौथी बार अमेरिकी फंडिंग का सवाल उठाया ट्रम्प ने पिछले चार दिनों में चौथी बार भारत चुनाव में अमेरिकी फंडिंग पर सवाल उठाया है। इस बार उन्होंने कहा कि मेरे दोस्त मोदी को 182 करोड़ रुपए भेजे गए हैं। ये दूसरी बार है जब ट्रम्प ने इस मामले में मोदी का नाम लिया है। ट्रम्प ने 21 फरवरी को कहा था कि ये फंड भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए दिए गए। और हमारा क्या? हमें भी अमेरिका में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए पैसा चाहिए। इसके अलावा ट्रम्प ने बांग्लादेश में भेजे गए 250 करोड़ रुपए का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक माहौल को मजबूत करने के लिए ये फंड एक ऐसी संस्था को भेजा गया, जिसका नाम भी किसी ने नहीं सुना।

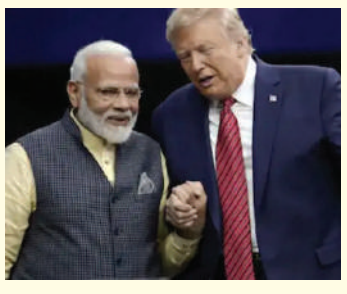

केंद्र सरकार एडवोकेट बिल में बदलाव को तैयार

नई दिल्ली। एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 को लेकर देशभर में वकीलों के विरोध के बाद केंद्र सरकार ने बिल में बदलाव करने का फैसला किया है। कानून मंत्रालय ने शनिवार (22 फरवरी) को बयान जारी कर कहा- सरकार ने वकीलों की आपत्तियों के मद्देनजर बिल में बदलाव का फैसला लिया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आश्वासन दिया कि बिल को अंतिम रूप देने से पहले सरकार सभी मुद्दों की अच्छी तरह से जांच करेगी और जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा कोई प्रावधान नहीं करेगी जिससे कानूनी पेशे की आजादी और गरिमा कमजोर हो। केंद्र सरकार कानून में सुधार के लिए बिल ला रही केंद्र सरकार 1961 के एडवोकेट एक्ट में बदलाव करने के लिए अमेंडमेंट बिल लाने की तैयारी में है। लोगों के सुझाव के लिए बिल का फाइनल ड्राफ्ट सामने आने पर देशभर के वकील बिल के विरोध में आ गए थे। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) समेत देश के अधिकांश बार काउंसिल ने केंद्र सरकार से बिल वापस लेने की मांग की थी। ऐसा न करने पर देशभर में हड़ताल की बात कही थी।

ट्रम्प बोले- हम यूक्रेन से अपना पैसा वापस लेंगे

एजेंसी, वॉशिंगटन

● रूस के खिलाफ जंग में जितनी मदद की, उसके बदले दुलर्भ खनिज और तेल मिले

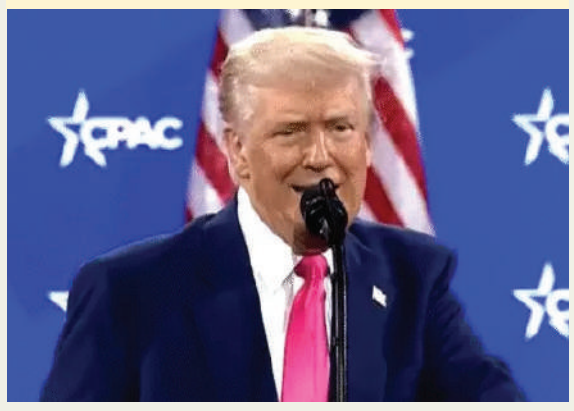

रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने से दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगा है। ट्रम्प ने शनिवार को कहा, 'मैं सिर्फ पैसा या उसके बदले कुछ सिक्योरिटी पाने की कोशिश कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि हमारी पैसों की मदद के बदले वे लोग हमें कुछ दें। हम रेअर अर्थ मिनरल और तेल मांग रहे हैं। इसमें से जो भी वे हमें दे सकें। ट्रम्प ने दावा किया कि हम अपना पैसा वापस लेकर रहेंगे। मुझे लगता है कि हम कोई डील करने के बेहद करीब हैं। हमें जल्द से जल्द इस डील को फाइल करना होगा क्योंकि ये बहुत ही खराब स्थिति रही है। इस डील के तहत अमेरिका ने यूक्रेन से ग्रेफाइट, लिथियम और यूरेनियम समेत सारे खनिज भंडारों में 50% हिस्सेदारी की मांग रखी है। ट्रम्प की इस मांग को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की कई बार ठुकरा चुके हैं।

ट्रम्प ने 500 बिलियन डॉलर के दुलर्भ खनिज मांगे थेः इससे पहले ट्रम्प ने कहा था 500 बिलियन डॉलर के रेयर अर्थ मटेरियल्य (दुर्लभ खनिज) अमेरिका को देने होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद रूस किसी भी दिन उसे अपने में मिला सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स से IT तक में रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमालः रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग IT इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है।

पाकिस्तान में होली खेलने वाले हिंदू-मुस्लिम छात्रों पर FIR

एजेंसी, अमृतसर

● कराची यूनिवर्सिटी ने कैंपस में एंट्री बैन की, नोटिस थमाया कट्टरपंथियों ने भी धमकाया

पाकिस्तान में कराची की दाऊद यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में होली खेलने पर हिंदू और मुस्लिम छात्रों पर FIR दर्ज करा दी गई है। 21 फरवरी को दोनों समुदाय के कुछ छात्रों ने यूनिवर्सिटी परिसर में होली का त्योहार मनाया था। इसके कुछ वीडियो भी सामने आए। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने होली खेलने वाले छात्रों को शोकॉज नोटिस जारी कर उनकी कैंपस में एंट्री तक बंद कर दी। साथ ही छात्रों को 24 फरवरी को पेरेंट्स के साथ यूनिवर्सिटी में पहुंचने को कहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घटना पर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। छात्रों को यूनिवर्सिटी से निकालने की चेतावनी दी गई है। इस्लामी कट्टरपंथियों ने होली खेलने के दौरान हिंदू छात्रों को डराने की कोशिश की। कुछ कट्टरपंथियों ने न केवल हिंदू छात्रों के धार्मिक त्योहार का अपमान किया, बल्कि उन्हें भविष्य में इस तरह के किसी भी आयोजन से दूर रहने की धमकी भी दी। यूनिवर्सिटी की तरफ से 21 फरवरी को ओमप्रकाश नाम के स्टूडेंट को नोटिस जारी किया गया। नोटिस में लिखा- '21 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में आपने 'तुहुंजो देश मुहुंजो देश सिंधु देश' जैसे राज्य विरोधी नारे लगाकर शैक्षणिक माहौल को बिगाड़ा। ये विश्वविद्यालय के छात्र आचरण और अनुशासन विनियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस गंभीर मामले के मद्देनजर, विश्वविद्यालय की अनुशासन समिति के अंतिम निर्णय तक आपका विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है।

तेलंगाना टनल हादसा- 8 मजदूरों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी, हैदराबाद

♦ NDRF बोला- अंदर आवाज लगाई, रिस्पॉन्स नहीं मिला, पानी-कीचड़ निकालने हेवी पंप मंगाया

तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया। इस दौरान 8 कर्मवारी फंस गए। NDRD-SDRF रेस्क्यू ऑपरेशन चला रह है। SDRF के अधिकारी के मुताबिक, सुरंग के अंदर जाने का कोई रास्ता नहीं है। घुटनों तक कीचड़ है। सुरंग के अंदर ऑक्सीजन भेजी जा रही है। पानी निकालने के लिए 100 हॉर्स पॉवर का पंप मंगवाया गया है। रेस्क्यू के लिए NDRF के 145 और SDRF के 120 जवान तैनात हैं। सेना की एक इंजीनियर रेजिमेंट, जो सिकंदराबाद में इन्फैंट्री डिवीजन का हिस्सा है, उसे भी स्टैंड बॉय पर रखा गया है।

हादसा 22 फरवरी की सुबह करीब 8:30 बजे हुआ था। टनल के एंट्री पॉइंट से 14 किमी अंदर टनल की छत का करीब 3 मीटर हिस्सा ढहा है। इस दौरान टनल के अंदर करीब 60 लोग काम कर रहे थे। 52 लोग किसी तरह जान बचाकर निकल आए, लेकिन टनल बोरिंग मशीन (TBM) चला रहे 8 लोग फंस गए। इनमें 2 इंजीनियर, 2 मशीन ऑपरेटर और चार मजदूर हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

जर्मनी में आम चुनाव के लिए वोटिंग, सर्वे में चांसलर शोल्ज पिछड़े, विपक्षी पार्टी के मत्ज की जीत के आसार

एजेंसी, बर्लिन

जर्मनी में आज आम चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। सर्वे में मौजूदा चांसलर की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (SPD) पिछड़ती दिख रही है। विपक्षी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (CDU) के फ्रेडरिक मत्ज चांसलर रेस में आगे हैं। इनके अलावा, एलिस वीडेल की कट्टरपंथी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (AFD) को भी बढ़त मिल रही है। सर्वे के मुताबिक 29% लोग फ्रेडरिक मत्ज की पार्टी के समर्थन में है, वहीं कट्टरपंथी एलिस की पार्टी AFD को 21% लोगों ने समर्थन दिया है। इनमें 60% से ज्यादा युवा हैं। 16% लोगों के समर्थन के साथ चांसलर शोल्ज की SPD तीसरे नंबर पर नजर आ रही है। वहीं सत्तारुढ़ गठबंधन में शामिल ग्रीन पार्टी को 12% व फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी को 7% वोट मिल सकता है। ये दोनों किंग मेकर की भूमिका में आ सकती है।

10 घंटे चलेगी वोटिंग, खत्म होने के बाद गिनती शुरूः जर्मनी वोटिंग का समय सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक (भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे से रात 10:30 बजे तक) होगा। 8.4 करोड़ आबादी वाले देश में 6 करोड़ लोग आम चुनाव में वोटिंग करेंगे। वोटिंग खत्म होने के बाद एक्जिट पोल आएंगे। साथ ही वोटों की गिनती भी शुरू हो जाएगी। शुरुआती नतीजे वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटे बाद ही साफ हो जाएंगे। सोमवार सुबह तक रिजल्ट की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

कट्टरपंथी AFD को बढ़त

चुनाव में मस्क और रूस का दखलः अमेरिकी कारोबारी वे टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक इलॉन मस्क के दखल ने भी चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। मस्क ने शानिवार को फिर कट्टरपंथी नेता एलिस वीडेल को समर्थन जताया है। दूसरी तरफ चुनाव में रूस का दखल सामने आया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'डोपेलगैंगर' और 'स्टॉर्म-1516' जैसे ग्रुप रूस से हजारों बॉट आर्मी के जरिए चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। ये ग्रुप रोजाना हजारों वीडियोज-फेक न्यूज सोशल मीडिया खासकर एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं। ये पोस्ट AFD के समर्थन में हो रहे हैं और इनके सबसे ज्यादा निशाने पर SPD है। इनके अलावा रूस से 100 से ज्यादा फर्जी वेबसाइट्स से फेक न्यूज फैलाई जा रही है।

किसानों के दिल्ली कूच पर फैसला, केंद्र के साथ छठी मीटिंग में भी कोई हल नहीं निकला

एजेंसी, चंडीगढ़

♦ MSP की गारंटी पर अड़े रहे किसान

आंदोलनकारी किसानों और केंद्र के बीच चंडीगढ़ में हुई छठी मीटिंग में भी कोई हल नहीं निकला। ढाई घंटे चली मीटिंग में किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने केंद्र के सामने आंकड़े रखे। अब अगली मीटिंग 19 मार्च को चंडीगढ़ में ही होगी। मीटिंग के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- 'बैठक अच्छे माहौल में हुई। हमने मोदी सरकार की प्राथमिकताएं किसानों के सामने रखीं। किसानों की भी बातें सुनीं। किसानों के पास अपने आंकड़े हैं और केंद्र सरकार के पास अपना डेटा है। दोनों आंकड़ों को मिलाया जाएगा।' उधर, किसानों का 25 फरवरी को दिल्ली कूच का प्रोग्राम है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा था कि अगर मीटिंग में हल नहीं निकला तो दिल्ली कूच होगा। किसान इसे लेकर आज फैसला ले सकते हैं।

मंत्री बोले- केंद्रीय एजेंसियां किसानों से डेटा लेंगीः शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान जत्थेबंदियों ने अपनी मांगों के समर्थन में कुछ आंकड़े सामने रखे। इन आंकड़ों के आधार पर उन्होंने अपनी मांगों को उचित ठहराया। आंकड़ों में विभिन्न फसलों की खरीद मात्रा, खरीद मूल्य और बाजार मूल्य का डेटा शामिल था। इन आंकड़ों पर विभिन्न मत सामने आए। किसान संगठनों द्वारा दिए गए आंकड़े केंद्र सरकार के आंकड़ों से मेल नहीं खा रहे थे, इसलिए मंत्रियों ने इनके स्रोत के बारे में पूछताछ की। फिर यह तय हुआ कि अगले कुछ दिनों में केंद्रीय एजेंसियां किसानों से यह डेटा लेंगी और 19 मार्च को इस पर दोबारा चर्चा होगी।

डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील कीः किसानों के साथ हुई मीटिंग में शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल शामिल हुए। शिवराज सिंह चौहान मीटिंग के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल में आते ही डल्लेवाल के पास पहुंचे। उन्होंने झुककर डल्लेवाल का हालचाल जाना। मीटिंग में तीनों केंद्रीय मंत्रियों ने डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील की। डल्लेवाल ने उनसे कहा कि जब तक सभी फसलों पर MSP की गारंटी नहीं मिलती अनशन खत्म नहीं होगा।

दिल्ली विधानसभा में आतिशी विपक्ष की नेता होंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री और कालकाजी से विधायक आतिशी विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी (AAP) की रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक में अरविंद केजरीवाल के अलावा पार्टी के सभी 22 विधायक मौजूद थे। यह पहली बार है जब दिल्ली विधानसभा में कोई महिला विपक्ष की नेता बनी हैं। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- विपक्ष के नाते आम आदमी पार्टी भाजपा सरकार से सारे वादे पूरे करवाएगी। प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को 2500 देने का वादा पूरा करवाना हमारी प्राथमिकता होगी। वहीं केजरीवाल ने आतिशी को विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई दी। विधानसभा का सत्र 24 से 27 फरवरी तक दिल्ली विधानसभा का सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। यह 27 फरवरी तक चलेगा। 26 को शिवरात्रि की वजह से छुट्टी रहेगी। पहले दिन प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ लेंगे। उसके बाद वे विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इसी सत्र में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुना जाएगा। रोहिणी से भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता का स्पीकर बनना लगभग तय है। वहीं मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है। विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को CM रेखा गुप्ता से मुलाकात की थी। गुप्ता ने कहा था कि 25 फरवरी को विधानसभा में CAG की सभी 14 पेंडिंग रिपोर्ट पेश होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि AAP सरकार की गलत शराब नीति से दिल्ली को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन का हिंदी नाम मिटाया

एजेंसी, मद्रास

♦ CM स्टालिन बोले- केंद्र 10 हजार करोड़ दे तब भी न्यू एजुकेशन पॉलिसी लागू नहीं करेंगे

केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच ट्राई लैंग्वेज वॉर जारी है। रविवार को कोयंबटूर के पोलाची रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर स्टेशन के हिंदी नाम को DMK कार्यकर्ताओं काले रंग से मिटाया। इससे पहले CM एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने तमिलनाडु अभिभावक-शिक्षक संघ के कार्यक्रम में कहा कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर साइन करने के लिए केंद्र सरकार 2 हजार या 10 हजार करोड़ ही क्यों न दे दे, मैं साइन नहीं करूंगा। उन्होंने कहा था कि अगर राज्य ने 2 हजार करोड़ रुपए के लिए अपने अधिकार छोड़ दिए तो तमिल समाज 2 हजार साल पीछे चला जाएगा। मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन कभी ऐसा पाप नहीं करेगा। स्टालिन ने कहा- द्रविड़ आंदोलन 85 साल से तमिल की रक्षा के लिए लड़ रहा है। पिछले 75 सालों में भारत में 52 भाषाएं खत्म हो गई और अकेले हिंदी पट्टी में 25 भाषाएं विलुप्त हो गई। जिन राज्यों ने हिंदी के वर्चस्व के कारण अपनी मूल भाषाएं खो दी, उन्हें अब सच्चाई का एहसास हो रहा है।

स्टालिन बोले- शिक्षा और स्वास्थ्य को हमारी दो आंखेंः स्टालिन ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य को अपनी दो आंखें मानती है। इस साल हमने स्कूली शिक्षा विभाग को 44 हजार करोड़ रुपए और उच्च शिक्षा विभाग को 8 हजार 200 करोड़ रुपए बांटे हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि हम शिक्षा क्षेत्र को कितना महत्व देते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में तमिलनाडु भारत में दूसरे स्थान पर है। इस उपलब्धि का कारण स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाएं हैं। केंद्रीय वित्त विभाग द्वारा जारी इकोनोमिकल सर्वे में भी इसे मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट में तमिलनाडु की उपलब्धियों को माना किया है। केंद्र सरकार की इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में तमिलनाडु की शिक्षा की गुणवत्ता को खुलकर प्रशंसा की गई है। लेकिन एक तरफ वे हमारी प्रशंसा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ तमिलनाडु को फंड देने से इनकार करते हैं। केंद्र सरकार ने 2,152 करोड़ रुपए रोक रखे हैं, जो तमिलनाडु को दिए जाने चाहिए थे। यह राशि 43 लाख स्कूली बच्चों के भलाई के लिए है। वे तमिलनाडु को मिलने वाले फंड को देने से इनकार कर रहे हैं, क्योंकि हमने NEP को स्वीकार नहीं किया है।

NEP वंशानुगत बिजनेस की ओर धकेलती हैः स्टालिन ने कहा कि NEP में 6वीं क्लास से जाति आधारित वोकेशनल एजुकेशन शुरू की गई है। छात्रों को पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका देने के बजाय उन्हें मनुस्मृति के गलत सिद्धांतों के मुताबिक वंशानुगत बिजनेस में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम हिंदी समेत किसी भी भाषा के दुश्मन नहीं हैं। अगर कोई हिंदी सीखना चाहता है तो वह हिंदी प्रचार सभा, केंद्रीय विद्यालय (KV) या अन्य संस्थानों में ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है। तमिलनाडु ने कभी किसी को हिंदी सीखने से नहीं रोका है, न ही हम ऐसा कभी करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पर हिंदी थोपने की कोशिश न करें। अगर आप ऐसा करेंगे तो तमिल लोग इसका विरोध करेंगे और तमिलनाडु अपनी ताकत साबित करेगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

ऑस्ट्रेलिया ने किया चैंपियंस ट्रॉफी का सबसे बड़ा चेज, इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया

इंग्लैंड के खिलाफ 47.3 ओवर में 356 रन बनाए, इंग्लिस ने फास्टेस्ट सेंचुरी लगाई

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया है। इंग्लैंड के 352 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलिया ने 47.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जोश इंग्लिस ने मार्क वुड की बॉल पर सिक्स जमाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। इंग्लिस ने 77 गेंद पर शतक लगाया, यह टूर्नामेंट में सबसे कम गेंदों पर सेंचुरी का रिकॉर्ड है।

शनिवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 351 रन बनाए। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने अगली ही पारी में इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया से जोश इंग्लिस ने 86 बॉल पर नाबाद 120 रन की शतकीय पारी खेली। एलेक्स कैरी ने 63 बॉल पर 69, मैथ्यू शॉर्ट ने 66 बॉल पर 63 रन और मार्नस लाबुशेन ने 45 बॉल पर 47 रन बनाए। इंग्लैंड से बेन डकेट ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 143 बॉल पर 165 रन बनाए। डकेट की पारी में 17 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा जो रूट (68 रन) ने अर्धशतक जमाया। जोस बटलर ने 23 रन का योगदान दिया। बेन ड्वारशस ने 3 विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैमी स्मिथ, जो रूट, हैरी ब्रूक, लियम लिविंगस्टन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया: स्टीव स्मिथ (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वारशस, नाथन एलिस, स्पेंसर जॉनसन और एडम जम्पा।

अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आए हैं शमी:पोंटिंग

एजेंसी, दुबई

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की दृढ़ता और शानदार वापसी की ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने प्रशंसा की। पोंटिंग ने चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के पांच विकेट लेने को इस बात का सबूत बताया कि यह अनुभवी गेंदबाज चोट से उबरने के बाद अब अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आया है।

शमी ने आईसीसी टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए 53 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे भारत ने बांग्लादेश को 228 रनों पर समेट दिया। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही वह 200 वनडे विकेट पूरे करने वाले सबसे तेज भारतीय और कुल मिलाकर दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। रिकी पोंटिंग ने शमी की तारीफ करते हुए कहा, चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में पांच विकेट लेना शानदार है। वे वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें कोई भी कप्तान अपनी टीम में चाहता है। जब आप ऐसे किसी खिलाड़ी की आंखों में देखते हैं और उससे उम्मीद रखते हैं कि वह मुश्किल समय में टीम के लिए प्रदर्शन करेगा, तो शमी बिल्कुल वैसे ही हैं। शमी 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए टखने की चोट के कारण 14 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 24 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हालांकि, चोट के कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और बाएं घुटने में सूजन के चलते उनकी रिकवरी लंबी खिंच गई। पोंटिंग ने आगे कहा, शमी के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही शानदार रहा हो, लेकिन अगर पीछे मुड़कर देखें, तो करियर की शुरुआत में उन्हें कई रुकावटों का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने खुद को लगातार बेहतर किया और शायद, इस समय वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। मुश्किल हालात से निकलकर वापसी करना आसान नहीं होता, लेकिन शमी जैसे खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंटों में टीम को आगे ले जाते हैं।

जब तेज गेंदबाज को केस लड़ रही खूबसूरत वकील से हो गया प्यार

पाकिस्तानी क्रिकेटर को स्पॉट फिक्सिंग मामले में इंग्लैंड में हुई थी जेल

एजेंसी, नई दिल्ली

कम समय में तेज गेंदबाजी से वर्ल्ड क्रिकेट में पहचान बनाने वाले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर पिछले साल खूब चर्चा में थे। आमिर की सुर्खियों में बने रहने की वजह टी20 वर्ल्ड कप में उनकी वापसी रही। हालांकि वर्ल्ड कप के बाद आमिर ने दूसरी बार इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा। इस तेज गेंदबाज की लव स्टोरी किसी फिल्म स्टोरी से कम नहीं है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आमिर का करियर जब टॉप पर था तब 2010 में इंग्लैंड में उन्हें स्पॉट फिक्सिंग का दोषी पाया गया। इसके बाद उन्हें 6 महीने की सजा हुई। सजा काटने के दौरान आमिर उनकी केस की पैरवी करने वाली वकील नरजिस खातून की खूबसूरती पर फिदा हो गए और दोनों ने कुछ समय बाद शादी कर ली।

इंग्लैंड के खिलाफ साल 2010 में लॉर्ड्स टेस्ट मैच में मोहम्मद आमिर समेत 3 पाकिस्तानी क्रिकेटर्स का स्पॉट फिक्सिंग में नाम आया था। स्टिंग ऑपरेशन में मजहर माजिद नाम के बुकी के साथ तीनों पाकिस्तानी खिलाड़ी स्पॉट फिक्सिंग करते पकड़े गए थे। ये सारी चीजें कैमरे में कैद हो गई थी। बुकी के साथ यह डील हुई थी कि नो बॉल कैसे करनी है। इसके लिए तीनों खिलाड़ियों ने बुकी से मोटी रकम ली थी। पाकिस्तान के कप्तान सलमान बट के कहने पर मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर ने उस टेस्ट में नो बॉल फेंकी। महज 18 साल की उम्र में आमिर पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में 5 साल का बैन लगाया गया। ब्रिटेन की एक कोर्ट ने मोहम्मद आमिर को दोषी पाए जाने के बाद जेल की सजा सुनाई थी। उन्होंने करीब 6 महीने सलाखों के पीछे बिताए। इसके बाद आमिर ब्रिटेन में जेल में सजा काट रहे थे। आमिर की केस पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश नागरिक नरजिस खातून लड़ रही थीं। इसी बीच आमिर और नरजिस के बीच नजदीकिया बढ़ने लगी। फिर दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया। इसके बाद जैसे ही आमिर के ऊपर लगा क्रिकेट का बैन खत्म हुआ उन्होंने नरजिस से साल 2016 में शादी कर ली थी।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिलेः जो रूट

एजेंसी, नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है। रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है। उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची। उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता। आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं।रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते। हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा। रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित का संन्यास लेना तय : मांजरेकर

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खेल को अलविदा कह सकते हैं। रोहित ने पहले ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ समय से वह एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर संन्यास लेना रहेगा। उनकी उम्र भी 37 वर्षीय हो गयी है। ऐसे में वह जानते हैं कि भविष्य की योजनाओं में वह शामिल नहीं रहेंगे। जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भारतीय टीम पहले ही बाहर हो गयी है। अगला आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट साल 2027 में है और उसमें अभी ढाई साल साल का समय है तब तक रोहित 40 के करीब हो जाएंगे और उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं होगी। इसी को देखते हुए मांजरेकर ने कहा है कि रोहित के लिए चैंपियंस ट्रॉफी अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है।

वह पिछले एक दशक से टीम के सलामी बल्लेबाज रहे हैं पर अब अच्छा दौर समाप्त हो गया है। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने के इरादे से इल में घरेलू क्रिकेट भी खेला था पर इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनका अंतिम टूर्नामेंट रहेगा।

आगे की राह उनके लिए आसान नहीं है। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित ने स्वयं बोर्ड को ये बात बता दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद नए कप्तान पर विचार कर करें। मांजरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि साल 2027 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप तक वह रहेंगे। ऐसी संभावना काफी कम है। मांजरेकर ने कहा कि रोहित को अपने दिमाग को खुला रखना चाहिये और ये नहीं सोचना चाहिए कि ये उनका आखिरी प्रदर्शन या कुछ और है। उन्हें इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिये।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

एजेंसी, मुंबई

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

महेश भूपति पहुंचे पटना, टेनिस के उभरते खिलाड़ियों से की मुलाकात

खेल प्रोत्साहन की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की

एजेंसी, पटना

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने आज पटना का दौरा किया और यहां के उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी ट्रेनिंग, खेल तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें खेल के प्रति समर्पित रहने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। महेश भूपति ने बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेंदर और निदेशक महेंद्र कुमार से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिहार में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण से भी भेंट की और राज्य में खेलों को प्रोत्साहित करने की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी ली। महेश भूपति ने बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। महेश भूपति ने कहा कि बिहार में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले वर्षों में यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। उन्होंने राज्य में टेनिस और अन्य खेलों के विकास के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए और भविष्य में बिहार के खिलाड़ियों के साथ और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। इस यात्रा से न केवल युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिली, बल्कि बिहार में खेल संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में नई संभावनाएं भी खुलीं। उन्होंने कहा बिहार में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और उभरते खिलाड़ियों की प्रतिभा देखकर बेहद खुशी हो रही है। यह राज्य भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में टेनिस को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए बेहतर आधारभूत संरचना, प्रशिक्षकों और प्रतियोगिताओं की आवश्यकता है। इस अवसर पर कई कोच, प्रशिक्षक और खेल प्रेमी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बिहार में खेलों के विकास पर चर्चा की। खेल विभाग के अधिकारियों ने महेश भूपति को बिहार में खेल संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप : हरियाणा, महाराष्ट्र और सर्विसेज़ की दमदार शुरुआत

एजेंसी, कटक

71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में नॉकआउट चरण का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबलों में शीर्ष टीमों ने अपना दबदबा दिखाया, जिससे टूर्नामेंट और भी दिलचस्प हो गया। हरियाणा की संघर्षपूर्ण जीतः डिफेंडिंग चैंपियन हरियाणा को तमिलनाडु के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि, अनुभवी योगेश कथुनिया और आशु मलिक की अगुवाई में हरियाणा की मजबूत रेडिंग यूनिट ने शानदार प्रदर्शन किया और 48-41 के अंतर से जीत दर्ज की। मुकाबले में तमिलनाडु की टीम ने दमदार खेल दिखाया, लेकिन अंतिम क्षणों में हरियाणा ने बढ़त बना ली।

सर्विसेज़ की धमाकेदार जीतः नवीन कुमार के नेतृत्व में सर्विसेज़ ने अपने कौशल और संतुलित खेल का परिचय देते हुए मध्य प्रदेश को 57-22 से मात दी। उनके मजबूत डिफेंस और आक्रामक रेडिंग की बदौलत यह मुकाबला पूरी तरह से एकतरफा साबित हुआ। इस प्रदर्शन के साथ सर्विसेज़ ने खुद को खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल कर लिया है। पंजाब की एकतरफा जीतः कबड्डी की एक और दिग्गज टीम पंजाब ने बिहार के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 47-18 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। उनकी टीम ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और बिहार को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

महाराष्ट्र ने मेजबान ओडिशा को हरायाः मेजबान ओडिशा को महाराष्ट्र के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां आकाश शिंदे, अजीत चौहान और पंकज मोहिते जैसे खिलाड़ियों के दमदार खेल की बदौलत महाराष्ट्र ने 43-26 से जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद ओडिशा की टीम महाराष्ट्र की रणनीतिक बढ़त को नहीं रोक सकी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

बेल के कीट - रोग

प्रमुख रोग-

बेल का केंकर - यह रोग जैन्थोमोनास बिल्वी नामक जीवाणु द्वारा होता है। प्रभावित भागों पर जलासिक्त धब्बे बन जाते हैं। जो बाद में आपस में मिलकर बड़े एवं भूरे रंग के हो जाते हैं। रोग की तीव्रता बढ़ने पर रोगग्रसित भाग का ऊतक नष्ट होकर पत्तियों पर छिद्र बन जाते है।

प्रबंधन

रोग की रोकथाम हेतु निम्न प्रबंधन उपाय अपनायें।

- पौधे लगाने हेतु केंकर रहित नर्सरी से पौधों का चयन करें।
- केंकर प्रभावित भागों को मानसून से पूर्व कटाई–छटाई कर जला दें।
- तांब्रयुक्त जीवाणुनाशक जैसे– बोर्डो मिक्शचर इत्यादि का प्रयोग करें।
- स्ट्रेप्टोसाक्लिन (200 पीपीएम) को पानी में घोलकर छिड़काव करें आवश्यकतानुसार छिड़काव पुनः दोहरावें।

छोटे फलों का गिरना

यह रोग फ्यूजेरियम नामक फफूंद द्वारा होता है। इस रोग में बेल के छोटे–छोटे फल (5–8 सेमी) गिरने लगते हैं। इस रोग का संक्रमण सर्वप्रथम डंठल पर होता हैं। तथा छोटे–भूरे रंग के घेरे फल के ऊपरी हिस्से पर बनने लगते है। फल के डंठल व फल के मध्य संक्रमण होने से फल का डंठल से लगा भाग कमजोर हो जाता है जिससे डंठल फल का भार सहन नहीं कर पाते हैं और फल पूर्ण रुप से बढ़वार न लेकर समय से पूर्व ही गिर जाते हैं।

प्रबंधन

- संक्रमित फलों को इकट्ठा कर जला दें।
- अब फल छोटे हो तब कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का कम छिड़काव करें।

डाईबैक

इस रोग का प्रकोप लेसियोडिप्लोडिया नामक फंफूद द्वारा होता है। इस रोग में रोगग्रसित टहनियां ऊपर से नीचे की तरफ सूखने लगती हैं। टहनियों व पत्तियों पर भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। एवं रोग की तीव्रता बढ़ने से पौधे की पत्तियां गिरने लगती हैं।

प्रबंधन-

- **संक्रमित टहनियों की कटाई–** छंटाई कर इन्हें नष्ट कर दें।
- कॉपर आक्सीक्लोराइड का (0.3 प्रतिशत) छिड़काव करें तथा आवश्यकता पड़ने पर 10–15 के अंतराल पर छिड़काव पुनः दोहरायें।
- **फलों का गिरना/ आंतरिक विगलन–** बेल के बड़े फल अप्रैल–मई में बहुतायत से गिरते हैं। गिरे बेलों में आंतरिक विगलन के लक्षण पाये जाते हैं। साथ ही बाह्य त्वचा में फटन भी पाई जाती है।

प्रबंधन– इस रोग के नियंत्रण के लिए बोरेक्स 300 ग्राम प्रति वृक्ष के हिसाब से प्रयोग करें। साथ ही 1 प्रतिशत बोरेक्स का 2 बार छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर फलों पर छोटी अवस्था में करें।

फल सड़न

बेल के ऐसे फल जो तोड़ते समय गिर जाते हैं, उन फलों की बाह्य त्वचा में हल्की फटन हो जाती है तथा ऐसे फल तेजी से सड़ने लगते हैं। ऐसे फलों के अंदर एस्परजिलस फंफूद विकसित होती है। तथा अंदर का गूदा अधिक मुलायम व तीक्ष्ण गंध वाला हो जाता है।

प्रबंधन–

इसके नियंत्रण हेतु फलों को सावधानी से तोड़े जिससे फल जमीन पर न गिरे एवं फलों की त्वचा पर फटन न होने पाये साथ ही ऐसे फल मृदा के संपर्क में भी नहीं आयें।

प्रमुख कीट-

झंडा तितली

पेपीलिओ डिमोलस के लार्वा की प्रारंभिक अवस्थाएं नई पत्तियों को खाते हैं तथा लार्वा के बाद की अवस्थाएं, परिपक्व पत्तियों को नुकसान पहुंचाती है। पौधों की नर्सरी अवस्था में ही सारी पत्तियां झड़ जाती हैं।

प्रबंधन-

लार्वा को एकत्रित कर नष्ट करें तथा डाइमिथिएट 2 मिली/ ली. के हिसाब से स्प्रे प्रभावी रहेगा।

फल मक्खी-

बेक्ट्रोसीरा जोनाटा लगे फल परिपक्व होने से पहले ही झड़ जाते हैं फल का सड़ना व फटना भी कीट लगे फल में देखा जा सकता है। कुछ दिनों बाद गिरे हुए फल से प्रभावी मेगट पूपेशन के लिए बाहर आता है। 40–50 लार्वा एक फल में देखे जा सकते हैं। फलों का गिरना पिछेती फसल पर अधिक होगा।

प्रबंधन-

गिरे हुए फलां को एकत्रित कर नष्ट कर दें। गर्मियों में प्यूपा को नष्ट करने के लिए पेड़ के तने के चारों ओर की मिट्टी को खुला छोड़ दें। मेलाथियान 50 ग्राम+गुड़ 500 ग्राम+पानी 50 लीटर के मिश्रण का स्प्रे करने पर व्यस्क कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है।

पत्तियों का काला धब्बा

बेल की पत्तियों की दोनों सतहों पर काले धब्बे बन जाते है जिनका आकार आमतौर पर 2–3 मिमी का होता है। इन धब्बों पर काली फफूंदी नजर आती है। जिसे इजेरिआप्सिस कहते हैं।

प्रबंधन-

इसकी रोकथाम के लिए जब नई पत्तियां निकल रही हो तब बाविस्टीन (0.1 प्रतिशत) या डाईफोलेटान (2 प्रतिशत) का 2 से 3 छिड़काव 15 दिनों के अंतर पर करें।

नर्सरी में कीट व्याधियों का नियंत्रण

प्रमुख रोग- आर्द्रपतन

बीज के अंकुरित होने से पहले मिट्टी की सतह पर पहुंचने से पहले ही बीजांकुर मर जाते हैं क्योंकि ऐसा मिट्टी के भीतर ही होता है जिनसे उत्पादक इसको जान नहीं पाता और वह इसे रोग न समझकर बेकार किस्म का बीज समझ बैठता है।

दूसरी अवस्था में पौध नर्सरी में उग जाती है परंतु वह शीघ्र ही गिर जाती है ऐसा कवक मिट्टी तल अथवा इससे नीचे संक्रमण करता है। नर्सरी में रोगग्रस्त बीजांकुरों के बड़े–बड़े क्षेत्र के रुप में दिखाई देते हैं। जब मिट्टी में नमी की मात्रा मध्य से उच्च तक तथा तापमान अधिक होता है तब रोग उग्र रुप धारण कर लेता है।

नियंत्रण हेतु

- बीजों को आर्द्रपतन के प्रथम अवस्था से बचाने के लिए बीजोपचार करें। बीजोपचार के लिये बीजों को कार्बेन्डाजिम या थायरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- मिट्टी उपचार भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एक भाग फार्मलीन को 50 भाग जल में मिलाकर नर्सरी की मिट्टी को चार इंच गहराई तक गीला कर देवे। इसके अतिरिक्त फाइटोलान (0.5 प्रतिशत) अथवा पेरेनाक्स (0.2 प्रतिशत) से भी मिट्टी को उपचारित कर सकते है।
- नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हो जिससे उचित जल निकास हो सके।
- अच्छी प्रकार से सड़ी हुई खाद प्रयोग करें।
- नर्सरी में मिट्टी तथा बालू की उचित मात्रा हो।
- नर्सरी में अधिक बीज की बुवाई न करें।

प्रमुख कीट

दीमक– छोटे आकार का यह कीट जमीन में रहता है और अंदर से ही पौधों की जड़ों को काटकर खाता है जिससे पौधे मुरझाकर सूख जाते हैं। यह कीट पौधे के तने व टहनियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

कातरा

मटमैले रंग की इस कीट की लट रात को निकलकर पौधशाला में पौधों की जमीन की सतह से काटकर गिरा देती है।

चैंपा व हरा तेला

पौधों की कोमल पत्तियों, कोपलों से यह रस चूसता है जिससे उन पर सफेद पीले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं व पौधे कमजोर हो जाते हैं। चैंपा पत्तियों व ग्रसित भाग पर चिपचिपा पदार्थ छोड़ता है जिससे कई प्रकार की फफूंदी के संक्रमण का भय रहता है। ये कीट कई फसलों में विषाणु रोगों के वाहक का काम भी करता है।

सफेद लट

इस कीट के लार्वा नर्सरी व खेत दोनों में पौधों को हानि पहुंचाते हैं। इनकी लटें जमीन में रहती हैं और पौधों की जड़ों को काट देती हैं जिससे पौधे मर जाते हैं।

आरा मक्खी

हरे काले रंग की लटें पौधों की छोटी अवस्था में नुकसान करती है। यह सुबह या शाम के समय पत्तियों को खाती हैं व गोल छेद बना देती है और अधिक उग्र अवस्था में पौधे को खत्म कर देती है।

उपरोक्त कीटों के अतिरिक्त कई प्रकार की भृंग, वीवल्स आदि नर्सरी में पौध को क्षति पहुंचाते है।

तम्बाकू की लट

यह कीट अधिकतर खड़ी फसल में नुकसान करते हैं परंतु नर्सरी में टमाटर, गोभीवर्गीय सब्जियों के पौधों को अपने काटने वाले मुखांगों से काटकर नुकसान करते हैं।

नियंत्रण

- नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हों जिससे उचित जल निकास हो सके।
- नर्सरी में सफाई का ध्यान रखें। समय समय पर निराई गुड़ाई करते रहें। खरपतवारों को उखाड़कर नष्ट कर देवे एवं कूड़ा करकट को एकत्रित कर जला दें।
- नर्सरी में पौध लगाने से पूर्व मिट्टी को मिथाइल पैराथियान से उपचारित करें जिससे उसमें उपस्थित अण्डे व प्यूपा खत्म हो जायें।
- नर्सरी में उपयोग होने वाले बीजों को इमिडाक्लोप्रिड 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें जिससे रस चूसने वाले कीटों से लम्बे समय तक बचाव होता है।
- नर्सरी में खड़े पौधों को पत्ती काटने वाली सुण्डियों से रोकथाम हेतु क्विनालफास की 2 मिली मात्रा एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- नर्सरी में दीमक की रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफास को सिंचाई के साथ देवे।
- नर्सरी के बाहर प्रकाश प्रपंच लगाकर रात्रि में आकर्षित कीटों को नष्ट कर देवे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग कश्यप, सिनेमा को लेकर की अपने मन की बात

अनुराग कश्यप ने सिनेमा के प्रति को दिखाया है। निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि जब चीजें खराब हो जाती हैं, तो वे खुद को याद दिलाते हैं कि वे कहां से आए हैं। अनुराग ने यह भी कहा कि उनके पास आज इंडस्ट्री में काम कर रहे, कई स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की तुलना में अधिक विशेषाधिकार हैं और यही वह चीज है जिस पर वे अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बजाय ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग

फोर्ब्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इन दिनों दर्शक बड़े बजट की फिल्मों को देखना पसंद करते हैं, इस बीच वे स्ट्रीमिंग पर आने वाली छोटी फिल्मों का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भविष्य की ओर देखना बंद कर दिया है। अब मैं उन चीजों पर बात करना चाहता हूं, जिस पर बात करना लोगों ने बंद कर दिया है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था क्योंकि मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है।

सिनेमा से है बेहद प्यार

अनुराग कश्यप ने कहा कि मैं घर पर जो रुकावटें आती हैं, उसके कारण घर पर फिल्में देखना पसंद नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे सिनेमा में ही फिल्म देखने में मजा आता है। अनुराग कश्यप ने कहा, क्या होगा अगर सब कुछ खराब हो जाए। अगर मेरा सारा काम गलत हो जाए। मैं जहां से आया हूं, वहीं चला जाऊंगा। मैं सिनेमा से बहुत प्यार करता हूं।

निर्माताओं के साथ होती है तुलना

अन्य निर्माताओं के साथ तुलना किए जाने पर अनुराग बसु ने कहा कि मेरी अन्य निर्देशकों के साथ तुलना क्यों की जाती है। मुझे एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता क्यों नहीं माना जाता। बता दें कि निर्माता अनुराग कश्यप की कन्नड़ फिल्म टाइगर्स पॉन्ड बर्निल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई।

नरगिस फाखरी ने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से की गुपचुप शादी!

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में गुपचुप तरीके से शादी की। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अब यह कपल स्विट्जरलैंड में अपना हनीमून मना रहा है। हालांकि, नरगिस ने अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। रेडिट पर नरगिस फाखरी और टोनी बेग की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। इसमें उनका वेडिंग केक दिखाई दे रहा है, जिस पर हैप्पी मैरिज लिखा हुआ है। साथ ही दोनों के साइन भी किए गए हैं।

कौन हैं टोनी बेग

टोनी बेग कश्मीर के रहने वाले एक बिजनेसमैन हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरगिस और टोनी 2022 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। नरगिस ने शेयर कीं स्विट्जरलैंड की फोटोज नरगिस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्विट्जरलैंड की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस टोनी की स्टोरीज भी री-शेयर कर रही हैं। इस वजह से सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि दोनों ने वास्तव में शादी कर ली है और अब वे हनीमून मना रहे हैं।

उदय चोपड़ा को कर चुकी हैं डेट

उदय चोपड़ा ने साल 2013 में नरगिस फाखरी को डेट करना शुरू किया था। एक-दूसरे को पांच साल तक डेट करने के बाद, दोनों ने 2017 में ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि, एक इंटरव्यू में उदय के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए नरगिस ने कहा था, उदय और मैंने 5 साल तक डेट किया और वह भारत में मुझे मिले सबसे खूबसूरत इंसान थे। मैंने मीडिया के सामने यह कभी नहीं कहा क्योंकि लोगों ने मुझे अपने रिश्ते को छिपाकर रखने के लिए कहा था, लेकिन मुझे इसका अफसोस है।

इन फिल्मों में काम कर चुकीं नरगिस

मॉडलिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाने के बाद नरगिस ने 2011 में फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद नरगिस फिल्म मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, अजहर, हाउसफुल 3 और अमावस जैसी फिल्मों में नजर आईं।

तीन मिनट के रोल के लिए वसूले करोड़ों?

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी का रोल बहुत बड़ा नहीं है। मगर, शुरुआत से उन्होंने इस तरह का माहौल बनाकर रखा कि जैसे वे फिल्म की लीड अदाकारा हैं। इसे लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर उर्वशी इस फिल्म में अपनी फीस को लेकर चर्चा में आ गई हैं। फिल्म में उर्वशी का रोल महज तीन मिनट का रहा है। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इसके लिए उन्हें अच्छा-खासा भुगतान किया गया है।

तीन मिनट का रोल और फीस इतने करोड़

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी रौतेला की फीस को लेकर अटकलें लगी हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री को अपने करीब तीन मिनट के रोल के लिए तीन करोड़ रुपये फीस दी गई है। यानी एक मिनट के लिए एक करोड़ रुपये। हालांकि, खबरों में किए जा रहे दावों की अभी उर्वशी या किसी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इस गाने से बटोरी चर्चा

उवर्शी ने फिल्म डाकू महाराज के दाबिड़ी-दीबिड़ी गाने से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसमें वे नंदमुरी बालकृष्ण के साथ नजर आईं। गाने में उर्वशी के डांस मूव्स पर भी काफी विवाद हुआ। 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई डाकू महाराज आज 21 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

आयुष्मान के साथ पर्दे पर जमेगी शरवरी वाघ की जोड़ी

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सूरज बड़जात्या को परिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है।

इस वजह से किया गया कास्ट

निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया।

पहली बार जमेगी जोड़ी

दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

मोहनलाल ने कंफर्म की दृश्यम 3

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जल्द ही दृश्यम फ्रेंचाइजी के अगले भाग में नजर आने वाले हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया के जरिए दी है। मोहनलाल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा, अतीत कभी शांत नहीं रहता। दृश्यम 3 कंफर्म। इस एलान के बाद फैंस का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। लोग सोशल मीडिया पर कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्लासिक क्रिमिनल वापस आ रहा है। एक और यूजर ने लिखा, इस फिल्म के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। इसके अलावा और भी यूजर्स कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का रोल

राजकुमार राव जल्द ही अपकमिंग बायोपिक फिल्म में पूर्व भारतीय क्रिकेट कैप्टन सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। काफी समय से हीरो को लेकर चर्चा हो रही थी कि ऑन-स्क्रीन सौरव की भूमिका में कौन नजर आएगा। अब खुद क्रिकेटर ने अनाउंस किया है कि बड़े पर्दे पर उनकी भूमिका राजकुमार राव अदा करेंगे। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, 'जो मैंने सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव लीड रोल निभाएंगे, लेकिन डेट को लेकर इश्यू है। इसलिए इस बायोपिक फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने में एक साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।' यह बायोपिक फिल्म फिलहाल शूटिंग के स्टार्टिंग फेज में है। लेकिन इसकी अनाउंसमेंट के बाद से एक्टर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि मेकर्स ने फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। फिल्म के नाम और अन्य कलाकारों का नाम भी अभी नहीं बताया गया है।

मुश्किल वक्त मूव ऑन करने में यकीन करता हूं

बीते लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रहने वाले अर्जुन कपूर इन दिनों खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी को लेकर। अपनी पिछली फिल्म सिंघम अगेन में वे एक नेगेटिव किरदार में दिखे थे, मगर अब वे थिएटर में रोम-कॉम रूप में नजर आएंगे। इस मुलाकात में वे शादी, अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव, सफर और अतीत को याद करते हैं।बीते लंबे समय से फिल्में थिएटर में वो जलवा नहीं दिखा पा रही हैं। मगर अर्जुन इस मामले में प्रेशर फील नहीं करते। वे कहते हैं, प्रेशर लेने से क्या होगा? हम अदाकार हैं। हमारा काम अभिनय करना है। आज का दर्शक बहुत समझदार हो गया है। इस सचाई को स्वीकारना होगा कि फिल्म अच्छी होगी तो चलेगी।

मेरे वैल्यूज आज भी जस के तस हैं

आज से तकरीबन 13 साल पहले अर्जुन कपूर ने इश्कज़ादे से फिल्मों में एंट्री की थी। तब से लेकर अब तक के अपने सफर के बारे में वे कहते हैं, इश्कजादे में आपने जिस मासूम और वल्नरेबल लड़के को देखा था, वही वल्नरेबिलिटी आज भी है। दौर बदल गया है, चीजें बदल गई हैं, मगर मेरे कोर वैल्यू जस के तस हैं। मेरे माता-पिता और परिवार ने जो कुछ सिखाया है। मैं आज भी वही हूं। दस-बारह सालों में मेरी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए, मगर मैं अटल रहा हूं। मैंने अपने काम से जवाब दिया, उन लोगों को जिन लोगों ने मुझ पर सवाल उठाए। मैं लगातार अपना काम करता गया। इश्कजादे, टू स्टेट, की एंड का, संदीप और पिंकी फरार, मुबारका जैसी फिल्मों से मैं ऑडियंस का प्यार पाता गया। मगर सिंघम अगेन में मुझे दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार मिला है, तो वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। अब मुझे अपनी इस नई फिल्म से बहुत उम्मीद है। मैं कह सकता हूं कि मेरा सफर शानदार रहा और आज मैं जो कुछ हूं, इसमें मेरी यात्रा का बहुत बाद योगदान रहा है।

शादी आज भी हमारे समाज में अहम है

अर्जुन की ताजा-तरीन फिल्म शादी -ब्याह पर आधारित है। असल जिंदगी में वे शादी के बारे में कहते हैं, हम जिस देश में पले-बढ़े हैं। उसकी सभ्यता और विचारधारा को समझना बहुत जरूरी है। उसमें शादी एक अहम भूमिका अदा करता है। ऐसे में आपके बड़े-बूढ़े चाहते हैं कि आप शादी करके खुश रहें, स्थायी हो जाएं, आपको भागदौड़ भरी जिंदगी में एक संतुलन मिले। आप जब घर लौटें, तो घर पर एक आधार पाएं। मैं इस विचारधारा से सहमत हूं कि आपकी एक रिलेशनशिप हो जो शादी में तब्दील हो। मगर अब बात बदल गई है। पहले आप दो लोग एक समय में शादी करके एक साथ अपनी जिंदगी बनाते थे, मगर अब ऐसा हो गया है कि पहले जब आप अपनी जिंदगी संभाल पाएंगे, उसी के बाद किसी को अपने जीवन में ला पाएंगे। आज शादी में स्टेबिलिटी पहले देखी जाती है, मगर इसके बावजूद यही कहूंगा कि शादी आज भी हमारे समाज में बहुत मजबूत है।

जिस फिल्म में असिस्टेंट था, आज उसी के पार्ट 2 हीरो हूं

फिल्म परिवार के होने के साथ-साथ वे 16 साल की उम्र में सहायक निर्देशक भी रहे। वे कहते हैं, देखिए मैं सिनेमा के बैकग्राउंड से हूं। घर पर खाना परोसा जाता तो सिनेमा के साथ साथ ही बात शुरू होती है और सिनेमा के साथ ही बात खत्म होती है। मगर यदि आपको सिनेमा के क्षेत्र में कुछ करना है, तो कुरुक्षेत्र में तो उतरना ही पड़ेगा। मैं उतर पड़ा सहायक निर्देशक के रूप में। मैंने कल हो न हो से असिस्टेंट डायरेक्टर का काम करना शुरू किया। मैंने सलाम-ए-इश्क और नो एंट्री में असिस्ट किया था और अब जिंदगी ऐसे घूम कर आ गई है कि मैं नो एंट्री 2 में अभिनय करने वाला हूं। क्राफ्ट के प्रति मेरा पैशन के कारण ही मुझे यहां डाला गया कि मैं सिनेमा की बारीकियों को समझ सकूं। फिल्म निर्माण बहुत ही पेचीदा प्रक्रिया है। सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म के एक विचार के साथ पूरा कास्ट और क्रू एक साथ आगे बढ़ता है। लोगो को शोहरत और लोकप्रियता दिखती है, मगर जो एक मेहनत होती है, वो नहीं दिख पाती।

आज की जनरेशन पर सोशल मीडिया का बहुत प्रेशर है

बीते वक्तों में अर्जुन एक तरफ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से गुजरे तो निजी जिंदगी में ब्रेकअप का सामना भी किया। बहुत पहले ही वे अपनी मां को भी गंवा चुके थे। मगर उनका मानना है कि उनकी जिंदगी के उतार-चढ़ावों ने उन्हें मजबूत बनाया। वे कहते हैं, अगर जिंदगी में सबकुछ सुलझ जाए, तो जीवन बहुत बोरिंग हो जाएगा। मेरी जिंदगी में काफी ऊंच-नीच हुई है। आपके साथ जब कुछ बुरा हो रहा होता है, तो आप उसे एक बाधा के रूप में देख कर ये सोच सकते हो कि ऐसा मेरे क्यों हो रहा है? मैंने ऐसा क्या किया? आप हालात या लोगों को दोष दे सकते हैं, जो आम तौर पर होता है और आज की जनरेशन में तो ज्यादा ही होता है, क्योंकि आज सोशल मीडिया का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। आप लोगों की कामयाबी देखते हैं।